https://epaper.shubhamsandesh.net

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनबाद, बुधवार 23 जुलाई 2025 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 13, संवत 2082 ● रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 106 ● मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.3	23.0
डालटनगंज	31.8	26.0
धनबाद	34.0	27.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूर किया उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की उत्तम स्वास्थ्य की कामना

एजेंसियां। नयी दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है. सोमवार देर शाम धनखड़ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र भेजकर पद से इस्तीफे की बात कही थी. उन्होंने अपने इस्तीफे के पीछे स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था. मंगलवार को राज्यसभा को जगदीप धनखड़ के तत्काल प्रभाव से इस्तीफे के संबंध में गृह मंत्रालय की अधिसूचना के बारे में सूचित किया गया. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने संविधान के अनुच्छेद 67ए के तहत भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की सूचना तत्काल प्रभाव से राज्यसभा को दे दी है. इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर जगदीप धनखड़ के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की. उन्होंने लिखा, जगदीप धनखड़ को भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है. मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं.

बता दें कि जगदीप धनकड़ के उपराष्ट्रपति पद छोड़ने के साथ ही राज्यसभा के सभापति पद भी स्वतः रिक्त हो गया है. उपराष्ट्रपति उच्च सदन के पदेन सभापति होते हैं. ऐसे में अब जब इस्तीफा मंजूर हो गया है तो मानसून सत्र में राज्यसभा की पूरी कार्यवाही उपसभापति हरिवंश चलाएंगे. इसके अलावा राष्ट्रपति की ओर से अधिकृत सदस्य को भी यह जिम्मेदारी दी सकती है. उपराष्ट्रपति पद का चुनाव छह माह में कराना होता है. संविधान के अनुसार, मृत्यु, त्यागपत्र या हटाए जाने या अन्य किसी कारण से उपराष्ट्रपति पद की रिक्ति भरने के लिए चुनाव यथाशीघ्र कराने का प्रावधान है.

कार्यकाल के बीच इस्तीफा देने वाले तीसरे उपराष्ट्रपति बने धनखड़

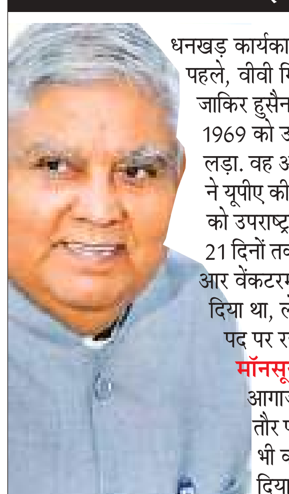

धनखड़ कार्यकाल के बीच में पद से इस्तीफा देने वाले तीसरे उपराष्ट्रपति बन गए हैं. इससे पहले, वीवी गिरि ने इस्तीफा दे दिया था, जिन्होंने तीन मई 1969 को तत्कालीन राष्ट्रपति जाकिर हुसैन के निधन के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति का पद संभाला था. गिरि ने दो जुलाई 1969 को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देकर स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति चुनाव लड़ा. वह अपना कार्यकाल पूरा न कर पाने वाले पहले उपराष्ट्रपति थे. भैरों सिंह शेखावत ने यूपीए की प्रतिभा पाटिल के खिलाफ राष्ट्रपति चुनाव में हारने के बाद 21 जुलाई 2007 को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया. शेखावत के इस्तीफे के बाद, उपराष्ट्रपति का पद 21 दिनों तक रिक्त रहा, जिसके बाद हामिद अंसारी इस पद के लिए चुने गए. उपराष्ट्रपति आर वेंकटरमन, शंकर दयाल शर्मा और केआर नारायणन ने भी अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन राष्ट्रपति चुने जाने के बाद. कृष्णकांत एकमात्र उपराष्ट्रपति थे, जिनका पद पर रहते हुए निधन हो गया था. उन्होंने 27 जुलाई 2002 को अंतिम सांस ली थी.

मॉनसून सत्र शुरू होते ही इस्तीफे से उठे सवाल : संसद के मॉनसून सत्र का आगाज सोमवार को ही हुआ. उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सत्र के पहले दिन सभापति के तौर पर दिन भर राज्यसभा कार्यवाही का संचालन किया, शाम को सांसदों की बैठक भी की. फिर करीब तीन घंटे बाद खराब सेहत का हवाला देकर पद से इस्तीफा दे दिया. इसी के साथ सवाल उठने लगे कि अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा?

नए उपराष्ट्रपति की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया जल्द : संवैधानिक प्रक्रिया के तहत राज्यसभा के सभापति का पद रिक्त हो गया है और नए उपराष्ट्रपति की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया जल्द शुरू हो सकती है. संबंधित विभाग द्वारा जल्द ही गजट अधिसूचना जारी की जाएगी, जिसमें इस्तीफा स्वीकृत किए जाने की आधिकारिक जानकारी दी जाएगी.

2027 तक था कार्यकाल : धनखड़ का कार्यकाल अगस्त 2027 तक था, यानी उनके पास अभी दो साल से अधिक समय बाकी था. ऐसे में अचानक इस्तीफे ने कई तरह की अटकलों को जन्म दिया. उन्होंने अपने त्यागपत्र में स्वास्थ्य कारणों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रिमंडल के प्रति आभार व्यक्त किया.

राष्ट्रपति से मिले हरिवंश नारायण

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने मंगलवार को राष्ट्रपति से मुलाकात की. धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे के 24 घंटे के भीतर उपसभापति की राष्ट्रपति से मुलाकात कई मायनों में अहम मानी जा रही है. सभापति का पद खाली होने के बाद हरिवंश ने कार्यवाहक सभापति की जिम्मेदारी संभाल ली है. उपराष्ट्रपति को लेकर संभावित चेहरों पर चर्चाएं शुरू हो गई है. इस रेस में हरिवंश को अब सबसे आगे माना जा रहा है. राष्ट्रपति भवन ने बैठक की तस्वीर शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, उपसभापति हरिवंश ने राष्ट्रपति से मुलाकात की.

संसद-विधान सभाओं की गरिमा गिरती गई, तो एक दिन लोकतंत्र भी हिल जाएगा

सुरेंद्र किशोर

'हल्ला ब्रिगेड' के खिलाफ शून्य सहनशीलता वाले नेता ही स्पीकर -सभापति बनें. विधायिकाओं को मछली बाजार बनने से रोकने में सत्ताधारी दल पीठासीन पदाधिकारियों को पूर्ण सहयोग दें. अन्यथा, विभिन्न सदनों में जारी हड़भोंग के खिलाफ देश में बढ़ते जन रोष का लाभ उठा कर कोई हिटलर नुमा निष्ठुर तानाशाह सत्ता हथिया लेगा.

संसदीय नियमों के पालन को लेकर दृढ इच्छा शक्ति वाले सांसदों-विधायकों को ही संसद और विधान मंडलों का स्पीकर या सभापति बनाया जाना चाहिए. वैसी स्थिति में सदन की कार्य संचालन नियमावली के कम से कम आधे नियमों का पालन हो पाएगा. अब तक हुए पीठासीन पदाधिकारियों के अखिल भारतीय सम्मेलनों की कुछ सिफारिशों का भी पालन हो पाएगा. 'हल्ला ब्रिगेड' का मुकाबला 'पीस कीपिंग फोर्स' ही तो कर सकता है !!

अन्यथा शालीन और संवेदनशील पीठासीन पदाधिकारियों को तो बारी -बारी से हल्ला ब्रिगेड के लोग शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार करते जाएंगे! (कोई पक्की जानकारी तो नहीं, मेरे मन में यह सवाल जरूर उठ रहा है कि क्या सदन में तनाव झेलते- झेलते जगदीप धनखड़ साहब बीमार तो नहीं हो गए हैं.)

छूट पर अंकुश लगे : सदन के भीतर कुछ भी बोल कर आपराधिक मुकदमे से बच जाने का प्रावधान तब किया गया था, जब राजनीति में अधिकतर लोग शालीन व कानून मानने वाले हुआ करते थे. आज तो कई ऐसे सदस्य हैं, जो सदन के बाहर जब भी मुंह खोलते हैं, उन पर कोर्ट में केस हो जाता है. पर, सदन से मिली छूट का लाभ उठा कर वे आए दिन कुछ का कुछ, अंट-शंट और मानहानिकारक बातें बोलते रहते हैं. वैसे इस छूट का सबसे अधिक लाभ मुख्य मंत्री के रूप में केजरीवाल ने उठाया था. इसलिए अब उस छूट को तत्काल समाप्त कर दिया जाना चाहिए.

पेज शेष 09 पर...

ब्रीफ न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से विदेश यात्रा पर

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र की बुधवार से शुरू हो रही ब्रिटेन यात्रा के दौरान दोनों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना है. मोदी पहले ब्रिटेन की यात्रा पर लंदन के लिए रवाना होंगे और वहां से सीधे मालदीव जाएंगे और 26 को मालदीव के 60वें स्वतंत्रता समारोह में शामिल होने के बाद स्वदेश लौटेंगे. मोदी की ब्रिटिश पीएम के साथ वार्ता के दौरान भारत ब्रिटेन एफटीए की घोषणा हो सकती है.

खगड़िया में चार बच्चों की डूबने से हुई मौत

पटना। बिहार के खगड़िया जिले के चौथम थाना क्षेत्र अन्तर्गत कंकड़ कुड़िया बहियार में एक ही परिवार के 4 बच्चों की डूबने से मौत हो गयी. ये सभी बच्चे सोमवार को पानी भरे गड्ढे में नहाने गये हुए थे. इसी दौरान चारों बच्चे गहरे पानी में डूब गये. एसडीआरएफ की टीम लापता बच्चों की तलाश में जुटी थी. एसडीआरएफ ने मंगलवार को काफी मशक्कत के बाद चारों बच्चों के शव को बरामद कर लिया. बच्चों का शव मिलने से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है.

एअर इंडिया के विमान में आग, सभी यात्री सुरक्षित

नयी दिल्ली। हांगकांग से दिल्ली आ रही एअर इंडिया के एक फ्लाइट में मंगलवार को लैंडिंग के बाद आग लग गई. राहत की बात यह रही कि विमान में सवार सभी यात्री और क्रू सदस्य सुरक्षित हैं. एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया, फ्लाइट एआई-315 की लैंडिंग और गेट पर पार्किंग के बाद उसकी ऑक्जिलियरी पावर यूनिट में आग लग गई. घटना के समय यात्री विमान से उतरना शुरू कर चुके थे. विमान को नुकसान पहुंचा है, लेकिन सभी यात्री और क्रू सदस्य सामान्य रूप से उतर गए.

मानसून सत्र : हंगामे की भेंट चढ़ी लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही

विपक्ष का एसआईआर पर हल्ला बोल, सरकार का भी पलटवार

एजेंसियां। नयी दिल्ली

संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विपक्षी दलों के जोरदार हंगामे के चलते मंगलवार को पूरे दिन के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई. विपक्ष की मुख्य मांग थी बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा कराई जाए और इसे वापस लिया जाए. बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के बाद बार-बार स्थगित होने के कारण सोमवार को सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही नहीं चल सकी थी.

लोकसभा में क्या-क्या हुआ : मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही जैसे ही सुबह 11 बजे शुरू हुई, कांग्रेस समेत विपक्षी सांसदों ने जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी. वे बिहार में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चर्चा की मांग कर रहे थे और ऑपरेशन सिंदूर पर भी बहस चाहते थे. इस दौरान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष से अपील की कि वे अपनी सीटों पर लौटें ताकि किसानों से जुड़े सवालों पर चर्चा की जा सके. स्पीकर ओम बिरला ने भी विरोध कर रहे सांसदों से अनुरोध किया कि वे नारेबाजी और तख्तियां दिखाना बंद करें क्योंकि इससे सदन की गरिमा को ठेस पहुंचती है. लेकिन हंगामा जारी रहने पर सदन को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया.

दोपहर 12 बजे जब सदन फिर से शुरू हुआ तो स्थिति वैसी ही रही. इस बार बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल पीठासीन अधिकारी के रूप में थे. उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे अपने मुद्दे लिखित रूप में बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में रखें. लेकिन हंगामा बढ़ता गया और कार्यवाही दोपहर दो बजे तक फिर स्थगित करनी पड़ी. जब दोपहर दो बजे सदन दोबारा चला, तो दिलीप सैकिया पीठासीन अधिकारी थे. उन्होंने भी विपक्ष से शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन विपक्षी सांसद वेल में पहुंच गए और नारेबाजी जारी रही. इसके बाद कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई.

बिहार में एसआईआर लेकर संसद के बाहर विपक्ष का प्रदर्शन, कहा

वोट चोरी की कोशिश की जा रही

नयी दिल्ली। संसद पर मंगलवार को विपक्षी सांसदों ने जमकर विरोध किया. बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के विरोध में विपक्ष के सांसदों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी व सपा प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व में मकर द्वार पर प्रदर्शन किया. कहा कि पुनरीक्षण से वोट की चोरी की कोशिश की जा रही है. यह चुनाव की चोरी के जैसा है. इस दौरान सांसदों ने भारतीय अधिकारों की चोरी और एसआईआर) गणराज्य को नुकसान पहुंचाना लिखी तख्तियां ले रखी थीं. प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस, सपा, राजद, टीएमसी, डीएमके, झामुमो समेत कई दलों के सांसदों ने इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया. इससे पहले खरगे और राहुल गांधी की मौजूदगी में इंडिया ब्लॉक की बैठक हुई. केसी वेणुगोपाल ने बताया कि बैठक के दौरान विपक्ष ने कई मुद्दों पर सवालों के जवाब देने के लिए सदन में पीएम की उपस्थिति पर जोर देने का फैसला किया. उन्होंने कहा कि विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, भारत-

पाकिस्तान संघर्ष विराम पर ट्रंप के बयान, बिहार का एसआईआर, परिसीमन, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों व महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार, एआई 171 विमान दुर्घटना और मणिपुर जैसे मुद्दों पर सवालों के जवाब देने के लिए सदन में मोदी की उपस्थिति पर दबाव बनाने का फैसला किया. उन्होंने कहा कि ये लोगों के मुद्दे हैं और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए. विपक्षी नेताओं ने यह मुद्दा भी उठाया कि राहुल गांधी को सदन में बोलने की अनुमति दी जाए. यह भी निर्णय लिया गया कि विपक्ष संसद के दोनों सदनों में एसआईआर का मुद्दा उठाएगा.

सरकार ने विपक्ष के रवैये की निंदा की : केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के रवैये की निंदा की. उन्होंने कहा, एक ओर वे बहस की मांग कर रहे हैं और दूसरी ओर खुद ही बहस नहीं होने दे रहे हैं. यह दोहरा मापदंड है. उन्होंने कहा कि सोमवार को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में तय हुआ था कि पहले ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होगी. सरकार की ओर से कहा गया कि वह हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष खुद ही संसद का समय बर्बाद कर रहा है.

रास में भी विपक्ष का एसआईआर को लेकर हंगामा : विपक्ष की तरफ से राज्यसभा में भी जोरदार हंगामा किया गया. इस दौरान विपक्ष के सदस्यों ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जमकर हंगामा किया. जिसकी वजह से पूरे दिन राज्यसभा में कोई भी काम नहीं हो सका. जैसे ही सदन की कार्यवाही सुबह शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी. विपक्षी सदस्य बिहार में एसआईआर, पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में चर्चा की मांग कर रहे थे.

हंगामे के कारण दो बार स्थगित हुई कार्रवाई : राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने पहले दो बार सदन को स्थगित किया और आखिरकार दोपहर दो बजे के बाद सदन को पूरे दिन के लिए स्थगित करना पड़ा. इससे पहले सीपीआई सांसद पी. संतोश कुमार ने धनखड़ के अप्रत्याशित और असामान्य इस्तीफे पर भी चर्चा की मांग की थी. हालांकि, सभी 12 स्थगन प्रस्तावों को नियम 267 के तहत खारिज कर दिया गया. दोपहर 12 बजे प्रश्नकाल के दौरान भी हंगामा जारी रहा और घनश्याम तिवारी, जो उस समय पीठासीन अधिकारी थे, ने सदन को दो बजे तक स्थगित कर दिया. इसी दौरान गृह मंत्रालय की अधिसूचना के जरिए जगदीप धनखड़ के तत्काल प्रभाव से इस्तीफे की जानकारी भी दी गई.

झारखंड के नए चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान पहुंचे रांची

आज राजभवन में लेंगे पद की शपथ

शुभम संदेश। रांची

झारखंड हाई कोर्ट के नवनियुक्त चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान मंगलवार को विमान से रांची पहुंच गए हैं. बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर हाईकोर्ट के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया. राजभवन में 23 जुलाई की सुबह 10 बजे शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया है. राज्यपाल संतोष गंगवार नए चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे. जस्टिस चौहान के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए उनके रिश्तेदार रांची आने लगे हैं. लगभग 50 से 60 रिश्तेदार समारोह में शामिल होंगे. उन्हें अलग-अलग होटल और स्टेट गेस्ट हाउस में ठहराने की व्यवस्था की गयी है.

कौन हैं जस्टिस तरलोक सिंह चौहान

झारखंड हाईकोर्ट के नवनियुक्त चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस के बाद सबसे सीनियर जज थे. उन्होंने शिमला से स्कूली शिक्षा प्राप्त की है. पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ से कानून की पढ़ाई की है. जस्टिस तरलोक सिंह चौहान ने 1989 में हिमाचल प्रदेश स्टेट बार काउंसिल में एडवोकेट के तौर पर दाखिला लिया था. वर्ष 2014 में उन्हें हाईकोर्ट के अतिरिक्त जज के तौर पर पदोन्नत किया गया था. उसी साल उन्हें स्थायी न्यायाधीश भी नियुक्त किया गया था. गौरतलब है कि वर्तमान में झारखंड हाई कोर्ट में वरिष्ठ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद एक्टिंग चीफ जस्टिस के रूप में कार्यभार संभाल रहे हैं. उन्होंने पूर्व चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव के त्रिपुरा ट्रांसफर के बाद यह जिम्मेदारी संभाली थी.

रेंजर अदिति राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित

चाईबासा। चक्रधरपुर की रेंजर अदिति कुंडू को भारत स्काउट्स एंड गाइड्स का राष्ट्रपति पुरस्कार प्रदान किया गया है. यह प्रतिष्ठित पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिया. अदिति कुंडू की इस उपलब्धि ने चक्रधरपुर मंडल का नाम रोशन किया है. पूरे स्काउटिंग समुदाय के लिए एक प्रेरणा का स्रोत भी बनी हैं. उनके समर्पण, सेवा ने सिद्ध किया है कि परिश्रम से लक्ष्य हासिल किया जा सकता है.

बिहार विस में मार्शल-विपक्ष में धक्का-मुक्की

विधानसभा में खड़े होकर ताली बजाने लगे नीतीश

- स्पीकर बोले : ई काला-काला पहनकर क्यों आ गये?

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन के अंदर और बाहर जबरदस्त बवाल हुआ. विपक्षी विधायकों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ जोरदार हंगामा किया. काले कपड़े पहनकर और पोस्टर लहरा कर सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की.

कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी विधायकों का विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गया. अध्यक्ष नंदकिशोर यादव की अपील के बावजूद हंगामा जारी रहा. हंगामा के चलते 21 मिनट बाद ही कार्यवाही को दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया. जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्ष ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया. एसआईआर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विपक्षी सदस्य हाथों में पोस्टर लिए वेल में आ गए. विपक्ष ने काले कपड़े पहन कर विरोध प्रदर्शन किया. वहीं विपक्ष के विधायक मुख्य प्रवेश द्वार पर बैठ गए, और एसआईआर को वापस लेने की मांग उठाई. मार्शल ने उन्हें वहां से हटाने की कोशिश की. इस दौरान मार्शल और विधायकों मे हल्की धक्का-मुक्की भी हुई. स्पीकर नंदकशोर यादव ने जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की, विपक्षी विधायक सदन में खड़े होकर शोरगुल करने लगे. हंगामा कर रहे विधायक वेल में पहुंच गए नारेबाजी करने लगे. स्पीकर ने हंगामा कर रहे विधायकों को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन वो मानने को तैयार नहीं. स्पीकर ने विपक्षी विधायकों से पूछा आपलोग काला-काला पहन कर क्यों आ गए हैं, अच्छा नहीं लग रहा है. उन्होंने नारेबाजी कर रहे विधायकों से कहा कि नारा लगाते-लगाते गला बझ जाएगा, चुनाव में नारा लगाना है, पहले ही बझ जाएगा. इसलिए आपलोग सीट पर बैठिए. इसके बाद विपक्षी हाथ में पोस्टर लेकर वेल में पहुंच गये. स्पीकर ने विपक्षी विधायकों के हाथ से प्ले कार्ड छीनने का आदेश दिया. इसके बाद मार्शल ने सभी पोस्टर ले लिए. उधर विपक्ष की नारेबाजी पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खड़े होकर ताली बजाई. हंगामा बढ़ता देख स्पीकर ने सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी.

बड़ी खबर : भारतीय सेना को मिला बहुप्रतीक्षित अपाचे हेलीकॉप्टर, अब युद्ध की स्थिति में दिखाएंगे अपना कमाल

1 मिनट में 128 टारगेट लॉक, 16 धुआं-धुआं, खौफ में दुश्मन

शुभम संदेश डेस्क

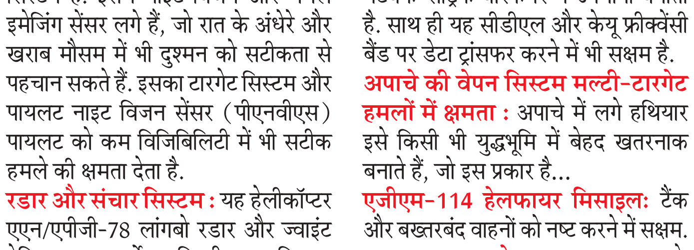

भारतीय थलसेना को अब अपाचे एएच-64ई लड़ाकू हेलीकॉप्टर की पहली खेप मिल चुकी है, जिसे राजस्थान के जोधपुर एयरबेस पर तैनात किया गया है. इससे पहले ये हेलीकॉप्टर केवल भारतीय वायुसेना के पास थे. अब थलसेना को इन शक्तिशाली हेलीकॉप्टरों की तैनाती से पश्चिमी सीमाओं पर तेजतर्रार प्रतिक्रिया करने की क्षमता हासिल हुई है. इन हेलीकॉप्टरों की तैनाती भारत की सामरिक रणनीति को बदलने की क्षमता रखती है. यह फैसला इस बात को रेखांकित करता है कि भारतीय सेना अब मल्टी-डोमेन ऑपरेशनों की ओर बढ़ रही है, जहां थलसेना और वायुसेना के बीच तालमेल बेहद महत्वपूर्ण है.

एडवांस्ड सेंसर और नाइट विजन सिस्टम से लैस : अपाचे हेलीकॉप्टर की सबसे बड़ी खूबी, इसका एडवांस्ड सेंसर सिस्टम है. इसमें नाइट विजन और थर्मल इमेजिंग सेंसर लगे हैं, जो रात के अंधेरे और खराब मौसम में भी दुश्मन को सटीकता से पहचान सकते हैं. इसका टारगेट सिस्टम और पायलट नाइट विजन सेंसर (पीएनवीएस) पायलट को कम विजिबिलिटी में भी सटीक हमले की क्षमता देता है.

रडार और संचार सिस्टम : यह हेलीकॉप्टर एएन/एपीजी-78 लांगबो रडार और ज्वाइंट टेक्निकल इनफार्मेशन डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (जेटीआईडीएस) से लैस है, जो इसे नेटवर्क-सेंट्रिक वॉरफेयर में उपयोगी बनाता है. साथ ही यह सीडीएल और केयू फ्रीक्वेंसी बैंड पर डेटा ट्रांसफर करने में भी सक्षम है.

अपाचे की वेपन सिस्टम मल्टी-टारगेट हमलों में क्षमता : अपाचे में लगे हथियार इसे किसी भी युद्धभूमि में बेहद खतरनाक बनाते हैं, जो इस प्रकार है...

एजीएम-114 हेलफायर मिसाइल: टैंक और बख्तरबंद वाहनों को नष्ट करने में सक्षम.

हाइड्रा 70 राकेट्सः 70एमएम के अनगाइडेड रॉकेट, जमीनी ठिकानों पर हमला.

स्टिंगर मिसाइल्स

हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें

स्पाइक एनएलओएस मिसाइल्सः 25+ किमी तक टारगेट को निशाना बना सकती हैं.

यह हेलीकॉप्टर एक मिनट में 128 टारगेट को लॉक कर 16 अलग-अलग लक्ष्यों पर हमला कर सकता है. इसकी मल्टी-टारगेट इन्वॉल्वमेंट क्षमता इसे भीड़ वाले युद्धक्षेत्र में बेहद उपयोगी बनाती है.

उड़ान संबंधी क्षमताएं : अपाचे हेलीकॉप्टर की अधिकतम गति 280 से 365 किमी/घंटा तक होती है. इसके साथ ही यह एक बार में 3.5 घंटे तक उड़ान भर सकता है और ऑपरेशनल रेंज 500 किमी तक जाती है (बाहरी फ्यूल टैंक के साथ और भी अधिक). इसका मतलब है कि यह लंबी दूरी तक गश्त- हमले कर सकता है.

ड्रोन नियंत्रण व नेटवर्कः अपाचे हेलीकॉप्टर एमक्यू-1सी ग्रे ईगल जैसे ड्रोन को कंट्रोल कर सकता है, जिससे एक नया युग शुरू होता है मानव-मशीन टीमिंग (एमयूएम-टी) का. इसके सेंसर और रडार सिस्टम से यह टोही मिशनों में भी दक्ष है.

मल्टी डोमेन कोऑर्डिनेशन : इस हेलीकॉप्टर का डिजाइन इसे मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस के लिए आदर्श बनाता है. यह ग्राउंड स्ट्राइक, एयर डिफेंस और रिकॉन मिशन में एक साथ काम कर सकता है.

दो पायलटों की क्षमता और बख्तरबंदी : हेलीकॉप्टर को दो पायलटों के लिए डिजाइन किया गया है, एक उड़ान संचालन के लिए और दूसरा हथियार नियंत्रण के लिए. इसका खाली वजन 6,838 किलो और अधिकतम टेक-ऑफ वजन 10,433 किग्रा है. इसे छोटे हथियारों, बुलेट्स और बैलिस्टिक मिसाइलों से सुरक्षा देने के लिए भी आर्मर से लैस किया गया है.

1 अगस्त से रांची में जमीन और फ्लैट खरीदना होगा महंगा

कई इलाकों में 12% तक बढ़ सकती हैं दरें

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची और इसके आसपास के क्षेत्रों में घर या जमीन खरीदने की योजना बना रहे लोगों के लिए एक अहम जानकारी सामने आई है. आगामी 1 अगस्त से रांची में जमीन और फ्लैट की कीमतों में बढ़ोतरी होने जा रही है. जिला निबंधन कार्यालय ने नई सरकारी मूल्यांकन दर लागू करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है, जो सीधे तौर पर संपत्ति खरीदने वालों की जेब पर असर डालेगी.

नई दरें लागू होने के बाद जमीन और फ्लैट की कीमतों में 8 से 10 फीसदी तक की बढ़ोतरी संभव है. वहीं, शहर के कुछ पॉश इलाकों में यह वृद्धि 10 से 12 फीसदी तक हो सकती है. रांची नगर निगम के अंतर्गत आने वाले सभी 53 वार्डों और 13 राजस्व मौजों में यह नई दरें प्रभावी होंगी. हालांकि, जिन लोगों की रजिस्ट्री 31 जुलाई तक हो जाएगी, उन्हें पुरानी दर का ही लाभ मिलेगा. ऐसे में अगस्त से पहले जमीन या फ्लैट की खरीदारी करना आर्थिक रूप से लाभकारी हो सकता है.

बढ़ेगी स्टाम्प ड्यूटी और कोर्ट फीस का भार

नई सरकारी मूल्यांकन दरों के साथ-साथ संपत्ति पंजीकरण से जुड़े खर्चों में भी वृद्धि देखने को मिलेगी. किसी भी संपत्ति के पंजीकरण पर अब चार प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी और तीन प्रतिशत कोर्ट फीस देनी होगी, जिससे कुल सात प्रतिशत का अतिरिक्त बोझ खरीदारों पर पड़ेगा. उदाहरण के लिए, अगर कोई व्यक्ति एक डिसमिल जमीन खरीदता है, जिसकी बाजार दर 20 लाख रुपए है, तो उसे 1.4 लाख रुपए स्टाम्प और कोर्ट फीस के रूप में अदा करने होंगे. यानी कुल लागत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी. जिला निबंधन कार्यालय ने नई दरों का प्रस्ताव तैयार कर लिया है, जिसे अंतिम स्वीकृति के लिए रांची के उपायुक्त सह जिला रजिस्ट्रार मंजूनाथ भजंत्री को भेजा गया है. स्वीकृति मिलते ही यह दरें प्रभाव में आ जाएंगी.

खरीददारों के लिए जरूरी सावधानी

जमीन या फ्लैट खरीदने की योजना बना रहे लोगों के लिए यह समय निर्णायक हो सकता है. 1 अगस्त के बाद नई दरें लागू होते ही संपत्ति खरीदना और अधिक महंगा हो जाएगा. ऐसे में यदि किसी ने अग्रिम बातचीत या सहमति कर ली है, तो 31 जुलाई से पहले रजिस्ट्री कराना आर्थिक रूप से बुद्धिमानी होगी. नई मूल्यांकन दरों से राज्य सरकार को अधिक राजस्व मिलने की उम्मीद है, लेकिन आम जनता के लिए यह एक अतिरिक्त वित्तीय बोझ बन सकता है. इसलिए निवेश से पहले सभी पहलुओं पर विचार करना जरूरी होगा.

इन इलाकों में होगी सबसे ज्यादा बढ़ोतरी

सूत्रों के अनुसार, रांची के जिन वार्डों में जमीन और फ्लैट की दरें ज्यादा बढ़ने की संभावना है, उनमें वार्ड संख्या 1, 2, 3, 6, 11, 13, 14, 16, 17, 18, 21, 22 और 23 प्रमुख हैं. ये वो इलाके हैं, जहां आवासीय और व्यावसायिक दोनों तरह की संपत्तियों की मांग अधिक है और कई पॉश मोहल्ले भी इन्हीं क्षेत्रों में आते हैं. इस प्रकार, शहर के उन हिस्सों में जहां विकास तेजी से हो रहा है या पहले से ही आकर्षक सुविधाएं उपलब्ध हैं, वहां कीमतों में दो अंकों की बढ़ोतरी तय मानी जा रही है.

एक नजर

अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ ने किया स्वागत

रांची। झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह के नेतृत्व मे मंगलवार को झारखंड राज्य आजीविका कंप्यूटर ऑपरेटर संघ का शिष्टमंडल अनन्य मित्तल, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, पलाश, ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार से मिलकर संघ/ महासंघ की ओर पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया. मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को डाटा एंट्री ऑपरेटरों की जायज मांगो को लागू करने के लिए महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह ने मांग पत्र दिया, जिसमें मुख्य रूप से जेएसएलपीएस में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर जिसकी कुल कार्यरत संख्या 384 है. उन्हें मानव संसाधन नियमावली लेवल एल 7 में नहीं जोड़ा गया, जबकि इसके लिए संघ/ महासंघ द्वारा कई शिष्टमंडल वार्ता खासकर मुख्यमंत्री की तत्कालीन प्रधान सचिव वंदना दादेल को वर्ष 2023 में भेजी गई, आज तक कोई कारवाई नहीं हुई. इस संवर्ग को अन्य लाभों के साथ स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दी जाए. संचार भत्ता दिया जाए. इस मौके पर महामंत्री सुनील साह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जो संलेख समर्पित किया था उसकी प्रति भी दी गई. शिष्टमंडल में महासंघ के महामंत्री सुनील साह, संघ के अध्यक्ष करन गुप्ता, महामंत्री पंकज कुमार, पवन कुमार, अभिषेक कुमार सिन्हा शामिल रहे.

साइबर ठगों ने बुजुर्ग को कॉल कर कहा- पानी कनेक्शन काट देंगे, फिर उड़ा लिए 4.68 लाख

रांची। राजधानी रांची के कांके रोड निवासी 71 वर्षीय राजीव गर्ग से साइबर ठगों ने बड़ी चालाकी से 4.68 लाख रुपये की ठगी कर ली. ठगों ने पानी का कनेक्शन काटने का डर दिखाकर उनके बैंक खाते से यह रकम उड़ा ली. राजीव गर्ग ने साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई है. उन्होंने बताया कि 16 जुलाई को उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप मैसेज आया, जिसमें लिखा था कि पुराने बकाया भुगतान नहीं करने के कारण उनका जल आपूर्ति कनेक्शन काट दिया जाएगा.राजीव गर्ग ने जब उस नंबर पर फोन किया तो सामने वाले व्यक्ति ने खुद को नगर निगम कर्मचारी बताया. कहा कि वर्ष 2012 का 12 रुपये बकाया है, जिसे तुरंत ऑनलाइन जमा करना होगा. इसके बाद उन्हें एक और व्हाट्सएप नंबर (9835907984) से बात करने को कहा गया. राजीव गर्ग ने जैसे ही उस नंबर से संपर्क किया, तो ठगों ने उनके डेबिट कार्ड की जानकारी ली और उनके मोबाइल को हैक कर लिया। मोबाइल हैक होने के बाद ठगों ने ओटीपी समेत बैंक से जुड़ी सारी जानकारी हासिल कर ली. इसके बाद उनके खाते से 4.68 लाख रुपये की अवैध निकासी कर ली गई. राजीव गर्ग ने कहा कि यह पूरी ठगी एक साजिश के तहत हुई है. उन्होंने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर दोषियों को पकड़ने और रकम वापस दिलाने की मांग की है.

उपराष्ट्रपति से इस्तीफा दिलवाया गया : कैलाश

रांची। झारखंड प्रदेश राजद ने कहा है कि आजाद भारत में पहली बार उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया है जो अत्यंत अफसोसजनक और चिंता का विषय है. पार्टी के प्रदेश महासचिव कैलाश यादव ने कहा कि मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि वर्ष 2014 से मोदी सरकार के शासनकाल में भाजपा के नेता खुलेआम देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था का अपमान कर रहे हैं. इसे विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका और पत्रकारिता की स्थिति काफी चिंताजनक बनी हुई है. उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पद से इस्तीफा नहीं दिया बल्कि उनसे इस्तीफा दिलवाया गया है. उप-राष्ट्रपति पहले से दिन भर इत्मीनान नजर आए और राज्यसभा के चेयर से सदन को चलाते नजर आए. लेकिन शाम होते ही ऐसी क्या बात हो गई कि उन्होंने खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर इस्तीफा दे दिया. इससे पूरा देश स्तब्ध है.

झामुमो नेता विनोद पांडेय ने दिया जवाब, कहा

राजनीतिक दिवालियापन की शिकार हो गई भाजपा

- भाजपा का 'नाम परिवर्तन घोटाले' वाले आरोप पूरी तरह निराधार और सस्ती लोकप्रियता बटोरने की कोशिश
- हेमंत सोरेन सरकार हर विभाग में पारदर्शिता के लिए तकनीकी उन्नति कर रही है. सरकार गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं रहने दे रही

शुभम संदेश। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद पांडेय ने भाजपा के 'नाम परिवर्तन घोटाले' वाले आरोपों को पूरी तरह निराधार और सस्ती लोकप्रियता बटोरने की कोशिश बताया है. पांडेय ने कहा कि भाजपा को यह समझना चाहिए कि हेमंत सोरेन सरकार हर विभाग में पारदर्शिता के लिए तकनीकी उन्नति कर रही है. सरकार गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं रहने दे रही है. कहीं इस वजह से ही भाजपा के व्यापारी नेताओं में बेचैनी तो नहीं बढ़ गई है.

उन्होंने कहा कि भाजपा का यह कहना कि रजिस्टर गायब कर दिए गए हैं, पूरी तरह भ्रामक है. पांडेय ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह झारखंड में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने के लिए हर मुद्दे को धर्मांतरण से जोड़ रही है. यह वही भाजपा है जिसने अपने शासनकाल में कई विभागों में घोटाले होने पर भी किसी प्रकार की सीबीआई जांच की अनुशंसा नहीं की थी.

अब जब राज्य में आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्गों की सरकार गरीबों के लिए काम कर रही है तो भाजपा को यह रास नहीं आ रहा.उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने राजकीय प्रेस के अधिकारियों से पूरी रिपोर्ट मांगी है और यदि कोई लापरवाही पाई गई तो कड़ी कार्रवाई होगी. लेकिन भाजपा का हर मुद्दे पर सीबीआई जांच की मांग करना सिर्फ संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का प्रयास मात्र है.भाजपा को झारखंड की जनता ने नकारा है और वे बौखलाहट में इस तरह के झूठे आरोप लगा रही है. हेमंत सरकार जनता को जवाबदेह है और किसी के भी दबाव में नहीं आएगी.

रांची और धनबाद में 25 जुलाई से नया नियम होगा लागू

स्मार्ट मीटर में बैलेंस नहीं तो कट जाएगी बिजली

शुभम संदेश। रांची

झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) ने राज्य के दो प्रमुख शहरों-रांची और धनबाद-के बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक अहम घोषणा की है. 25 जुलाई 2025 से इन दोनों शहरों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर वाले घरों में अगर बैलेंस नहीं रहेगा, तो बिजली की आपूर्ति स्वतः ही बंद हो जाएगी. यह कदम 'ऑटोमेटिक लाइन डिस्कनेक्शन अभियान' के तहत उठाया जा रहा है, जिसका सीधा असर लाखों उपभोक्ताओं पर पड़ेगा.

7 लाख उपभोक्ताओं के घरों में लगे हैं स्मार्ट मीटर

जेबीवीएनएल के अनुसार, रांची और धनबाद सर्किल में अब तक लगभग 7 लाख घरों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं. इन उपभोक्ताओं के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे अपने मीटर में पर्याप्त बैलेंस बनाए रखें. यदि बैलेंस शून्य या नकारात्मक हुआ, तो बिजली की आपूर्ति बिना किसी पूर्व सूचना के स्वतः ही काट दी जाएगी.

10 हजार से अधिक बकाया वालों की बिजली पहले ही कटी

बिजली निगम पहले ही उन उपभोक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई कर चुका है, जिन पर 10,000 या उससे अधिक की राशि बकाया है. रांची सर्किल में 8,000 से अधिक उपभोक्ताओं की बिजली पहले ही ऑटोमेटिक सिस्टम के माध्यम से काटी जा चुकी है. इस पूरे सिस्टम को डिजिटल बना दिया गया है, जिससे अब विभाग को बिजली काटने के लिए कर्मचारियों को भेजने की आवश्यकता नहीं होती.

उपभोक्ताओं को क्या करना चाहिए

अगर आपके घर में पहले से प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगा हुआ है, तो यह जरूरी है कि आप उसमें नियमित रूप से बैलेंस की जांच करें और समय पर रिचार्ज कराते रहें. 25 जुलाई के बाद अगर बैलेंस खत्म हो गया, तो आपकी बिजली बिना किसी चेतावनी के कट सकती है. जेबीवीएनएल ने स्पष्ट किया है कि यह कदम उपभोक्ता सेवाओं को डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में उठाया गया है. अतः सभी उपभोक्ताओं से आग्रह है कि वे समय पर भुगतान करें और सेवा में बाधा से बचें.

मोबाइल नंबर अपडेट कराना जरूरी

जेबीवीएनएल ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे अपने बिजली कनेक्शन के साथ मोबाइल नंबर जरूर लिंक कराएं. इससे उपभोक्ता अपने बिजली बिल को व्हाट्सऐप पर प्राप्त कर सकते हैं. बिल की कॉपी 9431135503 नंबर पर भी डाउनलोड की जा सकती है. किसी भी जानकारी के लिए उपभोक्ता टोल फ्री नंबर 1912 या अपने नजदीकी बिजली कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं.

स्मार्ट मीटर के फायदे

स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को अपने बिजली उपयोग पर सीधी नजर रखने में मदद मिलती है. यह व्यवस्था रिचार्ज आधारित है, जिससे उपभोक्ता अपनी सुविधा अनुसार भुगतान कर सकते हैं और बिलिंग प्रक्रिया की जटिलता से बच सकते हैं. वहीं बिजली विभाग के लिए भी यह सिस्टम लाभकारी है, क्योंकि इससे न केवल बिल वसूली आसान हुई है, बल्कि बिजली चोरी को रोकने में भी सफलता मिली है.

भाजपा फैला रही 'नाम परिवर्तन' के नाम पर सियासी ज़हर

नफरत फैला कर हेमंत सरकार को बदनाम करना चाहती है : दूबे

शुभम संदेश। रांची

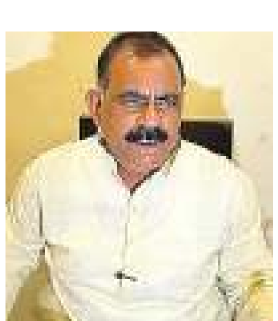

भाजपा द्वारा लगाए गए तथाकथित 'नाम परिवर्तन घोटाले' के आरोपों पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने पलटवार करते हुए कहा है कि यह पूरी तरह से भाजपा का राजनीतिक षड्यंत्र है, जो सिर्फ अफवाह, झूठ और नफरत फैलाकर हेमंत सोरेन सरकार को बदनाम करना चाहती है. उन्होंने कहा कि यह एक और भाजपा-प्रायोजित 'मैन्युफैक्चर्ड स्कैंडल' है, जिसका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है. आलोक दूबे ने कहा, भाजपा को जब भी अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती दिखती है, वे धर्मांतरण, सीबीआई जांच और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों का दुरुपयोग कर जनता को गुमराह करने लगते हैं. अब नाम परिवर्तन के सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया को धार्मिक षड्यंत्र बताना भाजपा की मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है. आलोक दूबे ने कहा कि जिस नाम परिवर्तन के गजट रिकॉर्ड की बात भाजपा कर रही है, वह पूरी तरह एक प्रशासनिक मामला है. कुछ दस्तावेजों का गायब होना जांच का विषय हो सकता है, लेकिन उसे धर्मांतरण से जोड़ना और आधार, जाति, उम्र बदलने का हवाला देना घोर गैरजिम्मेदाराना, खतरनाक और समाज को बांटने वाली सोच का प्रतिबिंब है.

एफआईआर की नौटंकी भाजपा का एजेंडा

राजकीय प्रेस के स्पष्टीकरण पर बोलते हुए आलोक ने कहा कि बिना प्राथमिक जांच के एफआईआर करना सिर्फ सनसनी फैलाने जैसा होता. सरकार गंभीर है और जांच प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं. भाजपा चाहती है कि बिना जांच ही सिर कलम कर दिया जाए—यह उनकी तानाशाही सोच है.

भाजपा अपने शासनकाल का हिसाब दे : उन्होंने पलटवार करते हुए कहा, भाजपा यह बताये कि 2014 से 2019 के बीच जब उनकी सरकार थी, तब नाम परिवर्तन संबंधी रिकॉर्ड की डिजिटाइजेशन क्यों नहीं करवाई गई? क्यों नहीं कोई प्रोटोकॉल बनाया गया कि दस्तावेज़ संरक्षित रहें? भाजपा की हताशा इसलिए भी स्पष्ट है क्योंकि वही पार्टी है जिसने महाराष्ट्र में लोकतंत्र की खुलेआम चोरी की, सत्ता की खरीद-फरोख्त की मिसाल पेश की और बिहार में भी यही प्रयास किया, जिस पर न्यायालय ने संज्ञान लिया.

हेमंत सरकार में अब 'नाम परिवर्तन घोटाला' : शाहदेव

- नाम परिवर्तन संबंधी दस्तावेजों का गायब होना कहीं धर्मांतरण के आंकड़ों को छुपाने की साजिश तो नहीं?

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने हेमंत सरकार पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि इस सरकार के घोटाले की श्रृंखला में अब नाम परिवर्तन घोटाला भी शामिल हो गया है. प्रतुल ने कहा कि राज्य बनने के बाद अनेक वर्षों तक नाम परिवर्तन संबंधित नोटिफिकेशन मैन्युअल होता था. रजिस्टर मेंटेन होता था. अब वो सारे रजिस्टर ही गायब हो गए हैं. नाम परिवर्तन संबंधी कोई भी दस्तावेज मिल नहीं रहा है. इस अवधि में कितने नाम परिवर्तन हुए, किसके नाम परिवर्तन हुए उसका कोई उत्तर नहीं है. प्रतुल ने कहा कि इस प्रक्रिया के ऑनलाइन होने के बाद भी रिकॉर्ड ठीक से मेंटेन नहीं होते हैं. प्रतुल ने सरकार से जानना चाहा कि कहीं यह पूरा मुद्दा धर्मांतरण की संख्या को छुपाने से संबंधित तो नहीं है? प्रतुल ने कहा कि झारखंड में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण में लिप्त शक्तियां सक्रिय हैं. चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर अभियान शुरू किया है. नाम परिवर्तन का रजिस्टर भी लोगों की पहचान का एक आधार हो सकता था. इसलिए यह आशंका है की सिर्फ बड़े पैमाने पर हुए धर्मांतरण के आंकड़ों को छिपाने के लिए ये सारे दस्तावेज गायब कर दिए गए हैं.

- **एफआईआर नहीं करना मुद्दे को संदेहास्पद बनाता है :** प्रतुल ने कहा कि सरकार ने प्राथमिकी दर्ज नहीं करके इस मामले को और संदिग्ध बना दिया है. सिर्फ राजकीय प्रेस के संजीव कुमार से स्पष्टीकरण पूछा गया है. जब सरकारी दस्तावेज गायब होते हैं, तो प्राथमिकी दर्ज होती है और अधिकारी पर भी कड़ी कार्रवाई होती है. इस पूरे घटना की सीबीआई जांच हो क्योंकि आशंका है कि जांच में कई और रहस्य सामने आ सकते हैं.

राष्ट्रपति के देवघर, रांची व धनबाद दौरे की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने की बैठक, कहा

राष्ट्रपति के झारखंड प्रवास के पहले व्यवस्था चाक-चौबंद करें

शुभम संदेश। रांची

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 जुलाई से 1 अगस्त तक दो दिवसीय दौरे पर देवघर, रांची और धनबाद पहुंच रही हैं. इस दौरान देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगी. वहीं धनबाद में आइआइटी (आइएसएम) के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी. उनके आगमन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में समीक्षा की गयी. मुख्य सचिव अलका तिवारी ने संबंधित अधिकारियों को राष्ट्रपति के दौरे को लेकर हर छोटी-बड़ी व्यवस्था को समय रहते चाक-चौबंद कर लेने का निर्देश दिया. सावन माह में देवघर में श्रद्धालुओं के कांवरिया पथ को बिना बाधित किये राष्ट्रपति को एयरपोर्ट से एम्स तक ले जाने के लिए अलग मार्ग तय किया गया. बताते चलें कि इसके पहले 10-11 जून को राष्ट्रपति का झारखंड दौरा अपरिहार्य कारणों से स्थगित हो गया था. 31 जुलाई से 1 अगस्त तक राष्ट्रपति के दो दिवसीय दौरे की तैयारियों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि पूर्व के दौरे के दौरान दिये गये निर्देश इस बार भी यथावत रहेंगे.

मुख्य सचिव ने राष्ट्रपति के आगमन से लेकर प्रस्थान तक की व्यवस्था तय करते हुए उसकी जवाबदेही संबंधित विभागों को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. वहीं अन्य व्यवस्था की निगरानी बतौर नोडल पदाधिकारी वाणिज्य कर विभाग के सचिव अमिताभ कौशल और आईजी अखिलेश कुमार झा करेंगे. पब्लिक एड्रेस सिस्टम की जवाबदेही सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की होगी. वहीं देवघर, धनबाद और रांची के उपायुक्तों ने समीक्षा के दौरान राष्ट्रपति के आगमन से लेकर प्रस्थान तक के कार्यक्रमों को पूरे प्रोटोकॉल के साथ संपन्न कराने का ब्लू प्रिंट साझा किया. इसी तरह समीक्षा के दौरान मंच व्यवस्था के प्रारूप, राष्ट्रपति के प्रत्येक कार्यक्रम के लिए नोडल पदाधिकारी को नामित करना, देवघर, धनबाद और रांची में आगवानी और विदाई के दौरान उपस्थित रहनेवाले महानुभावों की सूची, एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट व बुके, राष्ट्रीय गान, कारकेड, आउट राइडर्स, फोटोग्राफरों के लिए खुली जीप, बैगेज वैन तथा छाता, देवघर एयरपोर्ट से एम्स तक पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था और मंच से संबोधित करनेवाले महानुभावों की सूची पर विस्तृत चर्चा के बाद जवाबदेही तय की गयी है.

राजनीति

फरवरी में होना था चुनाव, अब तक नहीं हो पाया

आखिर कब मिलेगा भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष?

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के नामों पर कई कयास भले लगाए जा रहे हो, लेकिन राज्य में प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में देश में सबसे पीछे रह सकता है. दरअसल झारखंड भाजपा के सांगठनिक चुनाव में काफी देरी हो रही है. बीते आठ माह में सिर्फ बूथ स्तर पर ही चुनाव संपन्न हो पाए हैं. अभी मंडल स्तर पर भी चुनाव संपन्न नहीं हो पाए हैं. दरअसल भाजपा के राज्यभर में 515 मंडल हैं। इन मंडलों में आधे के चुनाव होने पर 26 सांगठनिक जिलों के चुनाव होंगे. वहीं 26 सांगठनिक जिलों में कम से कम 14 में चुनाव पूरे होने के बाद ही चयनित जिलाध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव कर पाएंगे.

चुनाव प्रक्रिया शिथिल : जानकारी के मुताबिक, मंडल स्तर के चुनाव में विवाद के कारण चुनाव प्रक्रिया शिथिल पड़ी है. पार्टी सूत्रों के मुताबिक, फरवरी माह तक ही चुनाव प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य रखा गया था. भाजपा के संविधान के अनुसार आधे मंडल का चुनाव होने पर जिलाध्यक्षों का चुनाव होता है. आधे जिलाध्यक्ष का चुनाव हो जाने के बाद ये प्रदेश अध्यक्ष का चयन करते हैं. इसी तरह देशभर में भाजपा के सांगठनिक राज्यों की संख्या 37 है, अतः 19 राज्यों के अध्यक्ष मिलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करते हैं.

महाराष्ट्र में हुए चुनाव, वहां नए अध्यक्ष का चयन

झारखंड प्रदेश के नेताओं के मुताबिक, विधानसभा चुनाव के कारण झारखंड में ससमय चुनाव नहीं हो पाए. लेकिन राज्य में महाराष्ट्र के साथ ही विधानसभा चुनाव हुए थे. महाराष्ट्र में सांगठनिक चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो गई. 1 जुलाई को महाराष्ट्र में रवींद्र चव्हाण को प्रदेश अध्यक्ष चुन लिया गया. जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में गुजरात, यूपी, कर्नाटक जैसे राज्यों में भी जिलाध्यक्षों का चुनाव पूरा हो चुका है. वहीं कुछ माह में पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, मिजोरम, पुंडूचेरी, तेलंगाना, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा, अंडमान व निकोबार, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हो सकता है.

राष्ट्रीय अध्यक्ष के बाद ही अब प्रदेश अध्यक्ष मिलेंगे

राज्य में सांगठनिक चुनाव में पिछड़ने की वजह से राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में झारखंड भाजपा का प्रतिनिधित्व मिलना असंभव है. अब चूंकि 19 से अधिक राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हो चुका है, राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा कभी भी संभव है. ऐसे में भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष अब तभी मिल पाएगा, जब नव नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष किसी नेता को नए अध्यक्ष के तौर पर नामित करें.

इरफान के पुत्र का अस्पताल में रील बनाना कोई आश्चर्यजनक बात नहीं : बाबूलाल

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंत्री इरफान अंसारी के पुत्र द्वारा अस्पताल का निरीक्षण करते हुए रील बनाने के मामले में प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस, झामुमो और राजद की राजनीति परिवार और पैसे के लिए है, इसलिए इरफान के पुत्र का अस्पताल में रील बनाना कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है. वे मंगलवार को दुमका परिसदन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे.

बिहार विधानसभा चुनाव पर दावा : बाबूलाल मरांडी ने दावा किया कि बिहार में फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है. उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों के द्वारा मतदाता गहन पुनरीक्षण को लेकर सवाल उठाना इस बात को दर्शाता है कि काफी गड़बड़ी है और वे नहीं चाहते हैं कि यह सब सामने आए.

कानून व्यवस्था पर सवाल

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है. सरकार हर मोर्चे पर विफल है और जनता की समस्याओं से उसे कोई लेना-देना नहीं है. उन्होंने कहा कि दिन-दहाड़े दिल दहलाने वाली घटनाएं हो रही हैं और जनता त्राहिमाम कर रही है, लेकिन सरकार के लोग बस अपनी जेब भरने में लगे हुए हैं.

हेमंत सरकार पर निशाना

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता की समस्याओं से झारखंड सरकार को कोई लेना-देना नहीं है, उन्हें तो बस रुपये कमाने की चिंता है. उन्होंने सरकार को सलाह दी कि बारिश में जो पुल-पुलिया और सड़क पानी में बह गए हैं, उनकी जल्द से जल्द मरम्मत कराई जाए, ताकि अगले साल जब बारिश का मौसम आए तो जनता को फिर से परेशान न होना पड़े.

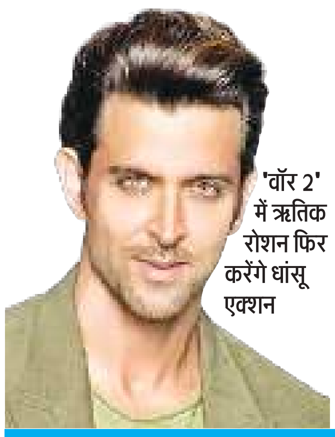

'वॉर 2' में ऋतिक रोशन फिर करेंगे धांसू एक्शन

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 07

धनबाद, बुधवार 23 जुलाई 2025, श्रावण कृष्ण पक्ष 13, संवत 2082

ब्रीफ खबरें

तेतुलिया भूमि घोटाला

ईडी आज इजहार और अख्तर से जेल में करेगी पूछताछ

रांची। झारखंड के बोकारो जिले के तेतुलिया मौजा में स्थित करीब 100 एकड़ से ज़्यादा वन भूमि की फ़र्ज़ी दस्तावेज़ों के जरिए खरीद-बिक्री के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जाँच शुरू कर दी है. ईडी ने इस मामले में ईसीआईआर 6/2025 दर्ज किया है. ईडी इस केस के मुख्य आरोपी इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन से जेल में 23 जुलाई, बुधवार को पूछताछ करेगी. ईडी ने इसके लिए पीएमएलए कोर्ट से अनुमति मांगी थी, जिसे सुनवाई के बाद अदालत ने प्रदान कर दिया है. गौरतलब है कि सीआईडी ने बोकारो के सेक्टर-12 थाना में दर्ज कांड संख्या 32/2024 को अपने हाथ में लेकर जांच शुरू की थी और ईडी ने भी इसी मूल एफआईआर को टेकओवर किया है. गत 12 जुलाई को सीआईडी ने इस भूमि की खरीद-बिक्री में शामिल इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन को गिरफ्तार किया था.

लाखों की ठगी में महिला गिरफ्तार, जेल

धनसार। जमीन के नाम पर लाखों की ठगी करने की आरोपी पूजा कुमारी को धनसार पुलिस ने सोमवार की रात उसके घर भवतारिणी पथ मनईटाड़ में छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया हालांकि उनका पति आशिष कुमार गुप्ता फरार हो गया. गिरफ्तार पूजा को पुलिस मंगलवार को जेल भेज दिया. बता दें कि बीपी सिन्हा नर्सिंग होम गांधी नगर स्थित निवासी अंजनी कुमार चौबे ने आशिष व उसकी पत्नी पूजा के खिलाफ 57 लाख की ठगी करने की शिकायत 2024 में की थी. अंजनी का आरोप था कि इन इस दंपति ने उन्हें बरवाअड्डा व भवतारिणी पथ में खाली परती जमीन दिखाकर बेचने की बात कही. इसके बाद उसने गोल बिल्डिंग के पास एक बंद मकान को भी बेचने के नाम भी 57 लाख रुपए ठग लिए. जब जमीन व मकान रजिस्ट्री करने की बात कही तो टालमटोल करने लगे. उसने अपने मोबाइल का नंबर भी बदल दिया. वहीं दूसरा मामला बाघमारा का है. बाघमारा के माटीगढ़ा निवासी उदय चौहान से भी इन दोनों दंपती ने शेयर खरीदने के नाम पर 15 की ठगी कर ली थी.

बिजली चोरी मामले में 31 पर एफआईआर

धनबाद। महाप्रबंधक अशोक कुमार सिन्हा के निर्देश पर बिजली विभाग द्वारा मंगलवार को को बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया गया.

बिजली चोरी मामले में विभाग ने धनबाद सर्किल में 31 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराया है. विभाग ने धनबाद सर्किल में कुल 416 जगहों में रेड किया है जिसमे 3 लाख 77 हजार रुपये फाइन किया गया है. बता दें कि धनबाद डिवीजन में 90 जगहों पर हुई छापेमारी में 7 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराया गया है. इसके साथ ही 1 लाख 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है. वही गोविंदपुर में 62 जगहों पर छापेमारी कर 9 लोगो पर एफआईआर दर्ज कराया गया है एक लाख और 6 हजार का फाइन किया गया है. निरसा में 159 जगहों पर हुए छापेमारी में 8 लोगो पर एफआईआर दर्ज कराया गया और 52 हजार फाइन किया गया है.

साहिबगंज बोरियो के आदिवासी बहुल पुआल पंचायत में जर्जर सड़क के कारण नहीं पहुंची एम्बुलेंस

झारखंड में कौन बीमार, अब आप ही बताएं...

सुबोध सिंह

बीमार वृद्ध को खटिया में टांग कर दो किलोमीटर दूर अस्पताल पहुंचाया

साहिबगंज। बोरियो प्रखंड में सरकार भले ही विकास के बड़े-बड़े दावे करे, लेकिन धरातल पर सड़क, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की हकीकत कुछ और ही बयां करती है. बोरियो प्रखंड के आदिवासी बहुल पुआल पंचायत के पुआल गाँव में आज तक सड़क नहीं बनने से ग्रामीणों की सरकार और अधिकारियों के प्रति नाराजगी साफ दिखती है. भारी बारिश के कारण हालात और भी बदतर हो जाते हैं. सड़क की बदहाल स्थिति के कारण मंगलवार को एक वृद्ध मरीज तोगो हेंब्रम को इलाज के लिए करीब दो किलोमीटर तक डेगराटोला से आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पुआल तक आधा दर्जन लोगों की सहायता से खटिया में लादकर लाया गया. ग्रामीणों ने बताया कि तोगो हेंब्रम कई दिनों से बीमार हैं और सड़क की बदहाल स्थिति के कारण स्वास्थ्य केंद्र तक जाने के लिए कम से कम आधा दर्जन लोगों के कंधों की आवश्यकता पड़ती है. ग्रामीणों ने यह भी बताया कि गर्भवती महिलाओं को प्रसव पीड़ा होने पर इसी तरह खटिया में लादकर स्वास्थ्य केंद्र तक लाया जाता है.

अधिकारियों और विधायक पर अनदेखी का आरोप : ग्रामीणों ने अधिकारियों और विधायक पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि गाँव के पाँच टोलों में बदहाल सड़क के निर्माण की मांग वर्षों से की जा रही है. बीते 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में सड़क की मांग को लेकर वोट बहिष्कार करने का फैसला लिया गया था. उस वक्त बीडीओ सह निर्वाचन अधिकारी नागेश्वर साव ने चुनाव के बाद सड़क का जल्द निर्माण करने की बात कही थी, लेकिन समय के साथ सड़क निर्माण की प्रक्रिया भी ठंडे बस्ते में चली गई. ग्रामीणों ने कहा कि खुद को आदिवासियों की सरकार कहने वाले हेमंत सोरेन को आदिवासियों के गांव का हाल भी देखना चाहिए. ग्रामीणों ने सड़क के निर्माण के लिए आंदोलन की चेतावनी दी है. इस संबंध में बीडीओ नागेश्वर साव ने कहा कि जिला के उच्च अधिकारियों को मामले की जानकारी दे दी गई है. उन्होंने ग्रामीणों को डीसी और डीडीसी से शिकायत करने की बात कही ताकि कार्य तीव्र गति से हो सके.

एटीएम से पैसे निकालते 3 साइबर अपराधी धराए

- दो एटीएम, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल जब्त

शुभम संदेश। धनबाद

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर निरसा के कलियासोल-चिरकुंडा मुख्य सड़क पर वाहन जांच के दौरान तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. ये अपराधी साइबर ठगी के जरिए बैंक खातों में ट्रांसफर की गई रकम को एटीएम के माध्यम से निकालने की फिराक में थे. पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद जब इनसे सख्ती से पूछताछ की गई तो इन्होंने साइबर ठगी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की. आरोपितों ने बताया कि वे विभिन्न माध्यमों से लोगों से ठगी कर, रकम को अपने बैंक खातों में ट्रांसफर कर लेते थे और उसके बाद मौका देखकर ठगी की गई रकम को एटीएम के माध्यम से निकाल लिया करते थे. पकड़े गए अपराधियों के पास से पुलिस को दो एटीएम कार्ड, मोबाइल फोन और ठगी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल ज़ब्त हुई है. इस संबंध में मंगलवार को ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि हाल के दिनों में साइबर ठगी की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद विशेष निगरानी अभियान चलाया गया. उन्होंने बताया कि पकड़े गए अपराधियों पर पहले से कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं था, लेकिन प्रारंभिक जांच से साफ है कि वे सुनियोजित तरीके से साइबर अपराध को अंजाम दे रहे थे. फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इन आरोपियों ने किन-किन लोगों को अपना शिकार बनाया और इनके गिरोह में और कौन-कौन शामिल हैं.

पहली अगस्त को धनबाद आईआईटी आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

आईजी ने लिया तैयारियों का जायजा, दिशा निर्देश

- एसएसपी समेत पुलिस पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

शुभम संदेश। धनबाद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आईआईटी आईएसएम में निर्धारित कार्यक्रम की चल रही तैयारियों का जायजा लेने के लिए मंगलवार को बोकारो प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) क्रांति कुमार गड़िदेशी धनबाद पहुंचे. धनबाद के अधिकारियों से बातचीत के बाद कई आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी किए. समाहरणालय स्थित एसएसपी कार्यालय में आईजी ने समीक्षा बैठक के दौरान कार्यक्रम के जुड़े सुरक्षा बिंदुओं पर गहनता से विचार विमर्श किया. आईजी ने कार्यक्रम स्थल, एयरपोर्ट, कारकेड, वाहन, ट्राफिक मुवमेंट, रूट लाइन, सेफ हाउस, ग्रीन रूम, डी बॉक्स, मीडिया सेंटर, स्टेज, प्रवेश व निकास द्वार सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों व कार्यों के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल नियुक्त करने का निर्देश दिया. राष्ट्रपति के कार्यक्रम में शामिल होने वाले राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री समेत अन्य अति विशिष्ट अतिथियों के आगमन व आवासन सहित अन्य सुविधाएं व सुरक्षा को पुख्ता करने का आवश्यक निर्देश भी दिया गया. शेष पेज 11 पर

राष्ट्रपति के आगमन से पहले अतिक्रमण हटाओ अभियान

धनबाद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के धनबाद दौरे को लेकर शहर में तैयारियां जोरों पर हैं. नगर निगम द्वारा प्रमुख सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है. मंगलवार को पुलिस लाइन से लेकर आईआईटी-आईएसएम गेट तक सड़क किनारे अवैध रूप से लगाए गए दुकानों और ढांचों को हटाया गया. इस अभियान में भारी संख्या में पुलिस बल के साथ नगर निगम के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे. नगर आयुक्त के निर्देश पर इस अभियान का नेतृत्व सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक और शनि कुमार द्वारा किया गया. उनके साथ नगर प्रबंधक, स्वच्छता निरीक्षक, दंडाधिकारी और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे. अभियान के दूसरे दिन रणधीर वर्मा चौक से लेकर आईएसएम गेट तक विशेष ड्राइव चलाया गया. अभियान के तहत फुटपाथ, नाली क्षेत्र और सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया, जिसमें जेसीबी मशीनों की सहायता ली गई. दुकानों के अवैध छज्जे और चबूतरे भी तोड़े गए.

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ने डबलू और चंदन की तरफ से की बहस, कहा

घटना के वक्त चश्मदीद राज का लोकेशन गिरिडीह था, मौके वारदात पर नहीं

- अंधाधुंध गोलियों के बीच आदित्य को फायर इंज्यूरी क्यों नहीं थी
- उसके अस्पताल से भागने की बात बिलकुल मनगढंत

नीरज सिंह हत्याकांड

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद के चर्चित नीरज सिंह हत्याकांड में मंगलवार को पंकज सिंह व डब्ल्यू मिश्रा की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एमए नियाजी ने बहस की. धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत में बहस करते हुए अधिवक्ता नियाजी ने कहा कि मोबाइल फोन के कॉल डिटेल सीडीआर के मुताबिक घटना की तिथि व समय को कथित चश्मदीद गवाह आदित्य राज का लोकेशन गिरीडीह था, न कि मौके वारदात पर. मामले के अनुसंधानकर्ता ने अदालत के समक्ष उपलब्ध रिपोर्ट के बाद भी झूठा बयान दिया और कहा कि आदित्य राज का लोकेशन, नीरज सिंह के साथ पाया गया. अधिवक्ता नियाजी ने तर्क देते हुए कहा कि जिस व्यक्ति को गोली लगेगी वह अस्पताल से नहीं भागेगा. सेंट्रल अस्पताल के रजिस्ट्रर में भी छेड़खानी की गई. अस्पताल के डॉक्टर ने इस बात की पुष्टि अदालत में की है, 15 मिनट के अंदर कोई भी अस्पताल 600 लोगों का रजिस्टर एंट्री और इलाज नहीं कर सकता. उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि आदित्य राज ने कोर्ट में बयान देते हुए कहा कि वह ड्राइवर घोल्टू महतो के पीछे अशोक यादव के बगल में विंडो सीट के पास बैठा था. अदालत में साक्ष्य उपलब्ध है कि ड्राइवर सीट को छेदते हुए गोली बाहर निकली थी तो आदित्य राज कैसे बच गया ? उसे न छाती में, न पेट में न ही सिर में गोली लगी. जब उसके साथ गाड़ी में बैठे सभी लोग खून से लथपथ थे तो यह परिस्थिति बताती हैं की वह अकेला नहीं बच सकता है. जबकि उस गाड़ी पर सैकड़ों रांउड गोलीबारी हुई. सेंट्रल अस्पताल के दस्तावेज यह बताते हैं कि ग्यारह बजकर पांच मिनट में आदित्य राज अस्पताल से बिना डॉक्टर की अनुमति के भाग गया था चूंकि वह मौके वारदात पर नहीं था, इसलिए अभियोजन ने ये सारी कहानी गढ़ी है. अधिवक्ता ने कहा कि आदित्य राज ने अपने बयान में कहा है कि वह घटना के बाद बेहोश हो गया था. फिर वह अभिषेक सिंह को घटना के विषय में सारी बात कैसे बता सकता है. .वहीं पहचान परेड के मुद्दे पर अधिवक्ता ने कहा कि आरोपियों की पहचान परेड गिरफ्तारी के पचहत्तर दिनों के बाद कराई गई, तब तक उनकी तस्वीर अख़बारों में छप गई थी. जिसकी पुष्टि हो चुकी है. इसलिए पहचान परेड का कोई महत्व नहीं है उन्होंने इस बाबत सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित कई निर्णयों का हवाला दिया. सभी गवाहों के बयान एक दूसरे के विरोधाभाषी हैं. मामले के अनुसंधानकर्ता ने जानबूझकर अदालत से कई महत्त्वपूर्ण तथ्य छिपा लिया. सुनवाई के दौरान,संजय सिंह, डब्ल्यू मिश्रा हाजिर थे. अन्य आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया.

केशरगढ़ा में अवैध खनन के दौरान चाल गिरा, कई दबे

कई गंभीर रूप से जख्मी भी, वारदात की अधिकारिक पुष्टि नहीं

- गिरिडीह से खनन को लाए गए थे मजदूर, तीन के मरने की आशंका

शुभम संदेश। बाघमारा

बाघमारा थाना क्षेत्र अंतर्गत केशरगढ़ा नदी किनारे में कोयला खनन के दौरान मंगलवार की देर शाम एक बड़ी दुर्घटना होने की चर्चा इलाके में जंगल की आग की तरह फ़ैल गई. चर्चा की मानें तो अवैध कोयला खनन के दौरान चाल धंसने से कई मजदूर कोयले की ढेर में दब गए. वारदात की खबर फैलने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. कोयले में दबने के कारण तीन-चार मजदूरों के मौत की बात भी सामने आ रही है, जबकि कई गंभीर रूप से जख्मी भी बताए जा रहे हैं. पूरे इलाके में मामले को लेकर रात में अफरा-तफरी का माहौल रहा है. देर रात वारदात के बाद उक्त इलाके में वाहनों का आवागमन बढ़ गया. चर्चा है कि यहां पर कोयला खनन के लिए गिरिडीह से मजदूर मंगाए जाते थे, जिनको दैनिक काम के अनुसार मजदूरी मिलती थी. सूत्रों की मानें तो इन मजदूरों में से ही कई मजदूरों के मरने की बात कही जा रही है. बाघमारा इलाके के चौक चौराहे पर इस घटना का जिक्र है,जितनी मुंह उतनी तरह की बात रात में फैली रही. कुछ लोग तो यहां एक दर्जन मजदूरों के भी दबने की बात कह रहे हैं. न ही बीसीसीएल और न ही पुलिस महकमे से इस घटना की पुष्टि देर रात हो सकी थी.

दुष्कर्म के प्रयास में तनवीर को 10 वर्ष की कैद

धनबाद (शुभम संदेश)। नाबालिग के साथ दुष्कर्म के प्रयास करने के मामले में मंगलवार को पोक्सो के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने सजा की बिंदु पर अपना फैसला सुनाया. अदालत ने गोविंदपुर थाना क्षेत्र के कुरेशी नगर निवासी तनवीर अंसारी को दस वर्ष की सश्रम कैद व 25 हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई. अदालत ने 16 जुलाई 2025 को आरोपी को दोषी करार दिया था. अभियोजन का संचालन अपर लोक अभियोजक समित प्रकाश ने किया. पीड़िता की मां की शिकायत पर गोविंदपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 4 दिसंबर 2024 को दोपहर साढ़े बारह बजे पीड़िता शौच करने बगल के झाड़ी में गई थी, तभी तनवीर ने उसे पकड़ लिया और दुष्कर्म का प्रयास किया. पीड़िता हल्ला करने लगी तो आरोपी उसका मुंह दबा दिया और जान से मार देने की धमकी दी.

सावधान : 780 किलो मिलावटी पनीर सहित खोवा, पेड़ा और लड्डू जब्त

- आगामी त्योहारों को लेकर प्रशासन सख्त
- बुंदेला बस की रेकी के बाद छापेमारी

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर मंगलवार की सुबह अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, सिविल सर्जन आलोक विश्वकर्मा, डीएसपी मुख्यालय के सहयोग से खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी राजा कुमार ने बिहार से धनबाद आने वाली बसों में श्रमिक चौक से पूजा टॉकीज के बीच छापेमारी की.छापेमारी के दौरान बिहार से धनबाद आने वाली विभिन्न बसों की जांच की गई. जिसमें बुंदेला बस से 780 किलो मिलावटी पनीर, 80 किलो खोवा, 25 किलो पेड़ा एवं 25 किलो लड्डू जब्त किए गए. उपायुक्त ने बताया कि झारखण्ड के स्वास्थ्य मंत्री एवं खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने सख्त निर्देश दिया है कि आगामी त्योहारों को लेकर सघन छापामारी अभियान चलाया जाए. इसी संदर्भ में तड़के जांच अभियान चलाया गया. उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी पिछले दो दिनों से इन बसों की रेकी कर रहे थे. जिसमें पाया गया कि इन बसों में भारी मात्रा में पनीर एवं अन्य खाद्य सामग्री उतारी जाती है. जब्त पनीर, खोवा, पेड़ा एवं लड्डू की खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने स्पॉट पर ही जांच की. जांच में सभी सामग्रियों में स्टार्च की मौजूदगी पायी गयी है. सभी मिलावाटी सामग्रियों को जब्त कर लिया गया है एवं सभी सामग्री का नमूना लेकर रासायनिक जांच के लिए राज्य खाद्य जांच प्रयोगशाला, नामकुम, रांची भेजा जा रहा है. वहीं बुन्देला बस के मालिक पर भी कार्रवाई की जायेगी.

खुशी कुमारी को नेट में 95.40% अंक

कालूबथान (शुभम संदेश)। कलियासोल प्रखंड के जामकुदर निवासी काजल मंडल की पुत्री खुशी कुमारी ने नेट परीक्षा में 95.40 प्रतिशत अंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है. उनकी इस सफलता पर क्षेत्र के गणमान्य एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने हार्दिक बधाइयां दी हैं. खुशी कुमारी ने अपनी सफलता का श्रेय माता तृप्ति मंडल, पिता काजल मंडल और परिवार को दिया है. भाई गोपाल मंडल ने बताया कि खुशी शुरू से ही पढ़ने में तेज है. स्कूल से लेकर स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई फर्स्ट डिवीजन में पूरी की है. गौरतलब है कि खुशी ने नेट परीक्षा बिना किसी कोचिंग के, अपने बलबूते पर सफलता हासिल की है, जो उनकी लगन और मेहनत का परिणाम है. उनकी इस उपलब्धि से पूरे प्रखंड में खुशी का माहौल है.

पूर्वी टुंडी में फर्जी एनओसी से वन विभाग की जमीन के म्यूटेशन का मामला

जांच रिपोर्ट के दो महीने बाद भी कार्रवाई नहीं

खास बातें

- भू अर्जन पदाधिकारी की अध्यक्षता में जांच हुई थी पूरी
- प्रथम दृष्टया तत्कालीन सीओ और सीआई पाए गए दोषी

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद के पूर्वी टुंडी अंचल के बरवाटांड मौजा में वन विभाग की 18.40 एकड़ जमीन के फर्जी म्यूटेशन मामले में तत्कालीन अंचल अधिकारी देवराज गुप्ता और सीआई नीरज कुमार को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है. जांच कमिटी की रिपोर्ट के आधार पर दोनों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई और तत्काल निलंबन की अनुशंसा की गई है. हालांकि, जांच रिपोर्ट सौंपे जाने के दो महीने बाद भी जिला प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है. सूत्रों के अनुसार जांच पूरी होने के बाद फिर से स्पष्टीकरण मांग कर मामले में लीपापोती की कोशिश की जा रही है. जबकि जांच कमिटी के समक्ष तत्कालीन सीओ एवं नीरज ने अपना पक्ष रख पूर्व में ही रख चुके हैं.

18.40 एकड़ जमीन में की गई थी गड़बड़ी

जांच में सामने आया कि टुंडी अंचल के बरवाटांड मौजा में वन विभाग के अधीन 18.40 एकड़ जमीन को फर्जी तरीके से म्यूटेशन कराया गया. यह जमीन पहले ही रेलवे की एक विशेष परियोजना के लिए समर्पित की जा चुकी थी. पूर्वी टुंडी निवासी जाकिर अंसारी ने इस जमीन के लिए वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की मांग की थी. वन विभाग ने जमीन को अपनी संपत्ति बताते हुए एनओसी देने से इनकार कर दिया और इस संबंध में एक पत्र जारी किया. जांच में पाया कि जाकिर अंसारी को फर्जी एनओसी मनोज पंडित नामक व्यक्ति ने प्रदान की थी. मनोज पंडित ने बताया कि यह फर्जी दस्तावेज उन्हें भुईफोड़ स्थित त्रिवेणी कुटीर निवासी नीरज कुमार ने दिया था, जो वर्तमान में झरिया अंचल में कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं. जांच कमिटी ने पाया कि अंचल कार्यालय में म्यूटेशन के लिए जमा की गई एनओसी पूरी तरह फर्जी थी.

कार्रवाई की हो चुकी है अनुंशसा

मामले में अपर समाहर्ता (एसी) के आदेश पर भू अर्जन पदाधिकारी राम नारायण खलको की अध्यक्षता में एक जांच कमिटी गठित की गई. कमिटी ने पूर्वी टुंडी में गहन जांच की और अपनी रिपोर्ट तत्कालीन उपायुक्त को सौंपी थी. विनोद कुमार ने बताया था कि जांच में देवराज गुप्ता और नीरज कुमार प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए हैं. दोनों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई और तत्काल निलंबन की अनुशंसा की गई है. नीरज कुमार के खिलाफ कार्रवाई उपायुक्त (डीसी) करेंगे, जबकि सीओ के खिलाफ कार्रवाई के लिए विभाग को पत्र लिखा जाएगा. तत्कालीन सीओ देवराज गुप्ता की भूमिका भी इस मामले में संदिग्ध पाई गई है. जांच कमिटी ने माना कि फर्जी एनओसी के आधार पर म्यूटेशन की प्रक्रिया में उनकी सहभागिता रही होगी, जिसके चलते उन्हें भी दोषी ठहराया गया है.

रामपुर एमवीआई चेक पोस्ट पहुंचते ही चालकों के सूख जाते हैं हलक

झारखंड-बंगाल बार्डर पर ट्रक चालकों से होती है खूब मनमानी

- दलालों के इशारे पर लगाए जाते हैं भारी जुर्माना
- कई दिनों तक रोके जाते हैं वाहन

शुभम संदेश। सीतारामपुर

पश्चिम बंगाल- झारखण्ड बॉर्डर डिबूडीह चेकपोस्ट से महज ही कुछ किलोमीटर दूर चौरंगी मोड़ पर स्थित रामपुर एमवीआई चेक पोस्ट (पश्चिम बर्दवान) पर तैनात अधिकारियों के कारण ट्रक चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है. यहां बिना गलती के ही हजारों और लाखों का जुर्माना, एमवीआई की तंग पार्किंग में दर्जनों ट्रक चालक और खलासी को कई दिनों तक रखकर परेशान किया जाने का आरोप लग रहा है. इन अधिकारियों की मनमानी के कारण ही ट्रक चालक बंगाल सरकार को भी सवालों के घेरे में रख रहे हैं. अधिकारियें की मनमानी से खफा मंगलवार को यहां कुछ ट्रक चालकों ने हंगामा भी कर दिया. राजस्थान से मार्बल लादकर ट्रेलर संख्या आरजे14जीजी- 1751 के चालक की मानें तो एमवीआई ने तीन दिन पूर्व ट्रेलर को 3 टन ओवर लोडिंग के आरोप में पकड़ा था, जिसका फाईन लगभग 32 हजार रुपए किया गया. शेष पेज 11 पर

ब्रीफ खबरें

वृद्धा के गले से बाइक सवार अपराधियों ने छीनी चेन

पुटकी। करकेंद कलाली मुहल्ले में घर के दहलीज से पांच-सात कदम पहले वृद्धा कमली देवी उर्फ कमली बुआ (80) के गले से करीब सवा लाख रुपए का सोने का चेन मोटरसाइकिल सवार अपराधियों ने झपट लिया. वृद्धा करकेंद खटाल से नित्यदिन की तरह शाम साढ़े छह बजे दूध लेकर लौट रही थी. अपराधी काफी देर से महिला पर नजर रखे हुए थे. मुख्य सड़क से हटकर पीछे घर के नजदीक पहुंचते ही पीछे से अपराधी मोटरसाइकिल से बगल से गुजरे. कुछ कदम जाकर वापस मुड़े. महिला के नजदीक बाइक ले गए तो वृद्धा ने इनको डांटा. तभी पीछे बैठा अपराधी कमली के गले से 12 ग्राम का सोने का चेन झपट लिया और गली नुमा रास्ते से भाग निकला. हाईस्पीड मोटरसाइकिल पर अपराधी दो की संख्या में थे1 पीछे बैठा अपराधी हेलमेट पहने था.इनका अस्पष्ट छवि सीसी कैमरा में कैद हुआ है. अपराधियों की शिकार बनी कमली बुआ सामाजिक रूप से काफी चर्चित महिला है. इनके पुत्र सुरेश शर्मा उर्फ झलर महाराज की चर्चित पेड़ा की दुकान है. पीड़िता ने बताया कि कुछ साल पहले चेन खरीदा था.दुकानवाले का पैसा अभी भी बाकी है. घटना के बाद काफी लोग जुट गए थे लेकिन तबतक अपराधी काफी दूर भाग निकल चुके थे.

नए विद्यालय भवन के लिए विधायक ने दिया आश्वासन

निरसा। मंगलवार को निरसा प्रखंड अंतर्गत पलारपुर उत्क्रमित उच्च विद्यालय में विधायक अरूप चटर्जी की अध्यक्षता में ग्रामसभा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे. ग्रामसभा में ग्रामीणों ने विद्यालय के उत्क्रमण के लिए विधायक के प्रयासों की सराहना की और विद्यालय में बुनियादी सुविधाओं जैसे नए भवन, मेज, कुर्सियाँ, पंखे आदि की आपूर्ति की मांग रखी. ग्रामसभा के बाद विधायक चटर्जी ने ग्रामवासियों के साथ प्रस्तावित नए विद्यालय भवन की जमीन का निरीक्षण किया. यह भूमि पलारपुर पंचायत के समीप स्थित है और फिलहाल खाली पड़ी हुई है. विधायक ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि वे शीघ्र ही संबंधित पदाधिकारियों से मिलकर भूमि की मापी कराएँगे और नए विद्यालय भवन के निर्माण के लिए जरूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगे. इस अवसर पर पलारपुर पंचायत की मुखिया अपर्णा देवी, शतपन तिवारी, अरूप कालिंदी, टिंकू राय, विश्वरूप मंडल, कार्तिक सरकार, अमित घोषाल, भोलानाथ बाउरी, शिक्षक विनोद सिंह, राजू मंडल, विद्युत सायरा, तापस महतो, रंजीत वर्मा, शिवकुमार हसदा, शिवकुमार तिवारी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

शहीद शक्तिनाथ जयंती की तैयारी

तेतुलमारी। झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता शहीद शक्ति नाथ महतो की जयन्ती कार्यक्रम की सफलता के लिए शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक तैयारी समिति की एक बैठक शहीद शक्ति नाथ महतो चौक तेतुलमारी में आयोजित की गई . बैठक के दौरान आसपास के गांवों का दौरा कर दो अगस्त को जयन्ती समारोह में ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्णय लिया गया. इस दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई. बैठक में शिव प्रसाद महतो, जगदीश महतो,उमेश टुडू,बिमल कुमार महतो,कालाचन्द साव, प्रेमचन्द महतो,दशरथ कुम्हार,रामेश्वर महतो,बडाबाबु,रामु महतो,बुधु महतो, सहित स्मारक समिति उपस्थित थे.

बीएमएस कार्यालय का निरीक्षण

कतरास । भारतीय मजदूर संघ के 70वां स्थापना दिवस समारोह गोविंदपुर क्षेत्र धूमधाम से मनाने की तैयारी जोरों से चल रही है. उक्त तिथि को गोविंदपुर क्षेत्र के सभी शाखा एवं क्षेत्रीय कार्यालय के साथ-साथ संघ कार्यालय पर झंडोत्तोलन किया जाएगा और संघ कार्यालय पर झंडोउत्तोलन के बाद सभी कार्यकर्ता सदस्यों के लिए सामूहिक कार्यक्रम किया जाएगा. सभी कार्यक्रम सुचारू रूप से हो, इसके लिए संघ के अध्यक्ष मुरारी तांती, महामंत्री उमेश कुमार सिंह एवं उपाध्यक्ष मंतोष कुमार तिवारी द्वारा कार्यालय का निरीक्षण किया गया. मौके पर फूलचंद दसौंधी (क्षेत्रीय अध्यक्ष), गजेन्द्र कुमार (क्षेत्रीय संयुक्त सचिव), सुरेश यादव, शैलेस तिवारी, मंतोष कुमार तिवारी, रामबचन पासवान, गुल्लु प्रसाद, मुन्ना पांडे, बिजेंद्र यादव सहित अन्य मौजूद थे.

लापरवाही : बगैर सुरक्षा उपकरणों के कराए जा रहे बिजली के खतरनाक काम

जोखिम में दैनिक बिजली मजदूरों की जान

(शुभम संदेश)। लोयाबाद

लोयाबाद, एकड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों में जर्जर बिजली तारों को बदले जाने का कार्य जारी है. हालांकि इस कार्य में सुरक्षा मानकों की खुली अनदेखी की जा रही है. ठेका मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा उपकरण, जैसे सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट और दास्तानों के, सीधे बिजली के खंभों पर चढ़ाकर काम कराया जा रहा है, जिससे उनकी जान हर पल खतरे में है. बता दें कि क्षेत्र में 11 हजार वोल्ट और 440 वोल्ट की नई बिजली लाइनें लगाई जा रही हैं. यह कार्य संविदा आधारित मजदूरों से कराया जा रहा है, जिन्हें न तो जरूरी प्रशिक्षण दिया गया है और न ही किसी प्रकार की सुरक्षा किट मुहैया कराई गई है. मजदूर पेट की आग बुझाने के लिए अपनी जान की बाजी लगाकर काम करने को विवश हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी मजदूर के साथ दुर्घटना हो जाती है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? इससे पहले भी कई बार बिना सुरक्षा के कराए जा रहे कार्यों में दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें मजदूरों को गंभीर चोटें आई हैं या जान तक चली गई है. इस संबंध में बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों से पूछे जाने पर उन्होंने जानकारी नहीं होने की बात कही. हालांकि क्षेत्रीय जनता और मजदूर यूनियन की मांग है कि कार्य में लगे सभी मजदूरों को सुरक्षा उपकरण दिए जाएं और नियमों के तहत कार्य कराया जाए, ताकि किसी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके.

डीजल चोरों ने मालिक पर ताना हथियार

बरवाअड्डा (शुभम संदेश)। बरवाअड्डा थाना अंतर्गत जीटी रोड जोड़ापीपल उदयपुर के समीप सोमवार की देर ट्रकों से हथियारबंद अपराधियों द्वारा ट्रकों से डीजल चोरी करने का मामला सामने आया है. इस संबंध में मंगलवार को उदयपुर गांव निवासी राहुल कुमार साव ने बरवाअड्डा थाना में आवेदन दे कर कहा है कि जीटी रोड जोडापीपल के समीप उनका ट्रक, संख्या जेएच10एवाइ- 8341 व जेएच09बीबी-7381 खड़ा किया था. सोमवार रात लगभग 1:30 बजे रात अज्ञात स्कार्पियो वाहन से हथियार बंद अपराधी दोनों ट्रकों से डीजल चोरी करने लगे. ट्रक चालक ने फोन पर उन्हें इसकी सूचना दी. सूचना पर मौके पर पहुंचने पर अपराधियों ने हमलोगों पर हथियार तान दिया. जिससे हमलोग पीछे हट गए. इसके बाद डीजल चोर भाग निकले. आवेदन में इस क्षेत्र में लगातार ट्रकों से डीजल लूट और चोरी की बात कही गई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

चिरकुंडा पीएचसी के डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी ड्यूटी से मिले गायब

सिविल सर्जन के निरीक्षण में खुली पोल, अनुपिस्थतों के खिलाफ होगी कार्रवाई

शुभम संदेश। चिरकुंडा

चिरकुंडा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का सिविल सर्जन आलोक कुमार द्वारा निरीक्षण के दौरान केन्द्र के डाक्टर व स्वास्थ्य कर्मी गायब पाए गए. स्वास्थ्य केन्द्र में कालीमंडा से दिखाने आई एक महिला मरीज, जिनके दाहिना हाथ में दर्द था, डाक्टर नहीं रहने के कारण बैठी हुई थी. सिविल सर्जन ने खुद ही उस मरीज का इलाज किए व दवा भी दी. फिर वे एम्बुलेंस बुलवाकर उक्त महिला मरीज को सदर अस्पताल धनबाद भिजवाए. उन्होंने कि स्वास्थ्य केन्द्र में डाक्टर व स्वास्थ्य कर्मी नहीं रहना बहुत ही गलत है. उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में जो सुविधा होनी चाहिए वे सुविधा दिलाने का प्रयास करेंगे. कहा कि आज यहां पर जो भी ड्यूटी से गायब थे, उन पर कार्रवाई की जाएगी. निरीक्षण के दौरान उनके साथ डाक्टर रोहित गौतम भी मौजूद थे.

कुमारधुबी हॉस्पिटल में ताला लगना लगभग तय : सिविल सर्जन

कुमारधुबी। अधिकारिक रूप से जांच के बाद कुमारधुबी हॉस्पिटल में ताला लगना लगभग तय है. कुमारधुबी हॉस्पिटल में गर्भपात कराने से श्यामली कुमारी की हुई मौत मामले में मंगलवार को सिविल सर्जन डा आलोक कुमार विश्वकर्मा ने यह बात कही. वो कुमारधुबी किसी काम से आये थे और इस दौरान हॉस्पिटल भी पहुंचे. सिविल सर्जन डा विश्वकर्मा ने जांच में मामले को सही पाया. श्यामली की मौत आईसीयू में हुई थी. वो आईसीयू गये और घटना के वक्त वहां मौजूद स्टाफ से विस्तृत पूछताछ की .कहा कि जांच टीम गठन कर ली गयी है .अधिकारिक रूप से जल्द ही टीम हास्पिटल जांच करने पहुंचेगी. प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट है कि बिना डाक्टर के ही श्यामली का गर्भपात कराया गया था. यदि टीम लिखित रूप से जांच रिपोर्ट सौंपेगी तो हॉस्पिटल में ताला लगना लगभग तय है. मामले में किसी तरह का पक्षपात नहीं होगा. जांच में त्रुटि पायी जायेगी तो वो स्वयं दुबारा इस गंभीर मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करेंगे.

लोयाबाद में एसबीआई एटीएम सात दिन से बंद, उपभोक्ता परेशान

शुभम संदेश। लोयाबाद

लोयाबाद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) शाखा का एटीएम पिछले सात दिनों से बंद पड़ा है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. एटीएम के बंद रहने से ना सिर्फ ग्राहकों को नकदी संकट झेलना पड़ रही है, बल्कि बैंक को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है. बैंक कर्मियों के अनुसार, यह समस्या तकनीकी कारणों से उत्पन्न हुई है. जानकारी के मुताबिक, 15 जुलाई को लोयाबाद क्षेत्र में डीवीसी की आपूर्ति बाधित हो जाने से तीन दिनों तक एटीएम पूरी तरह बंद रहा. इस दौरान एटीएम से किसी प्रकार का ट्रांजैक्शन नहीं हो सका. जब लगातार तीन दिन तक कोई गतिविधि नहीं हुई तो मुंबई स्थित एटीएम कंट्रोल विभाग ने एहतियातन लिंक काट दिया, जिससे किसी साइबर अपराध की संभावना को टाला जा सके. इसी बीच, धनबाद एटीएम कैश विभाग द्वारा शेष बचे कैश को भी मशीन से निकाल लिया गया, लेकिन एटीएम का बैलेंस पूरी तरह शून्य नहीं हो सका. अब जब बिजली आपूर्ति बहाल हो चुकी है, तब भी बैलेंस जीरो न दिखाने की वजह से मशीन में दोबारा कैश नहीं डाला जा सका है, जिससे एटीएम सेवाएं पूरी तरह ठप हैं. इस संबंध में लोयाबाद एसबीआई शाखा के प्रबंधक प्रकाश कुमार ने बताया कि तकनीकी समस्या की सूचना हेड ऑफिस को दी जा चुकी है. उन्होंने बताया कि मुंबई स्थित नियंत्रण कक्ष द्वारा एटीएम का लिंक काटा गया था. फिलहाल तकनीकी टीम इस समस्या के समाधान में जुटी है और संभावना है कि एक-दो दिनों में एटीएम सेवाएं बहाल हो जाएंगी. उपभोक्ताओं ने बैंक प्रबंधन से शीघ्र समाधान की मांग की है .

बेहराकुदर आंगनबाड़ी में मासिक धर्म स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम

शुभम संदेश। बरोरा

बेहराकुदर पंचायत के कोयरीडीह 3 नंबर में महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से युवा संसाधन केंद्र (वाईआरसी) संस्था द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन आंगनबाड़ी केंद्र में किया गया. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना, सैनिटरी पैड के सही उपयोग की जानकारी प्रदान करना और महिलाओं व किशोरियों को जागरूक व आत्मनिर्भर बनाना था. कार्यक्रम में भारी संख्या में महिलाओं और किशोरियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया. इस अवसर पर निःशुल्क सैनिटरी पैड वितरण किया गया, साथ ही मासिक धर्म स्वच्छता विषय पर जागरूकता भाषण और संवाद सत्र आयोजित किए गए. उपस्थित लोगों को सैनिटरी पैड के उपयोग और इसके महत्व के बारे में विस्तार से समझाया गया.

कार्यक्रम में पंचायत के मुखिया जालिम रजक ने मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला और युवा संसाधन केंद्र के कुनाल सिंह और उनकी टीम की इस पहल की सराहना की. यह कार्यक्रम महिलाओं और किशोरियों के बीच स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ. मौके पर मौके पर जनजय सिंह,रामचरित सिंह,विपिन सिंह चौधरी,ऊजवल कुमार, बेबी देवी, लखपति देवी, लक्ष्मी कुमारी, पूजा कुमारी, कुणाल सिंह, करण कुमार, मनीषा कुमारी, नीरज कुमार, दिव्या कुमारी, निहाल कुमार अन्य लोग का सहयोग रहा.

माता-पिता के अनुभवों की सीख को करें आत्मसात : डीईओ

मैट्रिक में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

शुभम संदेश। महुदा

रवि महतो स्मारक उच्च विद्यालय महुदा में मंगलवार को एक समारोह आयोजित कर मैट्रिक परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया. समारोह में मुख्य रूप से उपस्थित जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, शहीद शक्तिनाथ कॉलेज के प्राचार्य प्रो.अरुण कुमार महतो, प्रशासक मधुसुदन महतो, बीएल कॉलेज के प्राचार्य डा आरके यादव, थाना प्रभारी देवानंद प्रसाद ने सभी छात्रों को सम्मानित किया. साथ ही जिला स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान कर उसे सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया. विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक नृत्य और कार्यक्रम भी किया. जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने कहा जब हम एकाग्र होकर सोचने और समझने लगते हैं, तभी किसी लक्ष्य को वास्तविकता में बदलने की प्रक्रिया शुरू होती है. जब तक मन में दृढ़ संकल्प नहीं होगा, तब तक सफलता तक पहुंचना संभव नहीं है. छात्राओं को मार्गदर्शन देते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में सही निर्णय लेने के लिए अपने अभिभावकों और शिक्षकों से सलाह अवश्य लें और उनके अनुभवों से सीख लेकर उनके बताए मार्ग पर चलने का प्रयास करें. शहीद शक्तिनाथ कॉलेज के प्राचार्य प्रो.अरुण कुमार महतो ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक सच्चे गुरु के आशीर्वाद से छात्र ईश्वर तक की अनुभूति कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि पंखों से नहीं हौसलों से उड़ान होती है. सपना जितना बड़ा होगा, मेहनत भी उतनी ही गहरी और निरंतर होनी चाहिए. आपको जो अवसर मिला है, उसे व्यर्थ न जाने दें. उन्होंने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए छात्र-छात्राओं को उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधानाचार्य धनंजय महतो, निल कमल महतो, बसंत कुमार मोहली, महादेव प्रसाद शर्मा, विभुति भुषण महतो, मनोरंजन सराक, गोविन्द महतो, महादेव प्रसाद साव, सुरेश महतो, धनुशधारी गोस्वामी, अवधेश कुमार मिश्र, मनोज कुमार महतो संध्या सिंह, शमीमा खातुन आदि का सराहनीय योगदान रहा.

न्यूज अपडेट

विधायक, सांसद व झा ने निशा को किया सम्मानित

- डीएवी कलस्टर 6 खेलकूद में निशा को मिला गोल्ड

कतरास (शुभम संदेश)। डीएवी कलस्टर 6 खेलकूद प्रतियोगिता के योगा में गोल्ड मेडल विजेता टाटा डीएवी सिजुआ की छात्रा निशा कुमारी को बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने मंगलवार को सम्मानित किया. विधायक महतो छात्रा के सिजुआ स्थित आवास पहुंचे और निशा कुमारी को शॉल ओढ़ाकर तथा मिठाई खिलाकर उसके उज्जवल भविष्य की कामना की. कहा कि निशा की सफलता ने पूरे क्षेत्र का मान सम्मान बढ़ाया है. कामना है कि निशा नेशनल में जाये और वहां भी इस तरह का प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर अपने माता-पिता तथा इस क्षेत्र का नाम रौशन करे. सांसद ढुलू महतो ने भी फोन निशा को आशीर्वाद दिया. पूर्व बियाडा अध्यक्ष सह समाजसेवी विजय कुमार झा भी सिजुआ पहुंचे.उन्होंने निशा कुमारी को गुलदस्ता भेंट कर एवं मिठाई खिलाकर उसके उज्जवल भविष्य की कामना किया. विजय झा ने कहा कि आप इसी तरह से क्षेत्र और अपने मां-बाप का नाम रोशन करें. मालूम हो कि निशा कुमारी बोकारो में आयोजित प्रतियोगिता के कई चरणों की प्रतिस्पर्धा के बाद विजेता घोषित की गयी थी. उसे गोल्ड मेडल तथा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया था.

आश्रित पुत्र को मिला प्रोविजनल नियोजन

बरोरा (शुभम संदेश)। बीसीसीएल बरोरा क्षेत्र के ए एम पी कोलियरी में डंपर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत सुरेश महतो की मंगलवार को अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई. इसके उपरांत बाघमारा विधायक और श्रमिक प्रतिनिधियों की पहल पर बरोरा क्षेत्रीय सभागार में सुरेश के आश्रित पुत्र को तत्काल नियोजन प्रदान करने के लिए वार्ता आयोजित की गई. वार्ता में सुरेश की पत्नी द्वारा नामित उनके पुत्र अरविंद कुमार को एएमपी कोलियरी में तत्काल प्रोविजनल नियुक्ति देने पर सहमति बनी. इस अवसर परियोजना पदाधिकारी काजल सरकार,एचके हेना श्रमिक प्रतिनिधि जेके झा, मंगल हेमब्रम,गोपाल मिश्रा, संतोष गोराई, एनडी पाण्डेय,देवानंद राजभर,जीवन आंनद, जगदीश खानी सहित अन्य उपस्थित थे.

यशोमती श्री विद्या निकेतन में स्वास्थ्य जागरुकता शिविर

झरिया (शुभम संदेश)। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में, मंच की झरिया शाखा एवं सरायढेला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में यशोमती श्री विद्या निकेतन झरिया में स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर लगाया गया. शिविर में छात्राओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी गई. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकुमार अग्रवाल मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष, झरिया ने युवा पीढ़ी को स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और सामाजिक चेतना से युक्त करने की बात कही. प्रातः 10 बजे से दंत चिकित्सक डॉ. उर्मी अग्रवाल ने विद्यालय के सैकड़ों छात्रों की मौखिक जांच की. उन्होंने दांतों की देखभाल, ब्रशिंग तकनीक, संतुलित आहार और समय-समय पर जांच की आवश्यकता के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर की शुरुआत स्वस्थ मुंह से होती है. बच्चों को प्रारंभ से ही सही आदतें अपनानी चाहिए. कार्यक्रम में कुल 297 विद्यार्थियों के दाँतों की जांच की गई. इस शिविर की संयोजक किरण शर्मा और विद्यालय प्रबंधन के समन्वय से शिविर को सफल हुआ.

मायुमं झरिया ने लगाया महिला कैंसर जागरुकता शिविर

झरिया (शुभम संदेश)। महिला इंटर कॉलेज झरिया में मंगलवार को महिला कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का आयोजन मारवाड़ी युवा मंच झरिया की ओर से किया गया था. मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, मंच अध्यक्ष डॉ मनीष शर्मा, अभिषेक अग्रवाल, विनोद शर्मा, नीतू अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया. इस शिविर का उद्देश्य किशोरियों को स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, मासिक धर्म स्वच्छता, संतुलित पोषण एवं प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूक करना था. छात्राओं की बीपी, बीएमआई, हीमोग्लोबिन आदि की जांच की गई व विशेषज्ञों द्वारा व्यक्तिगत सलाह दी गई. स्वास्थ्य जांच के लिए असरफी हॉस्पिटल की टीम थी. डॉक्टरों की टीम में डॉ. अंकिता तिवारी स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. प्रियंका आर अस्वा रक्त रोग विशेषज्ञ, डॉ.जफ़र रसीद फिजिशियन, रेणु सिंह प्रबंधक, दीपक मंडल प्रतिनिधि, हेमंती गुप्ता असरफी कैंसर संस्थान के प्रबंधक, विवेक त्रिवेदी - कैम्प समन्वयंकर्ता, कोमल कुमारी और जुलिता - नर्सिंग स्टाफ सक्रिय थे. डॉ. अंकिता तिवारी ने कहा कि किशोरावस्था में स्वास्थ्य शिक्षा आवश्यक है ताकि भविष्य की माताएं स्वस्थ रहें. डॉ. प्रियंका असवा ने किशोरियों को एनीमिया के बारे में बताया और संतुलित पोषण आहार लेने की सलाह दी. कार्यक्रम में कुल 323 बच्चियों को कैंसर के बारे में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ और 127 की स्वास्थ्य जांच हुई. कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय सावारिया, प्रवीण अग्रवाल, सीए निखिल अग्रवाल, विद्यालय प्रशासन, शिक्षकगण एवं मंच पदाधिकारी व सदस्य थे.

कोल इंडिया के अध्यक्ष से मिले पूर्व सांसद उठाया कोलियरियों में अनियमितता का मामला

टुंडी (शुभम संदेश)। गिरिडीह के पूर्व लोकसभा सांसद रविंद्र कुमार पांडेय ने कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष पी. एम. प्रसाद से कोलकाता स्थित न्यू टाउन, राजारहाट कार्यालय में मुलाकात कर बीसीसीएल, सीसीएल एवं इसीएल के अंतर्गत विभिन्न कोलियरियों में व्याप्त अनियमितताओं को लेकर चर्चा की. उन्होंने कोल इंडिया प्रमुख को अवैध कोयला खनन, कोयला ग्रेड में हेराफेरी, आउटसोर्सिंग कंपनियों के साथ तालमेल की कमी से उत्पादन में गिरावट, और कई अन्य गंभीर मुद्दों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया. सीसीएल के बोकारो-करगली व कथारा क्षेत्र में सीएसआर के तहत स्थापित बंद पड़े वाटर एटीएम की मरम्मत, भूमिगत खदानों में सुरक्षा की कमी के चलते आग लगने की घटनाएं, तथा स्टॉक में आग की समस्या को भी उठाया. इसके अलावा, पांडेय ने ढोरी क्षेत्र अंतर्गत बंद पड़ी अंगवाली और पिछरी कोलियरी को पुनः खोलने, ट्रांसपोर्टिंग के दौरान जीपीएस डिवाइस को निष्क्रिय कर कोयला ढुलाई जैसी गड़बड़ियों, और सीसीएल के एकेके एवं कारो परियोजनाओं में भारी खर्च के बावजूद शिफ्टिंग का न होना जैसे मुद्दों पर भी चिंता व्यक्त की. उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों को लीज पर क्वार्टर आवंटित करने संबंधी मामलों पर भी कोल इंडिया के अध्यक्ष का ध्यान खींचा और इन सभी समस्याओं पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की. मुलाकात के दौरान उनके साथ भाजपा बेरमो प्रखंड के पूर्व अध्यक्ष संजय प्रसाद भी उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

दुकान आवंटन के खिलाफ विरोध

दुमका। जिला परिषद के सदस्यों की सहमति और नई नियमावली के बगैर हो रहे कथित असंवैधानिक मार्केट कॉम्प्लेक्स दुकान आवंटन के खिलाफ आज समाजसेवी हाबिल मुर्मू के नेतृत्व में शिकारीपाड़ा पश्चिमी क्षेत्र के जिला पार्षद प्रकाश हांसदा को स्थानीय प्रबुद्धजनों ने आमजनों का मांग पत्र सौंपा. इस मौके पर करन मुर्मू, मानवेल मुर्मू, आगनेस टूडू, प्रदीप मंडल, दूलाल बेसरा, राम टुडू, मुस्तफा अंसारी, लाल मुहम्मद, विशाल साह सहित अन्य उपस्थित थे.

गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

साहिबगंज। गंगा नदी का जलस्तर साहिबगंज में खतरे के निशान 27.25 मीटर को पार कर गया है. मंगलवार सुबह 6 बजे जलस्तर 27.36 मीटर मापा गया. गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि से दियारावासी और शहर के निचले इलाकों जैसे कमल टोला, पुरानी साहिबगंज, कबूतर खोपी, भरतिया कॉलोनी, रसूलपुर दहला, शोभनपुर भट्ठा के लोगों को बाढ़ का डर सताने लगा है. केंद्रीय जल आयोग गंगा के जलस्तर पर लगातार निगरानी रख रहा है. जानकारी के अनुसार, गंगा का जलस्तर प्रत्येक घंटे एक सेंटीमीटर की दर से बढ़ रहा है, जिससे शहर के ग्रामीण क्षेत्रों में भी बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है.

डीपीएस को 'बेस्ट स्कूल डेलिगेशन' का खिताब

बोकारो। डीपीएस बोकारो ने आईआईएमयूएन 2025 के झारखंड चैप्टर सम्मेलन में 'बेस्ट स्कूल डेलिगेशन' का खिताब जीता. धनबाद में आयोजित इस तीन-दिवसीय कार्यक्रम में लगभग 250 छात्रों ने वैश्विक मुद्दों पर बहस की. डीपीएस बोकारो के छात्रों ने विभिन्न श्रेणियों में कई पुरस्कार जीते, जिनमें लोकसभा, झारखंड विधानसभा, एआईपीपीएम और डब्ल्यूएचओ में उत्कृष्ट प्रदर्शन शामिल है. प्राचार्य डॉ. ए.एस. गंगवार ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे मंच वैश्विक दृष्टिकोण और समस्या-समाधान कौशल विकसित करने में सहायक होते हैं.

पेंशन के लिए डीसी से शिकायत

डुमरी (गिरिडीह)। झारखंड आंदोलनकारी राजकमल महतो ने उपायुक्त को डुमरी अंचल कार्यालय से बकाया पेंशन न मिलने के संबंध में एक आवेदन दिया है. आवेदन में लिखा है कि जिला कार्यालय से अंचल कार्यालय में आंदोलनकारियों के बकाया पेंशन एरियर की राशि भेजी गई थी, उसके बावजूद उन्हें भेजी गई राशि नहीं मिली. राजकमल महतो ने बताया कि वह एक हृदय रोगी हैं और उनका इलाज रांची से चल रहा है. उन्हें उम्मीद थी कि पेंशन की राशि मिल जाने से उनके इलाज में मदद मिल जाती.

अमित ने किया यूजीसी नेट जेआरएफ क्वालीफाई

कसमार। कसमार प्रखंड के गोरियाकुदर निवासी अमित कुमार महतो ने खोरठा भाषा में यूजीसी नेट जून 2025 परीक्षा में नेट और जेआरएफ क्वालीफाई कर राज्य का नाम रोशन किया है. यह उपलब्धि खोरठा भाषा के विकास में मील का पत्थर मानी जा रही है. एक साधारण पृष्ठभूमि से आए अमित, जो वर्तमान में रांची विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर के छात्र हैं, 'झारखंड ऑनलाइन उर्मिला भारती क्लासेस' के संस्थापक भी हैं और ग्रामीण छात्रों को निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराते हैं. उनकी सफलता से क्षेत्र में खुशी का माहौल है.

सेवा शिविर का डीसी और एसपी ने किया निरीक्षण

पौड़ेयाहाट। प्रखंड अंतर्गत हंसडीहा-भागलपुर मुख्य मार्ग पर ग्राम कमराडोल में कांवरियों की सेवा के लिए लगाए गए शिविर का उपायुक्त अंजलि यादव, पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सहित अन्य अधिकारियों की टीम ने निरीक्षण किया. उपायुक्त ने बताया कि यह शिविर कांवरियों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जहां वे यात्रा के दौरान आराम कर सकते हैं, भोजन कर सकते हैं और अपनी यात्रा जारी रखने के लिए आवश्यक चीजें प्राप्त कर सकते हैं. इसके साथ ही, गर्म पानी, दवा सहित अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं. कांवरियों के लिए सभी सुविधाएं निःशुल्क हैं. जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किए गए हैं. पुलिस अधीक्षक ने शिविर के कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि समाज में ऐसे कार्य करने से सम्मान और प्रतिष्ठा मिलती है, क्योंकि पीड़ित मानवों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य होता है.

सड़क पर बना गड्ढा, आजसू ने दी आंदोलन की चेतावनी

शुभम संदेश। तिसरी (गिरिडीह)

तिसरी प्रखंड मुख्यालय के बीच सड़क पर बना एक बड़ा गड्ढा अब लोगों के लिए सिरदर्द बन गया है. इस गड्ढे का आकार लगातार बढ़ रहा है, जिससे आवागमन करने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों ने कई बार इसे भरवाने की मांग की, लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक पदाधिकारी या विभाग ने इस ओर ध्यान नहीं दिया. मंगलवार को आजसू के जिला उपाध्यक्ष अशोक सिंह ने इसी गड्ढे में बैठकर विरोध जताया. उन्होंने कहा कि प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सामने बीच सड़क पर हुए इस गड्ढे में रोजाना लोग गिर रहे हैं और पदाधिकारी चुपचाप देख रहे हैं. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इसकी मरम्मत नहीं करवाई गई तो आजसू आंदोलन करेगी. आपको बता दें कि यह सड़क बिहार से लेकर बंगाल तक जाने वाली मुख्य सड़क है, जिससे रोजाना हजारों वाहनों का आवागमन होता है. इस गड्ढे में आए दिन कोई न कोई गाड़ी फंस जाती है. बीते 24 जून को स्थानीय विधायक सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी भी एक आंदोलन के दौरान यहां से पैदल गुजरे थे. उन्होंने फोन कर विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को सड़क की मरम्मत करने को कहा था, लेकिन विभागीय पदाधिकारियों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण यह गड्ढा दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही गया. अब तक कई लोग इसके कारण दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं. हालांकि, फोन पर पूछे जाने पर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर रामविलास सिंह ने कहा कि विभाग के जेई ने निरीक्षण कर लिया है और दो दिनों के भीतर गड्ढे को भर दिया जाएगा.

दो साल से लटका है काम, अधूरी सड़क पर हो रहे हादसे

गावां (गिरिडीह)। पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित गावां-पटना मुख्य मार्ग का निर्माण कार्य गावां-पटना पुल के पास अधूरा पड़ा हुआ है, जो स्थानीय लोगों के लिए परेशानी और दुर्घटनाओं का सबब बनता जा रहा है. करीब 300 मीटर लंबा यह अधूरा हिस्सा जमीन विवाद के कारण रुका हुआ है. स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि उक्त जमीन उनकी निजी है और मुआवजा दिए बिना सड़क निर्माण नहीं होने देंगे. मुआवजा न मिलने के कारण सड़क निर्माण का काम पिछले दो वर्षों से ठप है.

जानलेवा बन चुकी है अधूरी सड़क : इस अधूरे मार्ग पर तीन-चार फीट गहरे गड्ढे हो चुके हैं, ख़ासकर बारिश के मौसम में जब गड्ढों में पानी भर जाता है, तो उनका अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है. छोटे वाहन और दोपहिया चालकों के लिए यह मार्ग बेहद खतरनाक बन गया है. प्रतिदिन सैकड़ों हल्के व भारी वाहन इसी अधूरी सड़क से गुजरते हैं, जिससे हालात और भी बदतर हो चुके हैं. स्थानीय ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने राज्य सरकार व केंद्र सरकार से मांग की है कि इस विवाद का शीघ्र समाधान कर इस अधूरे मार्ग का निर्माण पूर्ण कराया जाए.

हंसडीहा में आभूषण निर्माता के घर सात लाख की डकैती

खास बातें

- नौ अपराधियों ने देर रात करीब एक बजे धावा बोला
- देसी कट्टा और चाकू से लैस थे सभी अपराधी

शुभम संदेश। दुमका

ज़िले के हंसडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत हथगड़ शीतला मंदिर रोड मोहल्ले में सोमवार रात एक आभूषण निर्माता के घर डकैती की वारदात को अंजाम दिया गया. यह घटना रात करीब एक बजे हुई. गृह स्वामी संजीव कुमार के अनुसार अपराधी 9 की संख्या में थे. कुछ के हाथों में देशी कट्टा था, जबकि कुछ के हाथों में धारदार चाकू थे. संजीव कुमार ने बताया कि अपराधियों ने घर के अंदर घुसकर सभी सदस्यों को बंधक बना लिया और उनके साथ मारपीट भी की. संजीव हंसडीहा हटिया गली स्थित दुर्गा मंदिर के पास 'संतोषी ज्वेलर्स' नाम से एक दुकान किराए पर चलाते हैं, जहाँ वे सोने-चाँदी के नए और पुराने जेवर बनाते और बेचते हैं. वे रात होने पर नए और पुराने आभूषण अपने घर ले जाया करते थे. आशंका जताई जा रही है कि डकैतों को इसकी पुख्ता जानकारी थी और इसी आधार पर उन्होंने इस घटना को अंजाम दिया. गृह स्वामी संजीव ने बताया कि डकैती में उनके अपने जेवरों के अलावा, ग्राहकों के पुराने जेवर भी थे जिन्हें नया रूप दिया जाना था. अनुमान है कि नए और पुराने आभूषण मिलाकर लगभग सात लाख रुपये के होंगे. सभी अपराधी वारदात को अंजाम देने के बाद रेलवे लाइन की ओर पैदल ही फरार हो गए. पुलिस सभी बिंदुओं पर जाँच कर रही है.

बलबड्डा थाना को मिला नया भवन, मंत्री ने किया उद्घाटन

गोड्डा (शुभम संदेश)। बलबड्डा थाना को अब अपना नया भवन मिल गया है. नवनिर्मित और सुविधा संपन्न इस भवन में पुलिस से जुड़ी सारी चीज़ें एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी. प्रदेश की ग्रामीण विकास मंत्री सह महगामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने घोरीकित्ता स्थित फील्ड के समीप बने बलबड्डा के इस नवनिर्मित थाना भवन का विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया. उद्घाटन के बाद मंत्री श्रीमती सिंह ने कहा कि अब जनसुरक्षा और सशक्त होगी. उन्होंने इसे क्षेत्र में बेहतर कानून-व्यवस्था स्थापित करने और नागरिकों को त्वरित एवं सुगम पुलिस सहायता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया. मंत्री ने कहा कि थाना का यह नया परिसर जनहित, सुरक्षा और जवाबदेही के प्रति सरकार की सोच को और मजबूत करता है और यह सेवा तथा सुरक्षा को लेकर एक नए युग की ओर एक ठोस कदम है. नए भवन में कार्य करने की अनुकूल जगह के अलावा पुलिसकर्मियों के रहने की भी व्यवस्था है. इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार, एसडीपीओ महगामा चंद्रशेखर आजाद के अलावा पुलिस विभाग के अन्य कई अधिकारी उपस्थित थे.

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी दर्जनों शिकायतें

शुभम संदेश। गिरिडीह

उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया. इस दौरान उपायुक्त रामनिवास यादव ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए दर्जनों लोगों से मिलकर उनकी व्यक्तिगत और सामाजिक समस्याएँ सुनीं. जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को आगे बढ़ाते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए. लोगों ने बारी-बारी से अपनी विभिन्न समस्याओं को उपायुक्त के सामने रखा. इस दौरान कई समस्याओं का मौके पर ही निष्पादन भी किया गया. उपायुक्त ने सभी आवेदकों की समस्याओं को सहजता, संवेदनशीलता और गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया. उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें ताकि आमजन को राहत मिल सके.

डीसी ने बताया जनता दरबार का उद्देश्य : उपायुक्त रामनिवास यादव ने बताया कि मंगलवार और शुक्रवार के अलावा भी आमजन अपनी समस्याओं को लेकर समाहरणालय आ सकते हैं और संबंधित विभाग को अपना आवेदन दे सकते हैं, उनके आवेदन का त्वरित निराकरण किया जाएगा. उन्होंने कहा कि जनता दरबार आमजन से सीधे संवाद का माध्यम है. इसका उद्देश्य लोगों की वास्तविक समस्याओं को सुनना और उन्हें त्वरित समाधान प्रदान करना है. हमारा प्रयास है कि जिला प्रशासन हर नागरिक तक प्रभावी ढंग से पहुँचे और विश्वास का वातावरण बने. गौरतलब है कि समाहरणालय में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया जाता है, जिसमें जिलेवासी उपायुक्त से मिलकर अपनी समस्याएँ साझा करते हैं तथा उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण भी किया जाता है. उपायुक्त ने कहा कि जन समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निष्पादन और प्रभावी समाधान करना ही जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य है.

डीडीसी ने सुनी 41 शिकायतें

दुर्घटनाग्रस्त युवक से मिलने उनके कार्यालय पहुंचीं

शुभम संदेश। बोकारो

आमलोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान और गुड गवर्नेंस की प्रतिबद्धता के तहत मंगलवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने आमलोगों की समस्याओं पर सुनवाई की. इस मौके पर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आए 41 से अधिक लोगों ने विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए. डीडीसी ने सभी आवेदनों को गंभीरतापूर्वक सुना और कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को अविलंब जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

दुर्घटनाग्रस्त युवक की पीड़ा पर डीडीसी की संवेदनशीलता : जनता दरबार के दौरान एक विशेष मामला रेलवे कॉलोनी, चास के दुर्घटनाग्रस्त युवक कृष्णकांत महतो से संबंधित सामने आया. उनके मित्रों ने उपस्थित होकर बताया कि दुर्घटना के कारण कृष्णकांत चलने-फिरने में असमर्थ हैं और वे सीढ़ी चढ़कर ऊपर नहीं आ सकते, इसलिए अपनी समस्या स्वयं नहीं रख पा रहे हैं. इस पर डीडीसी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए कहा कि वे स्वयं युवक से मिलने जाएँगी. जनता दरबार के उपरांत, डीडीसी समाहरणालय के निचले तल्ले पर पहुंचीं और कृष्णकांत से भेंट कर उनकी समस्याएँ सुनीं. उन्होंने मौके से ही सदर अस्पताल के उपाधीक्षक एवं चिकित्सकीय टीम को निर्देश दिया कि समन्वय स्थापित कर कृष्णकांत को बेहतर इलाज और समुचित चिकित्सकीय सुविधा तत्काल मुहैया कराई जाए. उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन हर जरूरतमंद और असहाय व्यक्ति के साथ हैं और जिले में सेवा भाव ही प्रशासनिक मूल मंत्र है. जनता दरबार में डीपीएलआर निदेशक मेनका, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पीयूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे.

डीडीसी ने किया फसल बीमा जागरुकता रथ को रवाना

शुभम संदेश। बोकारो

समाहरणालय परिसर से उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया और सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह ने बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (बी-पीएमएफबीवाई) खरीफ 2025 में जिले के शत-प्रतिशत किसानों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. यह रथ जिले के दोनों अनुमंडल क्षेत्र, चास और बेरमो के विभिन्न प्रखंडों/पंचायत क्षेत्रों का भ्रमण कर किसानों को बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभ और उद्देश्य के प्रति जागरूक करेगा. इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि सरकार ने किसानों की सहूलियत और उनके आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए खरीफ वर्ष 2025 के लिए बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (बी-पीएमएफबीवाई) लॉन्च की है. उन्होंने जिले के किसानों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ लेने के लिए आगामी 31 जुलाई तक अपना बी-पीएमएफबीवाई में नामांकन कराएँ. किसान नामांकन और योजना की अधिक जानकारी के लिए बैंक शाखा, सीएससी, बीमा कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं. इसके अलावा, वे https://pmfby.gov.in/farmer और www.pmily.gen.in पर भी जा सकते हैं.

एक रुपया टोकन पर मिलेगा बीमा का लाभ : जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि किसानों को क्षतिपूर्ति राशि धान के लिए 81,291.40 प्रति हेक्टेयर और मक्का के लिए 50,767.20 प्रति हेक्टेयर निर्धारित है. किसान केवल 1 रुपया के टोकन मनी पर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं, बीमा के लिए अलग से कोई प्रीमियम देय नहीं है. उन्होंने यह भी बताया कि फसल बीमा के लिए किसान को आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति, भूमि स्वामित्व संबंधी प्रपत्र, बटाई प्रमाण पत्र (बटाईदार कृषक होने पर नोटराइज्ड), फसल बुवाई प्रमाण पत्र (स्वसत्यापित), मोबाइल नंबर आदि प्रस्तुत करना होगा. किसान योजना से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए जिला सहकारिता पदाधिकारी कार्यालय और अपने नजदीकी प्रखंड कार्यालय या कृषि रक्षक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क कर सकते हैं.

न्यूज अपडेट

डोभा में डूबने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत

गिरिडीह (शुभम संदेश)। गिरिडीह के बिरनी थाना क्षेत्र के पंडनाकला गांव में एक डोभा में डूबने से 10 वर्षीय आनंद यादव की मौत हो गई। मृत बच्चे के पिता और परिजनों को जब आनंद के डूबकर मरने की सूचना मिली, तो घर में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, 10 वर्षीय आनंद यादव घर से कुछ दूरी पर खेत के समीप जामुन तोड़ने गया हुआ था। जामुन के पेड़ के पास ही गाँव के निखिल बंसल ने अपने पोल्ट्री फार्म के लिए एक डोभा खुदवाया था, ताकि उसे पानी मिल सके। लेकिन, निखिल द्वारा डोभा के आसपास कोई बैरिकेडिंग नहीं की गई थी। बताया गया कि आनंद जामुन तोड़ने के लिए पेड़ पर चढ़ने का प्रयास कर रहा था कि तभी उसका पैर फिसल गया और वह सीधे डोभा के गहरे पानी में चला गया। इस दौरान जब गांव में शोर मचा, तो लोगों की भीड़ जुटी और बच्चे को किसी तरह बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक आनंद यादव की मौत हो चुकी थी। इधर, जानकारी मिलने के बाद बिरनी थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और जांच की। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

दंत चिकित्सक के साथ मारपीट, चाचा गिरफ्तार

धनवार (शुभम संदेश)। धनवार के गांधी चौक निवासी दंत चिकित्सक डॉ. धीरज कुमार ने मंगलवार को धनवार थाना में अपने चचेरे चाचा के खिलाफ मारपीट और वाहन क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाते हुए एक आवेदन दिया है। इस घटना का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें धीरज का वाहन चाचा द्वारा क्षतिग्रस्त और मारपीट करते हुए दिखाया गया है। दिए गए आवेदन में डॉ. धीरज ने बताया कि सोमवार देर शाम को वह अपने क्लिनिक से घर के सामने अपनी डिजायर वाहन से जैसे ही पहुँचे, उनके चचेरे चाचा रंजीत कुमार ने ईंट से उनके वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। जब वह वाहन से घर जाने के लिए निकले, तो रंजीत ने उन पर धारदार हथियार से वार किया और लात-घूँसे चलाए, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। धीरज ने यह भी बताया कि उनके चाचा रंजीत ने पहले भी तीन-चार बार उनके और उनके परिवार के साथ मारपीट कर उन्हें जख्मी किया है, और इस संबंध में वह पहले भी थाने में आवेदन दे चुके हैं। इस बाबत थाना प्रभारी सतेंद्र पाल से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि आवेदन प्राप्त हो गया है। कांड संख्या 196/2025 दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पिछड़ा आयोग अध्यक्ष का झामुमो ने किया स्वागत

बोकारो (शुभम संदेश)। झारखंड प्रदेश के पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव का बोकारो आगमन पर बोकारो परिसदन में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया. केंद्रीय सदस्य सह बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और उन्हें जिले की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया. मंटू यादव ने विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया. पिछड़ा आयोग अध्यक्ष जानकी यादव ने कहा कि आयोग से जुड़े हुए सभी लंबित मामलों का जल्द से जल्द निष्पादन किया जाएगा. कार्यक्रम में मुख्य रूप से महानगर उपाध्यक्ष संजय केजरीवाल, आलोक सिंह, प्रवक्ता राकेश सिन्हा, कोषाध्यक्ष मिथुन मंडल, युवा मोर्चा अध्यक्ष रणधीर कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष फ़िरदोष नूरी, व्यावसायिक मोर्चा अध्यक्ष ज्योति प्रकाश द्विवेदी, चास नगर अध्यक्ष प्रमोद कुमार तापड़िया, सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे.

पुलिस निरीक्षक का प्रभार प्रदीप कुमार दास ने संभाला

जमुआ (शुभम संदेश)। जमुआ अंचल पुलिस निरीक्षक का प्रभार मंगलवार को प्रदीप कुमार दास ने ग्रहण किया. उन्हें यह प्रभार पुलिस निरीक्षक रोहित कुमार महतो ने सौंपा. प्रदीप कुमार दास पूर्व में भी 2020 से 2022 तक के कार्यकाल में जमुआ थाना प्रभारी के पद पर कार्यरत रहे हैं और उनके उस कार्यकाल की जमुआ के सभी राजनीतिक दलों और आमजनों ने सराहना की थी. उनके पुनः पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रभार लेने पर एसडीपीओ खोरीमहुआ राजेंद्र प्रसाद के अलावा जमुआ पुलिस अंचल के अंतर्गत आने वाले तमाम थाना प्रभारी और पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे. इस दौरान राजनीतिक दलों के नेताओं, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय बुद्धिजीवियों ने उनसे मुलाकात कर और कुछ लोगों ने फोन के माध्यम से उनका स्वागत किया. खोरीमहुआ एस.डी.पी.ओ. राजेंद्र प्रसाद ने प्रदीप कुमार दास को प्रभार ग्रहण करने पर बधाई दी. पत्रकारों से बात करते हुए प्रदीप कुमार दास ने कहा कि वे क्षेत्र की विधि-व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखेंगे.

सहायक अध्यापकों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

डुमरी (शुभम संदेश)। सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा की राज्य इकाई के निर्देशानुसार सहायक अध्यापकों ने विधायक जयराम महतो की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधियों, बैजनाथ महतो, बिरजू महतो और राजेंद्र महतो को किसान भवन में एक ज्ञापन सौंपा. यह ज्ञापन मोर्चा के गिरिडीह जिलाध्यक्ष डीलचंद महतो और डुमरी प्रखंड अध्यक्ष बिनोद प्रसाद महतो के नेतृत्व में दिया गया. ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि विधानसभा चुनाव 2019 के दौरान हेमंत सोरेन ने सार्वजनिक सभाओं में और झामुमो के घोषणा पत्र में सहायक अध्यापकों से वादा किया था कि सरकार बनने के 3 महीने के भीतर पारा शिक्षकों को वेतनमान दिया जाएगा, लेकिन यह घोषणा सिर्फ घोषणा ही रह गई. मोर्चा के 20 वर्षों के संघर्ष के बावजूद, उन्हें सिर्फ एक नियमावली मिली, जिससे मानदेय में 40 से 50 फीसदी की वृद्धि हुई. झारखंड के सहायक अध्यापक विगत 25 वर्षों से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं. ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि सहायक अध्यापकों की समस्याओं का निदान विधानसभा सत्र से पहले नहीं हुआ तो 4 से 7 अगस्त 2025 तक विधानसभा का घेराव किया जाएगा. साथ ही, यदि माँगें पूरी नहीं हुईं तो बाध्य होकर 5 सितंबर 2025 (शिक्षक दिवस) के अवसर पर झारखंड के समस्त सहायक अध्यापक रांची में एकत्रित होकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे.

डॉ. पूनम रानी और काउंसलर पूजा सिंह सम्मानित

पौड़ेयाहाट (शुभम संदेश)। परिवार नियोजन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पौड़ेयाहाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थापित चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. पूनम रानी और काउंसलर पूजा सिंह को दुमका में आयोजित एक कार्यक्रम में उपायुक्त के हाथों सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम में चिकित्सा जगत के कई जाने-माने लोग जुटे थे, जहां स्वास्थ्य विभाग से जुड़े उन कर्मियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य किया था. गोड्डा जिले से डॉ. पूनम रानी और काउंसलर पूजा सिंह को डीसी दुमका के हाथों प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान किया गया. सम्मान पाकर अभिभूत हुईं डॉ. पूनम रानी ने कहा कि वे काफ़ी उत्साहित हैं और ऐसे सम्मान से उन्हें आगे बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है. उन्होंने कहा कि प्रयास होगा कि भविष्य में इससे भी अच्छे से कार्यों को संपादित करूँ. सरकारी अस्पताल में पहुंचने वाले मरीजों को बेहतर चिकित्सीय सुविधा मिले, यह प्रयास हमेशा रहेगा.

दबंगों ने रोका पुलिया का पानी, खेत हुए जलमग्न

महगामा (शुभम संदेश)। गोड्डा जिले के मेहरमा प्रखंड अंतर्गत धनकुड़िया गांव में कुछ दबंगों ने मनमानी करते हुए गांव से पानी निकासी के लिए बने तीन सरकारी पुलों के नालों को मिट्टी डालकर बंद कर दिया है. इससे बारिश के पानी का बहाव रुक गया है और कई किसानों के खेत जलमग्न हो गए हैं. खेतों में ढाई से तीन फीट तक पानी जमा होने से करीब दस बीघा से अधिक उपजाऊ भूमि प्रभावित हुई है, जिससे धान की रोपनी अधर में लटक गई है. किसानों के समक्ष गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है और उनमें आक्रोश है. किसान शिवपूजन यादव ने बताया कि उनकी लगभग पाँच बीघा ज़मीन पानी में डूब गई है और अगर समय रहते पानी की निकासी नहीं हुई तो धान की रोपाई नहीं हो पाएगी, जिससे पूरे साल अनाज का संकट हो जाएगा. किसान मनजीत यादव ने इसे भयावह स्थिति बताते हुए कहा कि खेती का समय निकला जा रहा है और प्रशासन को तत्काल पहल कर खेतों से पानी निकालने की व्यवस्था करनी चाहिए. ग्रामीणों द्वारा पूरे मामले की जानकारी मेहरमा प्रखंड के अंचलाधिकारी को दिए जाने के बाद, उनके आदेश पर तत्काल राजस्व कर्मचारी और अंचल निरीक्षक ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया. अंचलाधिकारी ने भरोसा दिलाया है कि समस्या का समाधान निकाला जाएगा और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी.

बाल संसद का गठन, गौतम महतो बने प्रधानमंत्री

डुमरी (शुभम संदेश)। हर साल की तरह, इस नए सत्र में पीएनडी जैन उच्च विद्यालय के बाल संसद का गठन मंगलवार को विद्यालय की वार्षिक बैठक में किया गया. विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार जैन के निर्देशानुसार, बाल संसद प्रभारी और खेल शिक्षक दयानंद कुमार की देखरेख में विद्यालय में उपस्थित 660 विद्यार्थियों ने सबसे पहले बाल संसद सदस्य के लिए मतदान किया. मतदान द्वारा चयनित 12 सदस्यों और अन्य मतदाताओं ने सर्वसम्मति से दसवीं कक्षा के छात्र गौतम महतो को प्रधानमंत्री पद के लिए चुना. दसवीं की छात्रा कोमल कुमारी उप-प्रधानमंत्री और सृष्टि मंडल बाल संसद की अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुईं.

ब्रीफ खबरें

ट्रिपल टेस्ट के तहत किया वार्ड का दौरा

धनबाद। पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव तथा आयोग के सदस्य नरेश वर्मा एवं लक्ष्मण यादव की उपस्थिति में ट्रिपल टेस्ट के तहत मंगलवार को वार्ड नं 10, 30 एवं 31 का दौरा किया. इस दौरान आयोग ने वार्ड नं 10, 30 एवं 31 अंतर्गत बूथ क्रमांक 258, 259, 260, 262, 263, 264, 265, 266, 267 में ट्रिपल टेस्ट के तहत बीसी 1 एवं बीसी 2 का किए गए सर्वेक्षण के प्रपत्र एवं स्थलीय जांच की. इसके बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए. मौके पर बीसी 1 एवं बीसी 2 के नोडल पदाधिकारी सह जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, धनबाद अंचल के अंचल अधिकारी शशिकांत सिंकर व पुटकी अंचल के अंचल अधिकारी विकास आनंद मौजूद थे.

कोयला क्षेत्र में भारतीय मजदूर संघ करेगा चरणबद्ध आंदोलन

24 जुलाई से 15 सितंबर तक बीसीसीएल के खिलाफ आंदोलन की बनायी रणनीति

शुभम संदेश। धनबाद

भारतीय मजदूर संघ की औद्योगिक इकाई अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ ने केंद्र सरकार और कोल इंडिया की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ कोयला उद्योग में कार्यरत श्रमिकों की समस्याओं को लेकर 24 जुलाई 2025 से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है. इस सिलसिले में धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ ने बीसीसीएल में आंदोलन को सफल बनाने के लिए एक बैठक आयोजित की. जिसमें प्रेस वार्ता कर पोस्टर विमोचन किया. बैठक की अध्यक्षता मुरारी ताँती ने की और संचालन महामंत्री उमेश कुमार सिंह ने किया. आंदोलन की रणनीति के तहत पहला चरण 24 से 31 जुलाई 2025 तक चलेगा. बीसीसीएल मुख्यालय और सभी कोलियरी, परियोजनाओं, वाशरियों व चिकित्सालयों के मुख्य द्वार पर गेट मीटिंग होगी. दूसरा चरण 5 से 14 अगस्त 2025 तक जनसंपर्क और जनजागरण अभियान के रूप में होगा. तीसरा चरण 25 अगस्त से 5 सितंबर 2025 तक नुक्कड़ सभा, पब्लिक मीटिंग और प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ चलेगा. चौथा चरण 15 सितंबर 2025 को बीसीसीएल के सभी क्षेत्रीय मुख्यालयों पर एकदिवसीय धरना और प्रदर्शन के रूप में होगा. यदि प्रबंधन ने समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो और तीव्र आंदोलन किया जाएगा. महामंत्री उमेश कुमार सिंह ने कहा कि यह आंदोलन कोयला उद्योग और श्रमिकों के अस्तित्व की रक्षा के लिए है. सरकार की नीतियां मजदूरों के हितों के खिलाफ हैं, जिसे भारतीय मजदूर संघ बर्दाश्त नहीं करेगा. संगठन ने नियमित कर्मचारियों की भर्ती, उत्पादन में उनकी 50% भागीदारी, ठेका मजदूरों को एचपीसी वेतन, सामाजिक सुरक्षा, आवास, जॉब सुरक्षा, बोनस, खदानों में सुरक्षा नियमों का पालन, सीएमपीएफ का सुव्यवस्थित संचालन, सेवानिवृत्त कर्मियों को न्यूनतम 1000 रुपये पेंशन, मल्टी-स्पेशालिटी अस्पताल, कैशलेस इलाज, एकसमान सदस्यता सत्यापन, प्रशासनिक सुधार, माइनिंग संवर्ग में पदोन्नति नीति सुधार, एमडीओ/आउटसोर्सिंग पर रोक, महिला सशक्तिकरण के लिए सुविधाएं, एकसमान भूमि अधिग्रहण नीति और नियमित जेसीसी/वेलफेयर/सेफ्टी बोर्ड बैठकें जैसी मांगें उठाई हैं. उमेश कुमार सिंह ने बीसीसीएल के सभी श्रमिकों से 24 जुलाई से 15 सितंबर तक के आंदोलन में एकजुट होकर भाग लेने की अपील की. बैठक में संघ के मंत्री केके सिंह, बीएमएस धनबाद जिला के मंत्री धर्मजीत चौधरी, माधव सिंह, सुशील कुमार सिंह, गंगा सागर राय सहित धकोकसं के अन्य पदाधिकारी और क्षेत्रीय प्रभारी मौजूद थे.

फाइनेंस कंपनी के कर्मी की जालसाजी, डीसी से शिकायत

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन ने मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनी. समस्या का समाधान करने के लिए उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया. जनता दरबार में झरिया से आए एक व्यक्ति ने बताया कि उन्होंने एक फाइनेंस कंपनी से जीविकाउपार्जन के लिए टेंपो फाइनेंस कराया था. नियमित रूप से किस्त भी भरता था, जिसकी रसीद उनके पास है. इसी बीच फाइनेंस कंपनी ने बकाया किस्त बताकर टेंपो अपनी शाखा में जमा कर दिया. जब पीड़ित ने किस्त की रसीद दिखाई तो फाइनेंस कंपनी ने कहा कि जिस शाखा कर्मी ने किस्त की रकम प्राप्त की है, उसने ब्रांच में रकम जमा नहीं कराई है. उस कर्मी को ब्रांच द्वारा हटा दिया गया है तथा उसने जलसाजी की है. मामले पर त्वरित संज्ञान लेकर उपायुक्त ने अग्रणी जिला प्रबंधक को इसकी विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया. एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि वह धनसार की एक कंपनी में विगत 18 वर्षों से काम कर रहे हैं. कंपनी ने उनका 3 साल का प्रोविडेंट फंड बकाया रखा है. जनता दरबार में म्यूटेशन के लंबित मामले, प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य मामले प्राप्त हुए. जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद मौजूद थे.

राज सिन्हा ने की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

- प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित

शुभम संदेश। धनबाद

विधायक राज सिन्हा द्वारा पतराकुल्ही सामुदायिक भवन परिसर में सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की गई. यह कार्यक्रम महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. मौके पर विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान से प्रेरित होकर हम निरंतर प्रयासरत हैं कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचे. विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में यह हमारी प्राथमिकता है. इस अवसर पर किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिल सिन्हा, मनाईटांड़ मंडल अध्यक्ष संजय कुशवाहा, पूर्व मंडल अध्यक्ष मौसम सिंह, शीशम राउत, निर्मल प्रधान, रामाशीष चौहान सहित कई अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे. कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ये सिलाई मशीनें उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगी और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करेगी. धनबाद विधायक राज सिन्हा द्वारा पतराकुल्ही सामुदायिक भवन परिसर में सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की गईं.

पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष ने की समीक्षा

शुभम संदेश। धनबाद

पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव की अध्यक्षता में तथा आयोग के सदस्य नरेश वर्मा एवं लक्ष्मण यादव की उपस्थिति में मंगलवार को सर्किट हाउस में पिछड़ा वर्ग से संबंधित विभिन्न मामलों की समीक्षा की गई. समीक्षा के बाद अध्यक्ष ने कहा कि जिले में पिछड़े वर्गों के आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं राजनीतिक स्थिति का अध्ययन करने के लिए टीम धनबाद आई है. बैठक के दौरान टीम ने जिले में संपन्न डोर टू डोर सर्वे, कार्यालय में आउटसोर्सिंग के माध्यम से हुई नियुक्ति में आरक्षण का लाभ व प्रावधान की स्थिति, पिछड़ा वर्ग के नागरिकों के जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र के लंबित आवेदनों की समीक्षा की. साथ ही टीम ने प्राकृतिक आपदा से होने वाली मृत्यु में पिछड़ा वर्गों के व्यक्तियों को दिए गया मुआवजा, नॉन क्रीमी लेयर (एनसीएल) प्रमाण पत्र के लंबित आवेदन, शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में नामांकन, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना में पिछड़ा वर्ग के लाभुकों की संख्या, मत्स्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में पिछड़े वर्गों के लाभुकों सहित अन्य बिंदुओं की समीक्षा की.

बैठक में जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, सहायक नगर आयुक्त प्रकाश कुमार, प्रभारी जिला कल्याण पदाधिकारी नियाज अहमद, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, कार्यपालक दंडाधिकारी नारायण राम, सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल के अंचल अधिकारी व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

64वीं राज्य स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता

स्टेट चैंपियन बनी धनबाद की टीम को डीसी ने किया सम्मानित

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन ने 64वीं राज्य स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में स्टेट चैंपियन बनी धनबाद की टीम को मंगलवार को सम्मानित किया. उपायुक्त ने सभी खिलाड़ियों की नेशनल प्रतियोगिता में भी चैंपियन बनने के लिए हौंसला अफजाई की. उन्होंने टीम के सभी खिलाड़ियों को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया. मौके पर उपस्थित जिला शिक्षा पदाधिकारी ने उपायुक्त को बताया कि पीएम बीटीएम हाई स्कूल, मलकेरा ने जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था. इसके बाद रामगढ़ में आयोजित प्रमंडलीय प्रतियोगिता में धनबाद की टीम ने हजारीबाग की टीम को हराया. इसके बाद 19 जुलाई को रांची में आयोजित अंडर 17 बालक वर्ग की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में धनबाद की टीम ने दुमका को 2-0 से हराकर विजय प्राप्त की. अब टीम बेंगलुरु में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में खेलने के लिए तैयारी कर रही है. मौके पर डीइओ अभिषेक झा, एडीपीओ आशीष कुमार, टाटा स्टील फाउंडेशन के प्रदीप नियोगी, विद्यालय के प्राचार्य जय होरो, टीम के कप्तान जॉन कुमार तथा टीम के सदस्य विश्वजीत कुमार, अंकित कुमार, रोहित कुमार, दीपक कुमार, बसंत कुमार, सुजल कुमार, बबलू कुमार, प्रिंस चौहान, प्रशांत दिगर, आकाश कुमार, अभय कुमार तथा रघुनंदन बाउरी मौजूद थे.

आसनसोल

तमिलनाडु से लाया गया रामदास का पार्थिव शरीर

शुभम संदेश। पुरुलिया

पेट की आग बुझाने के लिए दूसरे राज्य काम करने गए रामदास सोरेन का शव करीब दो महीने बाद घर लौटा, तो पूरे परिवार में कोहराम मच गया. रामदास (35) पुरुलिया शहर के निवासी थे और अपने बुजुर्ग माता-पिता, पत्नी तथा दो बेटियों के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे.

इलाके में रोजगार नहीं मिलने के कारण रामदास कुछ महीने पहले तमिलनाडु चले गए थे. लेकिन बीते बुधवार को एक फोन कॉल ने परिवार को स्तब्ध कर दिया. फोन पर बताया गया कि रामदास की अचानक मौत हो गई है. मंगलवार रात जब ताबूत में बंद उनका शव घर पहुंचा, तो दोनों बेटियां पिता के निर्जीव शरीर से लिपट कर बिलख उठीं. माँ-बाप स्तब्ध होकर बेटे का चेहरा निहारते रह गए और पत्नी बेसुध हो गई. रामदास के पिता गुरुपद सोरेन के अनुसार, काम के दौरान खाना बनाते समय रामदास की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी. स्थानीय लोग उसे अस्पताल ले गए, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई. फिलहाल मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है. परिवार और मोहल्ले में शोक की लहर है.

प. बंगाल में प्रदूषण नियंत्रण के लिए पीएम की घोषणा से लोगों में राहत

रघुनाथपुर डीवीसी थर्मल पावर प्लांट

700 करोड़ रु. से लगेगा फ्लू गैस सल्फराइजेशन प्रणाली

शुभम संदेश। पुरुलिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल में प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक बड़ा कदम उठाया है. पुरुलिया ज़िले के रघुनाथपुर थर्मल पावर प्लांट में प्रदूषण रोकने और लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए विशेष पहल की गई है. दुर्गापुर की अपनी राजकीय यात्रा के दौरान, उन्होंने रघुनाथपुर डीवीसी थर्मल पावर प्लांट में लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत वाली अत्याधुनिक फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) प्रणाली का वर्चुअल उद्घाटन किया. उल्लेखनीय है कि यह अत्याधुनिक फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन प्रणाली न केवल स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करने में सहायक होगी, बल्कि ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाले प्रदूषण को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. ताप विद्युत संयंत्रों में कोयला जलाने से निकलने वाले धुएं में मौजूद विषाक्त सल्फर डाइऑक्साइड पर्यावरण के लिए खतरनाक है. इस तकनीक का इस्तेमाल उस सल्फर डाइऑक्साइड गैस को अलग करने और हवा को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए किया जाता है. यह अत्याधुनिक फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन एक ऐसी तकनीक है जो जीवाश्म ईंधन के जलने से निकलने वाली फ्लू गैस से सल्फर डाइऑक्साइड को अलग करती है. यह पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

डीवीसी सूत्रों के अनुसार, सरकार औद्योगिक विकास के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को भी महत्व दे रही है. यह परियोजना इसका एक उदाहरण है. अधिकारियों ने आशा व्यक्त की है कि यह परियोजना लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा और पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. परियोजना अधिकारी रविन्द्र कुमार सामल ने बताया कि पर्यावरण अनुकूल यह तकनीक लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई है.

न्यूज अपडेट

टोटो की टक्कर से रेलवे फाटक क्षतिग्रस्त

सालानपुर (शुभम संदेश)। रूपनारायणपुर रेलवे फाटक फिर टोटो की टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे यातायात बाधित हो गई बाद में रेल कर्मचारियों ने फाटक को मैन्युअल रूप से संचालित कर स्थिति को नियंत्रित किया. बीते कुछ महिनों पहले भी टोटो की टक्कर से उक्त गेट क्षतिग्रस्त हो गया था. जानकारी के अनुसार हावड़ा-दिल्ली मुख्य रेल लाइन पर स्थित रूपनारायणपुर स्टेशन से सटे रेल फाटक पर मंगलवार दोपहर 12 बजे ट्रेन आने की सूचना के बाद फाटक बन्द किया जा रहा था, तभी एक टोटो की लापरवाही से ऑटोमेटिक सिस्टम गेट का बूम क्षतिग्रस्त हो गया. घटना के बाद टोटो चालक मौके से फरार हो गया. घटना के बाद उक्त मार्ग पर आवागमन ठप हो गई जिससे लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ा. वही स्थानीय निवासियों की लंबे समय से शिकायत रही है कि रेलवे क्रॉसिंग ट्रेन आने से काफी पहले ही बंद कर दी जाती है और ट्रेन के निकल जाने के बाद भी काफी देर तक फाटक नहीं खोला जाता. इससे लगभग हर दिन भीषण जाम लगता है, जिससे इलाके में जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है. परेशानी से छुटकारा पाने के लिए कई लोग फाटक के बंद होने के दौरान जल्दी से रेलवे लाइन पार करने का जोखिम उठाते हैं, जिससे अक्सर दुर्घटनाएँ होती हैं.

मैथन और पंचेत डैम से छोड़ा पानी, अलर्ट जारी

बराकर (शुभम संदेश)। पिछले दिनों लगातार हो रही बारिश के कारण मैथन डैम एवं पंचेत डैम का जलस्तर बढ़ गया है. जिसको लेकर डीवीसी प्रबंधन की ओर से मंगलवार की सुबह 10.15 बजे मैथन डैम से 35 हजार क्यूसेक एवं पंचेत डैम से 30 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया. इस संबंध में डीवीसी आरआरसी के सदस्य सचिव संजय कुमार ने मैथन एवं पंचेत डैम से छोड़े गए पानी को लेकर एडीएम आसनसोल, मुख्य अभियंता बर्दवान एवं एक्जीक्यूटिव इंजीनियर दुर्गापुर को सूचित किया गया है. मैथन एवं पंचेत डैम से छोड़े गए पानी के कारण बराकर और दामोदर नदी के जलस्तर में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है. बढ़ते जलस्तर के कारण पुलिस की ओर से बराकर नदी दामोदर नदी के किनारे रहने वाले लोगों को चेतावनी दी गई. इन दोनों डैम से पानी छोड़े जाने के कारण बंगाल की सीमा में स्थित विभिन्न नदियों के जलस्तर में भी बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है. कुल्टी पुलिस की ओर से बराकर नदी के किनारे पेट्रोलिंग बढ़ा दी गयी है. लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गयी है.

सेल के निदेशक प्रभारी को भाजपा ने किया सम्मानित

बर्नपुर (शुभम संदेश)। आईएसपी एवं दुर्गापुर स्टील प्लांट्स के नवनियुक्त निदेशक प्रभारी सुरजीत मिश्रा से भाजपा प्रदेश नेता पवन कुमार सिंह ने उनके कार्यालय जाकर सम्मानित किया. इस दौरान उन्होंने निदेशक प्रभारी सुरजीत मिश्रा को उत्तरीय एवं पुष्पगुच्छ देकर शुभकामना देते हुए श्रमिक हित एवं आईएसपी के हित में कार्य करने का आग्रह किया. उन्होंने निदेशक प्रभारी से आईएसपी के आधुनिकीकरण परियोजना को लेकर चर्चा करते हुए बर्नपुर टाउनशिप में विकास तथा समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की भी अपील की. इस मौके पर महेंद्र यादव, महेश साव, अमित कुमार यादव मौजूद थे.

टीएमसी ने कराया आद्रा स्टेशन परिसर में सहभोज

पुरुलिया (शुभम संदेश)। शहीद रैली से सोमवार को आद्रा स्टेशन पर लौटे लोगों के लिए स्टेशन परिसर में तृणमूल ब्लॉक अध्यक्ष तूफान कुमार रॉय द्वारा उनके खाने-पीने की व्यवस्था की गई. उल्लेखनीय है कि 21 जुलाई को कोलकाता के धर्मतला में तृणमूल शहीदों की रैली के लिए पुरुलिया जिले के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में तृणमूल कार्यकर्ता और समर्थक कोलकाता के धर्मतला के लिए रवाना हुए थे. कोलकाता से आद्रा की दूरी काफी लंबी है. लौटने तक स्टेशन परिसर में खाने-पीने की दुकानें बंद हो जाती हैं. जिससे रेल यात्रियों को चिंता होती है. इनमें से कुछ यात्री आद्रा से 10 किलोमीटर दूर, तो कुछ 40 किलोमीटर दूर के हैं. इसको लेकर तृणमूल श्रमिक संगठन के प्रखंड अध्यक्ष तूफान कुमार रॉय ने आद्रा स्टेशन परिसर में घुघनी, मिर्च और पानी की बोतलों के साथ-साथ मूढ़ी की व्यवस्था की. सोमवार की रात उन्होंने ट्रेन से उतरने वाले सभी तृणमूल पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों को भोजन बांटा.

सालानपुर में नाबालिग लापता, पिता से मांगी फिरौती

शुभम संदेश। सालानपुर

पश्चिम बर्धमान जिले के सालानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बासुदेवपुर ग्राम पंचायत की 15 वर्षीय नाबालिग बच्ची के अपहरण का मामला सामने आया है. शनिवार सुबह रूपनारायणपुर ट्यूशन के लिए निकली छात्रा के घर न लौटने के बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली. घटना के बाद लड़की के पिता ने सालानपुर थाने में अज्ञात के खिलाफ अपहरण की शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और नाबालिग की तलाश जारी है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 9:42 बजे नाबालिग को पास के सीसीटीवी फुटेज में चित्तरंजन की ओर जाने वाली मिनी बस में चढ़ते हुए अंतिम बार देखा गया. इसके बाद से उसका मोबाइल फोन स्विच ऑफ है और संपर्क नहीं हो पाया है.

मामला तब और गंभीर हो गया जब सोमवार से नाबालिग के पिता के व्हाट्सएप पर बेटी के नंबर से पापा बचाओ मुझे यहाँ से ले जाओ, मर जाऊंगी जल्दी आओ जैसे संदेश आने लगे. साथ ही नाबालिग की तस्वीरें भेजकर फिरौती की मांग की गई. पीड़ित पिता ने बताया कि उन्होंने फिरौती के तौर पर कुछ पैसे भी ट्रांसफर किए, लेकिन अब तक बेटी का कोई सुराग नहीं मिल सका है. पुलिस मामले की तह तक जाने के लिए नाबालिग के दोस्तों और परिचितों से पूछताछ कर रही है.

इलाके में इस घटना से दहशत का माहौल है.

आर्ट ऑफ़ लिविंग कर रहा ग्रामीण क्षेत्रों को मजबूत

रानीगंज। आर्ट ऑफ़ लिविंग फाउंडेशन पश्चिम बंगाल शाखा ने इस वर्ष राज्य के जनजाति और पिछड़े इलाकों में सत्तत विकास और ग्रामीण सशक्तिकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की है. पर्यावरणीय पहल के तहत 50 हजार सहजन मोरिंगा के पौधे लगाए हैं. जनजाति क्षेत्र में चलाए गए कार्यक्रमों के अंतर्गत 4000 से अधिक लोगों को लाभ हुआ है. जिनमें मेडिकल कैंप ,सांस की तकनीक की कार्यशालाएं, सेनेटरी पैड का वितरण, कैरियर काउंसलिंग और अन्य जागरूकता गतिविधियों शामिल थी. संस्था की ओर से अमित चट्टोपाध्याय, पूर्व भारत के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ने बताया कि विभिन्न जिलों में रोजगार मेले का आयोजन कर ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को अवसर दिया जा रहा है. रामदास भट्टाचार्य राज्य सामान्यक ने कहा कि 60 से अधिक युवाओं को नौकरी, यूथ लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम और 50 घंटे के योग प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, 45 महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

पीठाकियारी अस्पताल में पेड़ की छांव में इलाज

- बदहाल व्यवस्था ने खोली स्वास्थ्य सेवाओं की पोल

शुभम संदेश। आसनसोल

पश्चिम बर्धमान के पीठाकियारी प्रखंड अस्पताल में मंगलवार सुबह का नज़ारा चौंकाने वाला था, जब मरीजों को अस्पताल भवन के अंदर नहीं, बल्कि परिसर में एक पेड़ की छांव में इलाज और दवाइयाँ मिलती दिखीं. दरअसल, अस्पताल के टीबी रोग निवारण विभाग का बिजली का पंखा 17 जुलाई से खराब पड़ा था. भीषण गर्मी और उमस के कारण टीबी जैसे गंभीर रोग से जूझ रहे मरीजों को कमरे में साँस लेने में दिक्कत हो रही थी. मरीजों की परेशानी को देखते हुए विभाग के वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक रक्तिम दे ने उन्हें राहत देने के लिए पेड़ के नीचे इलाज और दवा वितरण का काम शुरू कर दिया. उन्होंने बताया कि इस समस्या की जानकारी कई बार प्रखंड स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विनय रॉय को दी गई, लेकिन जब कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो मजबूरी में पेड़ की छांव को ही वार्ड बना लिया गया. हालांकि दोपहर बाद पंखों की मरम्मत कर दी गई, मगर यह स्थिति सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत को उजागर करती है. राज्य स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के एक नेता ने कटाक्ष करते हुए कहा, बड़े अधिकारी एसी में बैठते हैं, मगर आम मरीज और कर्मचारी गर्मी में तड़पते हैं. पीठाकियारी अस्पताल का यह पेड़ की छांव में इलाज केवल एक घटना नहीं, बल्कि सरकारी अस्पतालों में फैली लापरवाही और अव्यवस्था का प्रतीक है. सवाल यह भी है कि मामूली पंखे की मरम्मत में इतने दिन क्यों लग गए? अगर यही हाल रहा, तो आम जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए पेड़ों की छांव ही सहारा बननी पड़ेगी.

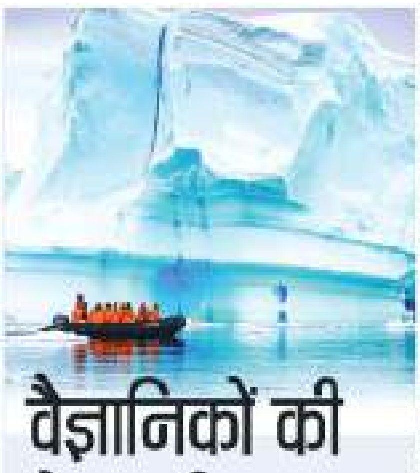

वैज्ञानिकों की चेतावनी, खत्म हो जाएगी आर्कटिक में बर्फ

दुनिया में अक्सर कई डराने वाले अध्ययन सामने आते रहते हैं। अब वैज्ञानिकों ने एक वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन के बाद बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि सिर्फ 10 साल के अंदर आर्कटिक में बर्फ खत्म हो जाएगी। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर में यह अध्ययन किया गया है। इसमें कहा गया है कि गर्मियों के मौसम में भी बर्फ नजर आती है, लेकिन आने वाले कुछ सालों में बर्फ खत्म हो जाएगी। नेचर रिव्यू अर्थ एंड एनवायरमेंट जर्नल में यह अध्ययन प्रकाशित किया गया है। अध्ययन के मुताबिक, जल्द ही आर्कटिक से बर्फ गायब हो जाएगी और यह 10 सालों के अंदर ही होगा। अध्ययन में कहा गया है कि जिस हिसाब से तापमान में वृद्धि हो रही है, वह खतरनाक है। यह नहीं है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने से ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। वैज्ञानिकों ने हर तरह की स्थितियों की जांच की है, जिसके बाद उन्होंने दावा किया कि 10 साल में बर्फ का पिघलना तय है।

उनका कहना है कि इस सदी के मध्य तक आर्कटिक के समुद्र में सितंबर महीने में बर्फ नजर नहीं आएगी। सदी के अंत तक यह कई महीनों तक यह नजारा नहीं दिखेगा। अगर कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन अभी की तरह अधिक हुआ, तो उस स्थिति में भी धरती के उत्तरी क्षेत्र में सर्दियों में भी कम बर्फ नजर आएगी। इसका मतलब यह नहीं है कि बर्फ एकदम नहीं बचेगी। वैज्ञानिक भाषा में अगर आर्कटिक में 10 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ रहती है, तो उसे बिना बर्फ का आर्कटिक कहा जाता है। 1980 में इस क्षेत्र में सबसे कम बर्फ देखी गई थी। हाल के सालों में आर्कटिक में सितंबर के महीने में सबसे कम बर्फ 33 लाख वर्ग किलोमीटर दर्ज की गई थी। वैज्ञानिक एलेक्जेंड्रा जान ने यह अध्ययन किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान, इतिहास और उत्सर्जन के हिसाब से कंप्यूटर मॉडल्स बनाए। इसके बाद उस आधार पर भविष्य में बर्फ की मात्रा का विश्लेषण किया गया। जानकारी मिली कि प्रतिवर्ष अगर 1 वर्ग किलोमीटर बर्फ पिघलती है तो अधिकतम 18 साल में आर्कटिक की बर्फ गर्मियों में समाप्त हो जाएगी। अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन इसी दर से होता रहा है, तो कम से कम 10 साल में ही यह नजारा दिख सकता है। यानी 2030 के दशक में आर्कटिक इलाके में सितंबर के महीने में बर्फ नजर नहीं आएगी। आर्कटिक के जानवरों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ेगा। आर्कटिक सागर गर्म होने पर इलाके में वह मछलियां पहुंच जाएंगी, जो वहां पर नहीं रहती। इससे स्थानीय ईकोसिस्टम पर नई प्रजातियां पहुंच जाएगा। इसका असर कितना होगा, यह पता करना बहुत मुश्किल है। लहरों के तेज टक्कर से मिट्टी का कटना होगा और इससे तटीय इलाका कट-कटकर समंदर में गिरेगा।

दुनिया की सबसे खतरनाक सीढ़ियां

सीढ़ियों से आप रोज चढ़ते-उतरते होंगे. चाहे घर हो या दफ्तर, हर जगह आपको एकदम सीधी और सिंपल सीढ़िया मिलती होंगी. लेकिन अगर हम कहें कि दुनिया में कई जगहें ऐसी है, जहां की सीढ़ियों पर चढ़ने से लोगों की रूह कांप उठती है तो शायद आपको यकीन होगा. लेकिन यह सच है. आज हम आपको दुनिया की 6 सबसे खतरनाक सीढ़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां कलेजा हाथ में रखकर सीढ़ियों पर चढ़ते हैं लोग

कोलंबिया का ग्वाटापे रॉक

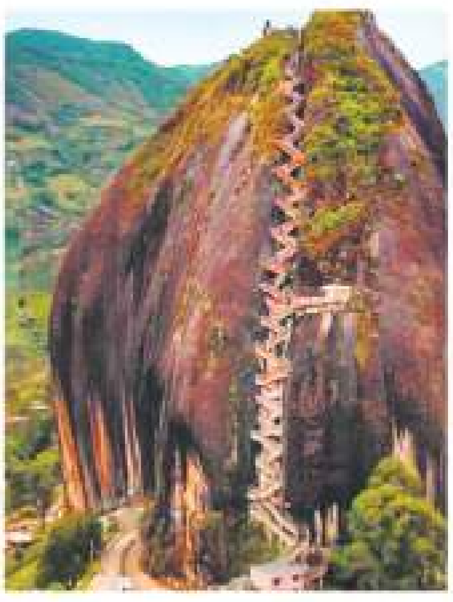

कोलंबिया का ग्वाटापे रॉक 650 फीट से अधिक ऊंची चट्टान में पर चढ़ने के लिए यह 649 सीढ़ियां बनाई गई है, जो बेहद डरावनी है. दरार के बीच में बनी टेढ़ी-मेढ़ी इन सीढ़ियों पर चढ़ना सबके बस की बात नहीं. इसके लिए जिगर चाहिए. इन सीढ़ियों पर चढ़ने से पहले लोगों के पैर कांपने लगते हैं. इस चट्टान को कोलंबियाई सरकार ने राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया हुआ है.

हवाई की हाइकू सीढ़ियां

इन्हें स्वर्ग की सीढ़ी भी कहा जाता है. आम जनता यहां नहीं जा सकती और पैदल यात्रा करना अवैध घोषित किया गया है. फिर भी दर्जनों साहसी लोग हर दिन 2500 फीट की ऊंचाई पर बनी इन 4000 सीढ़ियों पर चढ़ते हैं. इसमें एक ओर मोनालुआ घाटी है तो दूसरी तरफ लाइकलाइक हाईवे और केनोहे है. सीढ़ियां सिर्फ 18 इंच चौड़ी हैं और 30 डिग्री की ढलान है, जो रूह कंपा देती है.

माउंट हुशान की सीढ़ियां, चीन

चीन के शान्क्सी प्रांत में स्थित माउंट हुशान देश के पांच पवित्र पहाड़ों में से एक है. इस पहाड़ पर मनुष्यों द्वारा लकड़ी और लोहे की छोटे-छोटे प्लेट्स से पगडंडियों जैसा रास्ता बनाया गया है. इस पर चलने की हिम्मत वही कर सकता है, जिसका दिल बेहद मजबूत हो. चढ़ाई में खड़ी सीढ़ियां, संकरे रास्ते और तख्ती के रास्ते का एक नेटवर्क है, जिस पर जाना आसान नहीं.

सैन जुआन डे गज़टेलुगाटेक्स की सीढ़ियां, स्पेन

स्पेन का सैन जुआन डे गजटेलुगाटेक्स एक छोटा चट्टानी द्वीप है. यहां कई ऐतिहासिक आश्रम हैं, जो वर्षों से पसंदीदा पर्यटन स्थल रहे हैं. लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए आपको 231 पत्थर की सीढ़ियां पार करनी होंगी जो काफी डरावनी है. क्योंकि नीचे समुद्र की तेज और उफनाती लहरें हैं और कई बार हिला पुल लगता है कि टूट जाएगा.

पाइलोन डेल डियाब्लो वाटरफॉल की सीढ़ियां, इक्वाडोर

इक्वाडोर का पाइलोन डेल डियाब्लो वाटरफॉल पर बनी सीढ़िया खूबसूरत नजारों का फील लेने के लिए डिजाइन की गई थी. लेकिन जब आप ऊपर से सीढ़ियों को नीचे तक देखेंगे तो वो आपको एक साथ मिली हुई दिखेंगी. वैसे ये सीढ़ियां काफी फिसलन भरी हैं, लेकिन साइड में मेटल की रेलिंग लगी हुई हैं, जिनकी मदद से आप चढ़-उतर सकते हैं.

अंगकोर वाट की सीढ़ियां, कोलंबिया

कोलंबिया के अंगकोर वाट में सबसे ऊपर के मंदिरों की लगभग 70 प्रतिशत सीढ़ियां बिल्कुल झुकी हुई हैं. यही वजह है कि उन पर उतरने या चढ़ने के लिए आपको रस्सियों की जरूरत पड़ेगी. यहां के लोग कहते हैं कि ये सीढ़ियां लोगों को याद दिलाती हैं कि स्वर्ग तक पहुंचना कितना कठिन है. फिर भी हर साल हजारों लोग यहां से जाते हैं.

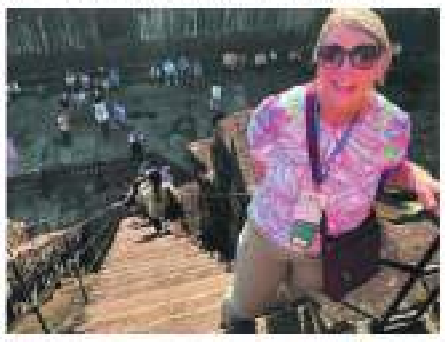

लोकतंत्र का प्रहरी : चुनाव आयोग की बदलती भूमिका

विजय कुमार झा

लोकतंत्र को स्वस्थ, मजबूत और जीवंत बनाए रखने में चुनाव आयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यह एकमात्र ऐसी संस्था है जो पूरे देश में भेदभाव रहित और पारदर्शी तरीके से चुनाव करवाकर जनता के मन में लोकतंत्र के प्रति विश्वास को मजबूती प्रदान करती है। हालांकि, दुर्भाग्यवश हाल के कुछ वर्षों में चुनाव आयोग की भूमिका पर संदेह के बादल मंडराने लगे हैं। राजनीतिक दलों के साथ-साथ आम जनता का भी इस संस्था के प्रति विश्वास धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। भारत को 1947 में आजादी मिलने के बाद पहला आम चुनाव 1952 में हुआ। उस समय न तो राजनीतिक दलों को और न ही आम जनता को चुनाव आयोग के आदेशों या चुनाव आयुक्त की पहचान से कोई खास सरोकार था। सभी के मन में एक ही भाव था: "कोई नृप होई, हमें का हानि?" उस दौर में चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था के रूप में कार्य करता था, जिसमें सभी राजनीतिक दल और मतदाता समान थे। यह संस्था निष्पक्ष थी और न ही किसी उम्मीदवार की जीत या किसी दल की सत्ता में वापसी में इसकी कोई प्रत्यक्ष भूमिका होती थी। देश में जब टी.एन. शेषन मुख्य चुनाव आयुक्त बने, तब पहली बार जनता ने चुनाव आयोग की ताकत, सीमा और अधिकारों को समझा। शेषन ने नामांकन पत्र में उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता, आपराधिक पृष्ठभूमि, और चल-अचल संपत्ति का विवरण शामिल करने का प्रावधान लागू किया। उन्होंने यह भी अनिवार्य किया कि नामांकन पत्र के सभी कॉलम भरे जाएं। इसका सुखद परिणाम यह हुआ कि जो उम्मीदवार खुद को "गरीब का बेटा" या "भाई" कहकर चुनाव में उतरते थे, उन्हें अपनी संपत्ति का ब्योरा देना पड़ा। इससे मतदाताओं को पता चला कि तथाकथित "गरीब का बेटा" वास्तव में करोड़ों की संपत्ति का मालिक है। आपराधिक मामलों का विवरण देने के नियम से मतदाताओं को यह जानने में मदद मिली कि जिस उम्मीदवार को वे वोट देने जा रहे हैं, उसका चरित्र कैसा है। इसका मूल उद्देश्य था कि मतदाता अपने उम्मीदवार को भली-भांति जान और परख सकें। शेषन के इस कदम को पूरे देश ने सराहा, क्योंकि इससे यह स्पष्ट हुआ कि कितने आपराधिक प्रवृत्ति के लोग और करोड़पति चुनाव जीतकर जनप्रतिनिधि बन रहे हैं। साथ ही, यह भी सामने आया कि संसद में किसान और मजदूर जैसे आम लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्तियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। धीरे-धीरे ये आंकड़े जनता के बीच चर्चा का विषय बन गए। जनता ने चुनाव आयोग की भूमिका और महत्व को समझना शुरू किया, और राजनीतिक दलों ने भी इसे गंभीरता से लेना शुरू किया। चुनाव आयोग की नियुक्ति और उसके क्रियाकलापों पर देश की नजरें टिकने लगीं। यह महसूस होने लगा कि आयोग के निर्णय राजनीतिक दलों के चुनावी गणित को बना या बिगाड़ सकते हैं। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि आयोग सरकार की कठपुतली न बने, एक ऐतिहासिक फैसला दिया। कोर्ट ने मुख्य न्यायाधीश, सत्ताधारी दल के नेता और विपक्ष के नेता की सहमति से चुनाव आयुक्त की नियुक्ति का प्रावधान बनाया। इस निर्णय को पूरे देश ने सराहा। हालांकि, सरकार को यह निर्णय असहज लगा। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को पलट दिया और मुख्य न्यायाधीश की जगह केंद्रीय सरकार के एक मंत्री को नियुक्ति पैनल में शामिल करने का प्रावधान कर दिया। इस बदलाव ने सरकार को नियुक्ति प्रक्रिया में हस्तक्षेप का रास्ता खोल दिया। इसके बाद नियुक्त हुए आयुक्तों पर कई गंभीर आरोप लगे, जिनसे आयोग के फैसलों पर सवाल उठने लगे और जनता के बीच इसकी साख धीरे-धीरे कम होती गई। एक उदाहरण से आयोग की लाचारी को समझा जा सकता है: चुनाव समाप्त होने के बाद मतदान का प्रतिशत एक आंकड़ा दिखाता है, लेकिन सभी चरणों के मतदान के बाद और मतगणना के समय यह आंकड़ा बदल जाता है। इस तरह के सवालों का चुनाव आयोग कभी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। पहले एक समय था जब लगभग 1,000 मतदाताओं पर एक मतदान केंद्र बनाया जाता था। टी.एन. शेषन ने इसे अव्यावहारिक मानते हुए 700-800 मतदाताओं पर एक मतदान केंद्र बनाने का आदेश दिया। इससे मतदान प्रतिशत में वृद्धि हुई और आम जनता की सहभागिता बढ़ी। इस निर्णय को भी देश ने सराहा। लेकिन हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इस नियम की अनदेखी करते हुए कुछ दिन पहले 1,500 मतदाताओं पर एक मतदान केंद्र का गठन कर दिया गया। इसका राजनीतिक दलों और जनता ने विरोध किया, लेकिन आयोग अपनी हठधर्मिता पर अड़ा रहा। विपक्षी दलों ने आयोग से मिलने के लिए समय मांगा, लेकिन उन्हें समय नहीं दिया गया, जिसे पूरे देश ने देखा। चुनाव आयोग का निर्णय पूरे देश के लिए एकसमान होना चाहिए, लेकिन हाल के कुछ फैसलों से इसकी साख पर सवाल उठ रहे हैं। उदाहरण के लिए, बिहार में आगामी चुनाव के लिए एक आदेश जारी किया गया है, जिसमें 15 जुलाई तक मतदाताओं को अपनी पहचान साबित करनी होगी। इसमें आधार कार्ड, राशन कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेजों को पहचान के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस तरह के फैसलों से आयोग की विश्वसनीयता जनता की नजरों में कम हो रही है। ऐसा लगने लगा है कि यह संस्था कठपुतली बनकर रह गई है, जो लोकतंत्र के लिए घातक है। राजनीतिक दलों की सत्ता आती-जाती रहेगी, लेकिन भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का आधार पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव है। इसकी पूरी जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निरस्त करना और चुनाव आयुक्त को सरकारी कठपुतली बनाने की कोशिश लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर कर सकती है।

मिलान में स्थित है दुनिया का पहला वर्टिकल फॉरेस्ट

वर्टिकल फरिस्ट के निर्माण में लगभग 3727 करोड़ रुपये की लागत आई है। इस वर्टिकल फॉरेस्ट में 800 पेड़ और 5 हजार से ज्यादा हरी-भरी झाड़ियां लगाई गई हैं। इस अनोखे वर्टिकल फरिस्ट को कई अवॉर्ड मिल चुके हैं।

इटली के मिलान शहर में में है दुनिया का इ पहला वर्टिकल फॉरेस्ट। इसे बॉस्को वर्टिकल भी कहा जाता है। यहां दो ऊंची इमारतों को इस तरह से तैयार किया गया है कि वे शहर के बीच एक जंगल की तरह नजर आती है। यहां 800 से ज्यादा पेड़, 14 हजार से ज्यादा पौधे और 5 हजार हरी-भरी झाड़ियां लगाई गई हैं। इसका मकसद शहरी इलाकों में हरियाली बढ़ाना और पर्यावरण को बेहतर बनाना है। इस फॉरेस्ट को स्टेफानो बोएरी आर्किटेक्ट ने डिजाइन किया है। यह प्रोजेक्ट साल 2014 में पूरा हुआ था। वर्टिकल फॉरेस्ट की पत्तियां मौसम के साथ रंग बदलती है तो इन टावर की खूबसूरती और बढ़ जाती है। दोनों टावर क्रमश: 80 और 112 मीटर ऊंचे हैं। इमारत में पेड़-पौधे हैं इसलिए गर्मियों के दिनों में भी यहां एसी का उपयोग कम होता है क्योंकि बाहरी हवा ही ठंडी होती है। यहां रहने वाले लोगों को भरपूर ऑक्सीजन मिलती है, जिससे उन्हें लगता है कि वे प्रकृति से बहुत दूर नहीं गए हैं। दरअसल साल 2007 में स्टेफानो बोएरी दुबई गए थे। वहां उन्होंने ऊंची-ऊंची इमारतें देखी, जिसमें कांच, धातु और सिरेमिक का इस्तेमाल किया गया था। जब सूरज की किरणें उन पर पड़ती थीं, तो इमारत में गर्मी भी बढ़ जाती थी। शोध करने पर पता चला कि पिछले 7 सालों में वहां बनी 94 प्रतिशत इमारतों में कांच लगा हुआ था। इससे जमीन में भी गर्मी बढ़ गई थी।

मंथन

उपराष्ट्रपति धनकड़ का इस्तीफा मर्यादा या कुछ और

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का अचानक इस्तीफा राष्ट्र को आश्चर्य में डालने वाला है, परंतु यह निर्णय उनकी व्यक्तिगत स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के अनुरूप है. उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 67(क) का हवाला देते हुए तत्काल प्रभाव से त्यागपत्र देकर यह स्पष्ट कर दिया कि सार्वजनिक जीवन में सेवा की सीमा, निजी स्वास्थ्य के आगे नहीं हो सकती. धनखड़ का इस्तीफा केवल एक संवैधानिक पद से हटना नहीं है, बल्कि यह राजनीतिक गरिमा और कृतज्ञता की एक मिसाल भी है. अपने पत्र में उन्होंने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्री परिषद और संसद के सदस्यों के प्रति जो आभार प्रकट किया है, वह उनके समन्वयवादी, मर्यादित और विनम्र आचरण का प्रमाण है. उन्होंने जिस तरह अपने कार्यकाल को गर्व और संतोष का विषय बताया और भारत की प्रगति के प्रति अपने गर्व और आस्था को दोहराया, वह एक सच्चे राष्ट्रसेवक की भावना को दर्शाता है. धनखड़ ने अपने कार्यकाल के दौरान भारतीय संसद के गरिमामयी संचालन और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उन्होंने उच्च सदन की मर्यादा को बनाए रखते हुए संतुलन और संवाद के माध्यम से लोकतंत्र को सशक्त बनाने का कार्य किया. उनके योगदान और कार्यशैली आने वाले उपराष्ट्रपतियों के लिए एक मानदंड के रूप में बनी रहेगी. उनकी विदाई एक शालीनता और संवेदनशीलता का उदाहरण है, जिसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सदैव सराहना की जाएगी. हालांकि अचानक इस इस्तीफे से राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह के कयास हैं, जिनकी परतें शायद धीरे-धीरे आगे खुलेंगी.

नजरिया

बोकारो स्टील सिटी में समन्वय से खुलेंगे सधे विकास के रास्ते

मुख्य सचिव अलका तिवारी द्वारा बोकारो स्टील सिटी को लेकर बैठक में उठाए गए मुद्दे झारखंड के औद्योगिक विकास और सामाजिक संतुलन के बीच समन्वय की जरूरत को रेखांकित करते हैं. बोकारो स्टील प्लांट एक राष्ट्रीय संपत्ति है, लेकिन इसके विकास की प्रक्रिया में स्थानीय जनभावनाओं की उपेक्षा गंभीर असंतोष का कारण बन सकती है. इसीलिए संवाद, समस्याओं की पहचान और समाधान पर बल देना प्रशासनिक दूरदर्शिता को दर्शाता है. बैठक में विस्थापितों, पुनर्वास से वंचित गांवों और पंचायत पुनर्गठन जैसे मुद्दों पर चर्चा स्वागतयोग्य कदम है. यह स्पष्ट है कि अब केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि समयबद्ध क्रियान्वयन और ज़मीनी संवाद आवश्यक है. मुख्य सचिव द्वारा जवाबदेही के साथ आपसी विश्वास और सौहार्द की बात करना एक सकारात्मक संदेश है जो उद्योग और जनसरोकारों के बीच पुल बनाता है. 756.94 एकड़ अप्रयुक्त वन भूमि को लौटाने के मामले में भी प्रशासनिक सक्रियता दिखी है. सीमांकन और पिलरिंग की प्रक्रिया को लेकर वन विभाग और सेल के बीच बनी सहमति से यह स्पष्ट है कि इच्छाशक्ति हो तो समाधान संभव है. अब जरूरत है कि इस दिशा में तेज़ी लाई जाए ताकि यह मामला विलंब का शिकार न हो. बैठक में उठे बिंदु और लिए गए निर्णय इस दिशा में सकारात्मक पहल हैं. प्रशासन, उद्योग और जनता-तीनों के बीच भरोसे और संवाद की निरंतरता ही बोकारो के टिकाऊ विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी.

धनकड़ का इस्तीफा: शब्द कम, संदेश गहरे

बृजेंद्र दुबे

भारत के संवैधानिक इतिहास में सोमवार, 22 जुलाई 2025 की रात एक असाधारण मोड़ लेकर आई. उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया. यह इस्तीफा ऐसे समय आया, जब संसद का मानसून सत्र शुरू ही हुआ था और उसी दिन धनखड़ ने राज्यसभा की कार्यवाही भी संचालित की थी. उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखते हुए अपने त्यागपत्र का कारण स्वास्थ्य को प्राथमिकता और चिकित्सीय सलाह बताया. हालांकि उन्होंने इसे पूरी तरह व्यक्तिगत निर्णय के रूप में प्रस्तुत किया, लेकिन जिस तरह से घटनाएं घटीं, उससे यह निर्णय केवल स्वास्थ्य कारणों तक सीमित नहीं दिखता.इस इस्तीफे ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं और अटकलों का भूचाल खड़ा कर दिया है.

यह इस्तीफा संविधान सम्मत विद्रोह जैसा है, जिसमें शब्द कम संदेश बहुत गहरे हैं.

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की समयावधि और उनकी हालिया गतिविधियां सवाल खड़े करती हैं. महज 11 दिन पहले, 10 जुलाई को उन्होंने दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के एक कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से कहा था कि अगर ईश्वर की कृपा रही तो मैं अगस्त 2027 में अपने कार्यकाल की समाप्ति के साथ सेवानिवृत्त हो जाऊंगा. यह बयान उनके स्पष्ट इरादों को दर्शाता था कि वे पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे. मगर सोमवार को ठीक इसके उलट उन्होंने कार्यकाल के दो साल शेष रहते हुए इस्तीफा दे दिया.
मार्च और जून में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आने के बावजूद, धनखड़ ने कार्य जारी रखा और यहां तक कि 10 जुलाई को उन्होंने अपने भविष्य की योजना भी सार्वजनिक की. फिर ऐसा क्या हुआ कि महज 11 दिन में उनका रुख पूरी तरह बदल गया? माना जा रहा है कि राज्यसभा में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा को हटाने संबंधी विपक्ष के प्रस्ताव को स्वीकार करना केंद्र सरकार को रास नहीं आया. यह प्रस्ताव एक संवेदनशील और गंभीर मुद्दे से जुड़ा था, और माना जा रहा है कि इस पर धनखड़ ने न तो सत्ता पक्ष से सलाह ली, न ही उस पर कोई 'मंदी' दिखाई. इससे सत्ता पक्ष में नाराजगी बढ़ी. जेपी नड्डा द्वारा राज्यसभा में दिए गए उस बयान को भी इसी कड़ी में देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने विपक्षी शोरगुल के दौरान चेयर का अपमान जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया. हालांकि बाद में उन्होंने सफाई दी कि उनका इरादा उपराष्ट्रपति की आलोचना नहीं था, लेकिन राजनीतिक संकेत स्पष्ट था.
इस सबके बीच सोमवार को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) की दो बार बैठक हुई, जिसमें सत्ता पक्ष के मुख्य रणनीतिक नेताओं-जेपी नड्डा और किरेन रिजिजू की अनुपस्थिति रही. बताया गया कि सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने धनखड़ से मीटिंग को अगले दिन के लिए स्थगित करने का आग्रह किया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया. इस घटनाक्रम ने उनकी नाराजगी को और गहरा कर दिया. जगदीप धनखड़ को भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2022 में उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया था. इससे पहले वे पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में ममता बनर्जी सरकार से लगातार टकराव में रहे. उनकी छवि एक सख्त प्रशासक और भाजपा की विचारधारा के प्रखर प्रवक्ता की रही है. उपराष्ट्रपति बनने के बाद, उन्होंने अपेक्षाकृत संतुलित रवैया अपनाया और राज्यसभा के सभापति के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन किया.
हालांकि, हाल के दिनों में उन्होंने संसद में शालीनता, अनुशासन और दलगत टकराव को कम करने की सार्वजनिक रूप से वकालत की थी. उन्होंने सदन की गरिमा को बनाए रखने के लिए सत्ता और विपक्ष दोनों से संयम की अपील की थी. यह भूमिका कुछ हद तक उनके राजनीतिक करियर की परंपरागत शैली से अलग थी और शायद यही बदलाव सत्ता पक्ष को असहज कर रहा था. धनखड़ स्वतंत्र भारत के तीसरे उपराष्ट्रपति हैं जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया. इससे पहले वीवी गिरि ने 1969 में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दिया था और कृष्ण कांत का 2002 में कार्यकाल के दौरान ही निधन हो गया था. इन दोनों इस्तीफों की प्रकृति स्पष्ट व अपरिहार्य थी,जबकि धनखड़ का इस्तीफा एकाएक, संदिग्ध और राजनीतिक रूप से संभावनाशील प्रतीत होता है. धनखड़ के इस कदम से न केवल एनडीए के भीतर संभावित दरारों की ओर संकेत मिलता है, बल्कि यह भी स्पष्ट करता है कि संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्ति जब सत्ता पक्ष से असहज हो जाते हैं, तो उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है. यह हमारे लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय भी है, क्योंकि संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और गरिमा का संरक्षण किसी भी सत्ताधारी दल से ऊपर होना चाहिए. हालांकि, यह कहना जल्दबाज़ी होगी कि धनखड़ और भाजपा के बीच कोई टकराव है, लेकिन उनका इस्तीफा यह ज़रूर दिखाता है कि अब वे पूरी तरह मौन नहीं रहना चाहते थे. यह इस्तीफा एक संविधान सम्मत विद्रोह जैसा है, जिसमें शब्द कम हैं, लेकिन संदेश बहुत गहरे. दिलचस्प बात यह है कि इस इस्तीफे पर सत्तारूढ़ दल की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है.
जगदीप धनखड़ का इस्तीफा औपचारिक रूप से एक स्वास्थ्य-आधारित निर्णय हो सकता है, लेकिन इसकी राजनीतिक पृष्ठभूमि को नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता. सत्ता पक्ष से संवादहीनता, संवैधानिक अधिकारों के प्रयोग को लेकर असहजता और संसद में बढ़ते राजनीतिक तनाव ने संभवतः उन्हें यह कदम उठाने पर विवश किया. अब जबकि उन्होंने यह गरिमामयी पद छोड़ दिया है, यह देखना दिलचस्प होगा कि वे राजनीति से संन्यास लेंगे या फिर किसी नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत करेंगे. जो भी हो, यह इस्तीफा भारतीय लोकतंत्र के लिए एक चेतावनी है-कि संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादा तब ही अक्षुण्ण रह सकती है, जब उन पर बैठे व्यक्ति राजनीतिक दबावों से मुक्त रहकर स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकें. धनखड़ ने अपने तरीके से यही संदेश देने की कोशिश की है.

यह इस्तीफा भारतीय लोकतंत्र के लिए एक चेतावनी है-कि संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादा तब ही अक्षुण्ण रह सकती है, जब उन पर बैठे व्यक्ति राजनीतिक दबावों से मुक्त रह कर स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकें. धनकड़ ने यही संदेश देने की कोशिश की है.

आज का इतिहास

1856: तिलक, गणितज्ञ, दार्शनिक और राष्ट्रवादी बाल गंगाधर का जन्म हुआ.
1898: ज्ञानपीठ सम्मानित बांग्ला साहित्यकार ताराशंकर बंदोपाध्याय का जन्म हुआ.
1903: फोर्ड ने अपनी पहली कार बेची.
1906: स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद का जन्म.
1927: मुंबई से रेडियो सेवा का प्रसारण शुरू.
1993: छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता सेनानियों में से एक लक्ष्मण प्रसाद दुबे का निधन.
2001: मेघावती सुकर्णोपुत्री इंडोनेशिया की राष्ट्रपति बनीं.
2005: मिस्र के शर्म-अल-शेख के रिजॉर्ट में हुए बम धमाकों में 88 लोग मारे गए थे.
2012: इराक में सिलसिलेवार हमलों में 103 लोग मारे गए.
2012: स्वतंत्रता सेनानी और समाजसेविका का लक्ष्मी सहगल निधन.
2016: भारत में जन्में प्रसिद्ध चित्रकर एस. एच. रज़ा का निधन.

भगवान सब जगह मौजूद, देखने की दृष्टि होनी चाहिए

चिंतन

महाराष्ट्र में एक प्रसिद्द संत हुए संत नामदेव. जब वे बहुत छोटे थे तभी से भगवान की भक्ति में डूबे रहते थे. बाल्यकाल में ही एक बार उनकी माता ने उन्हें भगवान विठोबा को प्रसाद चढाने के लिए दिया तो वे उसे लेकर मंदिर पहुंचे और उनके हठ के आगे भगवान को स्वयं प्रसाद ग्रहण करने आना पड़ा. एक बार संत नामदेव अपने शिष्यों को ज्ञान -भक्ति का प्रवचन दे रहे थे. तभी श्रोताओं में बैठे किसी शिष्य ने एक प्रश्न किया, गुरुवर, हमें बताया जाता है कि ईश्वर हर जगह मौजूद है, पर यदि ऐसा है तो वो हमें कभी दिखाई क्यों नहीं देता, हम कैसे मान लें कि वो सचमुच है, और यदि वो है तो हम उसे कैसे प्राप्त कर सकते हैं? नामदेव मुस्कुराए और एक शिष्य को एक लोटा पानी और थोड़ा सा नमक लाने का आदेश दिया. शिष्य तुरंत दोनों चीजें लेकर आ गया. वहां बैठे शिष्य सोच रहे थे कि भला इन चीजों का प्रश्न से क्या सम्बन्ध, तभी संत नामदेव ने पुनः उस शिष्य से कहा, पुत्र, तुम नमक को लोटे में डाल कर मिला दो. शिष्य ने ठीक वैसा ही किया. संत बोले, बताइए, क्या इस पानी में किसी को नमक दिखाई दे रहा है? सबने नहीं में सिर हिलाया. ठीक है !, अब कोई ज़रा इसे चख कर देखे, क्या चखने पर नमक का स्वाद आ रहा है? संत ने पूछा. जी, एक शिष्य पानी चखते हुए बोला. अच्छा, अब जरा इस पानी को कुछ देर उबालो. संत ने निर्देश दिया. कुछ देर तक पानी उबलता रहा और जब सारा पानी भाप बन कर उड़ गया, तो संत ने पुनः शिष्यों को लोटे में देखने को कहा और पूछा, क्या अब आपको इसमें कुछ दिखाई दे रहा है? जी, हमें नमक के कण दिख रहे हैं. एक शिष्य बोला.
संत मुस्कुराए और समझाते हुए बोले, जिस प्रकार तुम पानी में नमक का स्वाद तो अनुभव कर पाए पर उसे देख नहीं पाए उसी प्रकार इस जग में तुम्हे ईश्वर हर जगह दिखाई नहीं देता, पर तुम उसे अनुभव कर सकते हो. और जिस तरह अग्नि के ताप से पानी भाप बन कर उड़ गया और नमक दिखाई देने लगा उसी प्रकार तुम भक्ति ,ध्यान और सत्कर्म द्वारा अपने विकारों का अंत कर भगवान को प्राप्त कर सकते हो.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #GiftOfShelter
2. #HBDDevaBhau
3. #NationalFlagAdoptionDay
4. #ScienceAndSpirituality
5. #HappyBirthdayAjitDada
6. Vigyan Bhi Natmastak
7. Vedic Wisdom
8. Homely Shelter
9. डेरा सच्चा सौदा
10. Aashiyana

बहुरंग

'सन ऑफ सरदार 2' में फिर दिखेगा जस्सी रंधावा का एक्शन अवतार, ट्रेलर रिलीज़

अभिनेता अजय देवगन बहुत जल्द अपनी अगली फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में नजर आने वाले हैं, जिसका निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा कर रहे हैं. फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और सभी इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. अजय देवगन एक बार फिर अपने चर्चित किरदार 'जस्सी रंधावा' के अवतार में बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं. गौरतलब है कि फिल्म का पहला ट्रेलर 11 जुलाई को रिलीज किया गया था और अब दूसरा ट्रेलर भी दर्शकों के दिलों पर छा गया है. 'सन ऑफ सरदार 2' मस्ती, एक्शन और कॉमेडी का पूरा पैकेज लेकर आने वाली है.
सन ऑफ सरदार 2' में पहली बार मृणाल ठाकुर के साथ अजय देवगन की जोड़ी बनी है, जो दर्शकों के लिए फ्रेश केमिस्ट्री लेकर आ रही है. फिल्म में रवि किशन, कुब्रा सेठ, संजय मिश्रा, दीपक डोबरियाल, विंदू दारा सिंह, चंकी पांडे और नीरू बाजवा जैसे शानदार कलाकार नजर आएंगे, जो अपनी दमदार अदाकारी से फिल्म में हंसी, ड्रामा और धमाल का तड़का लगाएंगे. 'सन ऑफ सरदार 2' को 1 अगस्त, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा. दिलचस्प बात यह है कि उसी दिन तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म 'धड़क 2' भी रिलीज हो रही है. ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त टक्कर देखने को मिल सकती है.

'सैयारा' ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सैयारा' रिलीज के पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा की शानदार केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया है. इस फिल्म को जितनी सफलता मिल रही है, वह उम्मीद से कहीं ज्यादा है, यहां तक कि खुद निर्माता-निर्देशक भी इस तरह के रिस्पॉन्स की कल्पना नहीं कर पाए थे. सिर्फ 4 दिनों में 'सैयारा' ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जो इस साल की सबसे बड़ी अचंभित कर देने वाली उपलब्धियों में से एक है. बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, 'सैयारा' ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी पहले सोमवार को भी शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 22.50 करोड़ रुपये की कमाई की. इसके साथ ही फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब 105.50 करोड़ रुपये पहुंच चुका है. फिल्म ने 21.5 करोड़ रुपये की ओपनिंग के साथ बॉक्स ऑफिस पर दमदार शुरुआत की थी. दूसरे दिन इसने 26 करोड़ रुपये, जबकि तीसरे दिन धमाकेदार तरीके से 35.75 करोड़ रुपये की कमाई की. महज 45 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने चार दिनों में ही न सिर्फ अपना बजट दोगुना वसूल लिया, बल्कि 100 करोड़ क्लब में भी तेजी से एंट्री कर ली. 'सैयारा' इस साल की सबसे चर्चित और सफल फिल्मों में से एक बन चुकी है. 'सैयारा', जो कि एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा है, 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और तब से दर्शकों के बीच इसका क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है. इस फिल्म के जरिए अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे ने अभिनय की दुनिया में ड्रीम डेब्यू किया है.

'वॉर 2' में ऋतिक रोशन फिर करेंगे धांसू एक्शन

अभिनेता ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' को लेकर लगातार सुर्खियों में हैं. इस हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं, जिससे दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं. खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री करने जा रहे हैं. वहीं, इस बार ऋतिक रोशन की जोड़ी कियारा आडवाणी के साथ बनी है. यह पहला मौका होगा जब ये दोनों कलाकार सिल्वर स्क्रीन पर एक साथ नजर आएंगे. फिल्म 'वॉर 2' के ट्रेलर को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है. 'वॉर 2' का ट्रेलर 25 जुलाई को रिलीज किया जाएगा, जबकि फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. यह एक मल्टी-लैंग्वेज रिलीज होगी, जिसे हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी देखा जा सकेगा. फिल्म में पहली बार ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर आमने-सामने होंगे. दोनों के बीच का जबरदस्त एक्शन क्लैश दर्शकों के रोंगटे खड़े कर देगा. दिलचस्प बात यह है कि बॉक्स ऑफिस पर 'वॉर 2' का रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कुली' से मुकाबला होगा, जिससे यह टक्कर और रोमांचक हो गई है. ऐसे में 14 अगस्त को सिनेमाघरों में एंटरटेनमेंट का महायुद्ध देखने को मिलेगा.

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर 8210075897

मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्घि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा. किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी. अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है. शुभांक-1-5-7

वृष : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा. अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी. व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है. स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा. किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं. शुभांक-2-5-6

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें. राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें. मान-सम्मान को ठेस लग सकती है. जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें. नये आगंतुकों से लाभ होगा. कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी. परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी. शुभांक-5-7-9

कर्क : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा. परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. अपनों का सहयोग मिलेगा. पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्क्षचता रहेगी. मनोरथ सिद्घि का योग है. शुभांक-1-3-6

सिंह : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. आत्मङ्क्षचतन करें. पुराने मित्र से मिलन होगा. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. खान-पान में सावधानी रखें. अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. शुभांक-5-7-9

कन्या : रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. शुभांक-3-5-7

तुला : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे. समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा. परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं. कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग. आलस्य का त्याग करें. पुरुषार्थ का सहारा लें. व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी. शुभांक-4-6-7

वृश्चिक : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी. व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा. आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे. बुद्घि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी. आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. शुभांक-4-6-8

धनु : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. श्रम अधिक करना पड़ सकता है. वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं. शुभांक-3-5-7

मकर : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा. शुभांक-2-4-6

कुंभ : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी. अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते हैं जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं. कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ. नैतिक दायरे में रहें. शुभांक-5-7-9

मीन : क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं. उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी. कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगो को आश्चर्य में डाल देंगे. बौद्घिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा. समय आपके साथ है, इसका लाभ उठा लें. शुभांक-1-5-8

ब्रीफ न्यूज

ट्रेनों पर पथराव की रोकथाम के लिए चला जागरूकता अभियान

भागलपुर। पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में मवेशी टकराव, मानव टकराव, अलार्म चेन पुलिंग तथा चलती ट्रेनों पर पथराव जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए व्यापक सुरक्षात्मक उपायों को सक्रिय रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है. इन निरंतर प्रयासों के तहत, मालदा मंडल के रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने हाल ही में भागलपुर, नाथनगर, साहिबगंज स्टेशन और आसपास के इलाकों, हंसडीहा सेक्शन सहित संवेदनशील क्षेत्रों में और विभिन्न चलती ट्रेनों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया. इस अभियान के दौरान आमजन को रेलवे पटरियों को पार करने के खतरों से अवगत कराया गया तथा इस प्रकार की असावधानी से बचने की सलाह दी गई. साथ ही लोगों से अपील की गई कि वे बच्चों एवं पालतू पशुओं को रेलवे ट्रैक के निकट न जाने दें एवं रेलवे लाइनों के पास मवेशियों को चराने से बचें.

नवगछिया में गंगा नदी में बढ़ रहा है जलस्तर

भागलपुर। नवगछिया अनुमंडल के गोपालपुर, इस्माइलपुर और बिंद टोली क्षेत्र में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे दियारा क्षेत्र के दर्जनों गांव बाढ़ और कटाव के गंभीर खतरे से घिर गए हैं. शनिवार की रात ब्रह्मोत्तर धार से पानी गोपालपुर क्षेत्र में घुस गया, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है. बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल नवगछिया के अनुसार, इस्माइलपुर-बिंद टोली के पास गंगा नदी का डेंजर लेवल 31.60 मीटर है, जबकि नदी का जलस्तर फिलहाल 31.75 मीटर पर बह रहा है, जो खतरे के स्तर से ऊपर है. शनिवार रात इस्माइलपुर के बिंद टोली में रिंग बांध के स्पर्श संख्या 9 के डाउनस्ट्रीम हिस्से में लगभग 55-60 मीटर क्षेत्र में तेज कटाव हुआ है. इससे तन तांगा और करारी गांव पर बाढ़ और कटाव का दबाव बढ़ गया है, जिससे ग्रामीणों में भय और असमंजस की स्थिति बनी हुई है. जल संसाधन विभाग की टीम बालू भरे बोरे डालकर कटाव रोकने में जुटी हुई है और स्पर्श संख्या 9 पर हुए नुकसान को जल्द ठीक करने की कोशिश कर रही है.

बिहार विधानसभा में विपक्ष का हंगामा, मुख्यमंत्री नीतीश पर फेंके कागज

एसआईआर पर चर्चा को लेकर सदन में पूरी तरह से अराजकता की स्थिति

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा में मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पर तत्काल चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों ने जबरदस्त हंगामा किया. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में एकजुट विपक्ष ने इस प्रक्रिया को लोकतंत्र विरोधी करार देते हुए सदन में नारेबाजी की, पोस्टर लहराए और कार्यवाही को बाधित किया. इस दौरान एक वीडियो सामने आया जिसमें कुछ विपक्षी सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर कागज फेंकते हुए देखा गया. विधानसभा की कार्यवाही जब दोपहर दो बजे शुरू हुई, तब तेजस्वी यादव ने कहा कि एसआईआर का सीधा संबंध राज्य के मतदाताओं से है और इस पर तत्काल चर्चा होनी चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से वोटरों के नाम मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं, जो लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है. हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराने की मांग को खारिज कर दिया. उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर दिया गया था, लेकिन उन्होंने हंगामा करना शुरू कर दिया. अध्यक्ष के इस निर्णय से नाराज़ विपक्षी सदस्य और अधिक आक्रामक हो गए. मार्शलों को कुर्सी छीनने में काफी मशक्कत करनी पड़ी और सदन पूरी तरह से अराजकता की स्थिति में पहुंच गया. स्थिति बिगड़ती देख विधानसभा अध्यक्ष ने पहले कार्यवाही 21 मिनट के भीतर ही स्थगित कर दी और बाद में इसे बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया. अध्यक्ष ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनकी मंशा सिर्फ हंगामा करने की है, उन्हें जनता की समस्याओं से कोई मतलब नहीं है. विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग द्वारा की जा रही मतदाता सूची की गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है और इससे बड़े पैमाने पर मतदाता अधिकारों का हनन हो रहा है. वहीं, सत्ता पक्ष इस प्रक्रिया को नियमसंगत और आवश्यक बता रहा है. विधानसभा में जारी इस गतिरोध से साफ है कि एसआईआर को लेकर राजनीतिक टकराव आने वाले दिनों में और तेज़ हो सकता है.

विपक्षी सदस्य काले कपड़े पहनकर नारेबाजी करने लगे

पटना। प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया कि अगर सदन में हम इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करेंगे, तो फिर कहां करेंगे. हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने उनकी मांग को खारिज कर दिया. अध्यक्ष ने कहा कि कार्यवाही शुरू होने पर विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका दिया गया था, लेकिन उन्होंने शोरशराबा किया. इसके बाद विपक्षी सदस्य काले कपड़े पहनकर अध्यक्ष की आसंदी के सामने आ गए और नारेबाजी करने लगे. सदन में 'नीतीश सरकार मुर्दाबाद' के नारे लगे और पोस्टर लहराए गए. अध्यक्ष की बार-बार अपील के बावजूद विपक्ष शांत नहीं हुआ, जिससे सदन में अराजक स्थिति बन गई. अध्यक्ष ने विपक्ष को फटकार लगाते हुए कहा कि उन्हें जनता के मुद्दों से कोई मतलब नहीं है और उनकी मंशा केवल हंगामा करना है. विधानसभा में यह स्थिति सरकार और विपक्ष के बीच गहराते तनाव को दर्शाती है.

डॉ. एस. सिद्धार्थ ने दिया इस्तीफा, बिहार की प्रशासनिक दुनिया में हलचल

लड़ सकते हैं नवादा विधानसभा सीट से चुनाव

शुभम संदेश। पटना

बिहार की प्रशासनिक दुनिया में एक बड़ी हलचल मच गई है. मुख्यमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव और शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने अपने सभी पदों से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन देकर नौकरशाही से एक बड़ा मोड़ ले लिया है. 1991 बैच के इस वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने 17 जुलाई को सरकार को वीआरएस की अर्जी सौंपी, जबकि वे नवंबर 2025 में रिटायर होने वाले थे. उनके इस अचानक फैसले ने न केवल नौकरशाही को झकझोरा है, बल्कि

बिहार की राजनीति में भी नई चर्चा को जन्म दे दिया है.

सूत्रों की मानें तो डॉ. सिद्धार्थ अब सक्रिय राजनीति में उतरने की तैयारी में हैं. कयास लगाए जा रहे हैं कि वे जदयू के टिकट पर नवादा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं. हाल ही में उनका नवादा दौरा, वहां के एक स्कूल का निरीक्षण और सड़क किनारे लिट्टी सेंकते हुए कैमरे में आना, इन अटकलों को और बल देता है. विश्लेषकों का मानना है कि यह सब महज संयोग नहीं, बल्कि एक सोच-समझकर बनाई गई राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है. डॉ. सिद्धार्थ हमेशा से अपनी सादगी, जन संवाद की शैली और ज़मीनी जुड़ाव के लिए पहचाने जाते रहे हैं. वे कभी लोकल ट्रेन में आम मुसाफिर की तरह सफर करते दिखते, तो कभी पटरी किनारे दाढ़ी बनवाते या सब्ज़ी मंडी में आम जनता से बतियाते हुए नज़र आते रहे हैं. सोशल मीडिया पर उनकी ये तस्वीरें बार-बार वायरल होती रही हैं, जिसने उनकी छवि को 'जनता के बीच का अफसर' बना दिया. उनकी कार्यशैली भी आम अफसरों से अलग रही. वे अक्सर बिना पूर्व सूचना के स्कूल निरीक्षण करते, बच्चों की कॉपियाँ चेक करते और शिक्षकों से सीधे सवाल-जवाब करते. शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में उनकी भूमिका को नीतीश सरकार में अहम माना गया. मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव जैसे संवेदनशील पद पर रहकर वे सत्ता के केंद्र में रहे और सरकारी नीतियों को ज़मीनी स्तर तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई.

गैंगस्टर चंदन मिश्रा के हत्यारों को पकड़ने गई पुलिस पर फायरिंग

पटना। गैंगस्टर चंदन मिश्रा के हत्यारों को दबोचने गई पुलिस और पटना स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम पर मंगलवार तड़के भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में दो अपराधियों के पैर-हाथ में गोली लगी है. एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया. भोजपुर पुलिस की विज्ञप्ति के अनुसार, अपराधियों ने पुलिस को देखते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी. जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें दो अपराधी बलवन्त कुमार सिंह और रविरंजन सिंह को हाथ और पैर में गोली लगी है. एक अपराधी अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया गया है. पूछताछ में उन्होंने गुनाह कबूल कर लिया.

न्यूज अपडेट

स्कॉर्पियो पलटी : एसआई समेत चार घायल

कैमूर। जिले के दुर्गावती थाना क्षेत्र अंतर्गत महमूदगंज के पास मंगलवार तड़के एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हो गई. सुबह करीब चार बजे उत्पाद विभाग की एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई. इस हादसे में स्कॉर्पियो में सवार एसआई ओम प्रकाश शाह सहित चार लोग घायल हो गए. दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, दुर्गावती पहुंचाया. प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तीन घायलों को अनुमंडल अस्पताल, मोहनिया रेफर कर दिया गया. इनमें एसआई ओम प्रकाश शाह, सिपाही देवेंद्र यादव और रवीश कुमार सिंह शामिल हैं. चिकित्सकों ने बताया कि सिपाही रवीश कुमार सिंह की हालत नाजुक है, उन्हें बेहतर इलाज के लिए वाराणसी (बनारस) रेफर कर दिया गया है. वहीं, एसआई और सिपाही देवेंद्र यादव को हड्डियों में गंभीर चोटें आने के कारण सदर अस्पताल, भभुआ भेजा गया है.

बोलेरो और ट्रैक्टर की टक्कर में दो की मौत

सहरसा। जिले के बौजनाथपुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए. यह दर्दनाक हादसा सहरसा-मधेपुरा मुख्य मार्ग पर राइस मिल के पास हुआ, जब एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने सामने से आ रही बोलेरो गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी. मृतकों की पहचान बोलेरो चालक 25 वर्षीय हरि साह और 30 वर्षीय महिला रूपा देवी के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, सोनवर्षा राज थाना क्षेत्र के लगमा गांव का एक परिवार सावन की सोमवारी पर बाबा सिंघेश्वर स्थान (मधेपुरा) में पूजा करने गया था.

गोली मारकर हत्या, पारिवारिक रंजिश की आशंका

पटना। फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के जानीपुर अंतर्गत मुरादपुर गांव में सोमवार देर रात एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई. मृतका की पहचान 48 वर्षीय शोभा देवी के रूप में हुई है. घटना की जानकारी मंगलवार सुबह उस समय हुई जब उनकी बेटी नेहा और दामाद राजू पासवान ने कमरे का दरवाजा खोला. अंदर शोभा देवी का शव खून से लथपथ हालत में फर्श पर पड़ा मिला. नेहा ने बताया कि रात के समय गोली जैसी आवाज सुनी थी, लेकिन उन्होंने उसे ताड़ के पेड़ से फल गिरने की सामान्य आवाज समझ कर नजरअंदाज कर दिया. सुबह जब शोभा देवी का कमरा काफी देर तक नहीं खुला, तो आसपास के लोगों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया. इसके बाद घटना का खुलासा हुआ. सूचना मिलते ही फुलवारी शरीफ के एसडीपीओ दीपक कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की. प्रारंभिक छानबीन के आधार पर पुलिस को मामला पारिवारिक रंजिश से जुड़ा प्रतीत हो रहा है.

एम्स पटना में जूनियर रेज़िडेंट डॉक्टर की हुई मौत

पटना। एम्स में कार्यरत प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर यजुवेंद्र साहू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने स्वास्थ्य व्यवस्था और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं. ओडिशा निवासी डॉ. साहू की मौत 19 जुलाई को उनके हॉस्टल रूम में बेहोशी का इंजेक्शन लेने के बाद हुई थी. दरवाजा नहीं खुलने पर साथियों ने पुलिस को बुलाया और दरवाजा तोड़ने पर उनकी लाश बरामद हुई. इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. मौत के तीन दिन बाद भी पोस्टमार्टम नहीं हो सका है, जिससे नाराज परिजन सोमवार को शव लेकर पीएमसीएच पहुंच गए. मृतक के भाई राकेश कुमार ने आरोप लगाया कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि मानसिक उत्पीड़न का मामला है.

पिकअप नदी में गिरी, चालक की ही गयी मौत

मुजफ्फरपुर। जिले के सरैया थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक पिकअप वाहन तेज रफ्तार ट्रक से टकराने के बाद नारायणी गंडक नदी में जा गिरी. हादसे में पिकअप चालक की मौके पर ही मौत हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक की रफ्तार काफी तेज थी और टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप पुल की रेलिंग तोड़ते हुए सीधे नदी में समा गई. सूचना मिलते ही सरैया थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची. क्रेन की मदद से पिकअप को नदी से बाहर निकाला गया और एसडीआरएफ की टीम ने चालक का शव बरामद किया. मृतक की पहचान मोतीपुर बाजार स्थित पानी टंकी चौक निवासी रघुनाथ साह के पुत्र पप्पू कुमार के रूप में हुई है.

कारोबार

हैवल्स के मुनाफे में गिरावट, फिर भी शेयर में दिखी मजबूती

नयी दिल्ली। एयर कंडीशनर, पंखे, कूलर और बिजली से जुड़े उपकरण बनाने वाली दिग्गज कंपनी हैवल्स इंडिया को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में झटका लगा है. कंपनी का शुद्ध मुनाफा 14% घटकर 352 करोड़ रुपये रह गया है, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में इससे ज्यादा मुनाफा हुआ था. इसके अलावा, कंपनी की कुल बिक्री में भी 6% की गिरावट दर्ज की गई है और यह 5,438 करोड़ रुपये रही. कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल राय गुप्ता ने कहा कि एयर कंडीशनर, पंखे और कूलर की मांग में कमी से बिक्री प्रभावित हुई है. उन्होंने बताया कि अभी भी एयर कंडीशनर का स्टॉक अधिक मात्रा में मौजूद है, जिसे खत्म होने में 1-2 तिमाही लग सकती हैं. इसी कारण से फिलहाल कंपनी ने प्रोडक्शन घटाने का निर्णय लिया है. हालांकि कमजोर तिमाही नतीजों के बावजूद हैवल्स के शेयरों में मजबूती देखने को मिली. मंगलवार को बीएसई पर शेयर 1555 रुपये पर खुले, जो शुरुआती बढ़त के बाद गिरकर 1515 रुपये तक पहुंचे.

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट के बावजूद भविष्य उज्ज्वल

कंपनी को बढ़त मिलने की उम्मीद

एजेंसी। नयी दिल्ली

मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने हाल ही में जारी की गई तिमाही रिपोर्ट से निवेशकों को थोड़ा निराश किया है. तिमाही नतीजे उम्मीद से कमजोर रहे, जिससे सोमवार को शेयर बाजार में आईआरएल के स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिली. हालांकि, मार्च के निचले स्तर से शेयर में 25% तक की तेजी आ चुकी थी, इसलिए गिरावट को मुनाफावसूली के नजरिए से भी देखा जा रहा है.

इसके बावजूद, भारत और एशिया की सबसे बड़ी कंपनी के भविष्य को लेकर ब्रोकरेज हाउस आशावादी बने हुए हैं. कोटक इक्विटीज ने शेयर रेटिंग को 'बाय' से 'एड' में बदला है, जबकि जेपी मॉर्गन और जेफरीज जैसे अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज ने आरआईएल का टारगेट प्राइस क्रमशः 8% और

5% तक बढ़ाया है. कंपनी की टेलीकॉम इकाई जियो ने पहली तिमाही में बेहतर प्रदर्शन करते हुए एवरेज रेवेन्यू पर यूजर (एआरपीयू) को 208.8 प्रति महीना तक पहुंचाया, जो पिछली तिमाही से 1.3% अधिक है. जेफरीज का अनुमान है कि एफवाई25-28 के दौरान यह एआरपीयू 11% की सीएजीआर से बढ़कर 273 हो सकता है. इसके पीछे टैरिफ में तीन बार संभावित 10% वृद्धि और होम ब्रॉडबैंड यूजर्स की बढ़ती संख्या एक बड़ा कारण है. कंपनी का ईबीआईटीडीए मार्जिन 51.8% तक पहुंच गया है, जो तिमाही-दर-तिमाही 170बीपीएस की वृद्धि है. जियो का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 410.5 बिलियन रहा, जो सालाना आधार पर 18.8% अधिक है. रिलायंस अपने नए ऊर्जा कारोबार में भी बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है. कंपनी अगले चार से छह तिमाहियों में गीगा फैक्ट्रियां और नई ऊर्जा परियोजनाएं (पॉलीसिलिकॉन, वेफर, सोलर सेल, बैटरी आदि) चालू करने का लक्ष्य रखती है. बर्नस्टीन के मुताबिक रिलायंस का गीगा कॉम्प्लेक्स टेस्ला की गीगा फैक्ट्री से चार गुना बड़ा होगा. नुवामा के अनुसार, अगर आरआईएल के मॉड्यूल बिजनेस को 15x ईवी/ईबीआईटीडीए दिया जाए, तो इसका मूल्यांकन $20 बिलियन हो सकता है. यह कंपनी के स्टॉक प्राइस को उसी तरह मजबूती दे सकता है जैसा जियो की शुरुआत के बाद 2017 में देखने को मिला था.

रिलायंस का बिजनेस मॉडल अब तेजी से बदल रहा है. कंपनी के कंसोलिडेटेड ईबीआईटीडीए में रिटेल और जियो का योगदान अब 54% से अधिक हो गया है. जियो और रिटेल के आईपीओ की संभावनाएं आने वाले समय में स्टॉक को और ऊपर ले जा सकती हैं. जेपी मॉर्गन का कहना है कि रिलायंस रिटेल का वैल्यूएशन लगभग $121 बिलियन है और यह एफवाई27ई ईबीआईटीडीए के आधार पर ₹32x मल्टीपल पर ट्रेड कर रहा है, जो डीमार्ट के 42x से काफी कम है. आईपीओ या स्टेक सेल्स जैसे किसी भी मोनेटाइजेशन से रिलायंस के शेयर में बड़ी तेजी देखी जा सकती है. सीएलएसए और नोमुरा जैसे ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि आरआईएल के पास ग्रोथ के मजबूत स्तंभ मौजूद हैं और कंपनी का वैल्यूएशन अभी भी आकर्षक है. नोमुरा का कहना है कि आरआईएल का स्टॉक अभी 12.1x ईवी/ईबीआईटीडीए और 23.3x एफवाई 27एफ पी/ई पर ट्रेड कर रहा है, जिससे लंबी अवधि में इसमें तेजी की गुंजाइश बनी हुई है.

कंपनी की आगामी एजीएम पर निवेशकों की नजरें टिकी हैं, जहां एफएमसीजी, ऊर्जा, मीडिया और आईपीओ से जुड़ी घोषणाएं हो सकती हैं. रिलायंस का लक्ष्य है कि एफवाई30 तक अपने साइज को दोगुना करे और ओ2सी बिजनेस जितना बड़ा ऊर्जा व्यवसाय खड़ा करे.

न्यूज अपडेट

जोमैटो की पेरेंट कंपनी का शेयर बाजार में धमाल

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी फूड डिलिवरी कंपनी जोमैटो की पेरेंट कंपनी इटरनल ने शेयर बाजार में जबरदस्त प्रदर्शन किया है. बीते दो कारोबारी सत्रों में कंपनी के शेयरों में 21 फीसदी तक की तेजी देखने को मिली है, जिससे इटरनल के मार्केट कैप में 52,000 करोड़ रुपए से अधिक का इजाफा हुआ है. खास बात यह है कि जहां ओवरऑल बाजार पर दबाव बना हुआ है, वहीं इटरनल ने निवेशकों को शानदार रिटर्न देकर सबका ध्यान खींचा है. जानकारों के अनुसार, यह तेजी कंपनी के मजबूत तिमाही नतीजों के कारण आई है, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है. मंगलवार को बीएसई पर इटरनल के शेयर 292 रुपए पर खुले और तेज़ी के साथ 311.60 रुपए तक पहुंच गए, जो कि कंपनी का 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर है.

8वें वेतन आयोग पर केंद्र ने शुरू की तैयारी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने औपचारिक रूप से 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं. यह आयोग देशभर के लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन ढांचे और पेंशन प्रणाली की समीक्षा करेगा. संसद में सांसद टी.आर. बालू और आनंद भदौरिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में सरकार ने बताया कि आयोग के गठन के लिए अभी प्रक्रिया प्रारंभिक चरण में है और अहम हितधारकों से सुझाव मांगे जा रहे हैं. सरकार ने स्पष्ट किया कि 8वें वेतन आयोग की अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है. इसके तहत चेयरपर्सन और सदस्यों की नियुक्ति अधिसूचना जारी होने के बाद ही की जाएगी. वर्तमान में आयोग के लिए न तो समिति बनाई गई है और न ही इसके संदर्भ तय किए गए हैं.

केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 3-4% बढ़ सकता है

नयी दिल्ली। रक्षाबंधन से पहले केंद्र सरकार केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को बड़ी राहत दे सकती है. उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार जल्द ही 7वें वेतन आयोग के तहत महंगाई भत्ते डीए में 3 से 4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का ऐलान कर सकती है. यह वृद्धि जुलाई 2025 से प्रभावी मानी जाएगी. फिलहाल केंद्रीय कर्मचारियों को 55 प्रतिशत डीए मिल रहा है. मार्च 2025 में सरकार ने डीए में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी, जो 1 जनवरी 2025 से लागू मानी गई. अब जुलाई 2025 के लिए संभावित डीए वृद्धि की तैयारी चल रही है, जिसे रक्षाबंधन से पहले घोषित किया जा सकता है. सरकार साल में दो बार केंद्रीय कर्मचारियों को महंगाई भत्ता देती है.

सोने की कीमत में मामूली तेजी, चांदी की घटी चमक

नयी दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में मामूली तेजी है. वहीं चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है. कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,160 रुपये से लेकर 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,810 रुपये से लेकर 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,15,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है. दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई

में 24 कैरेट सोना 1,00,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है.

हलचल | अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ आईएमएफ से इस्तीफा देंगी

पुरानी भूमिका में लौटेंगी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय मूल की वरिष्ठ अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ अगस्त के अंत में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में अपने मौजूदा पद से इस्तीफा देंगी. वह फिर से हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के रूप में अपनी पुरानी भूमिका में लौटेंगी. आईएमएफ ने सोमवार को इस बात की पुष्टि की, जिससे वैश्विक आर्थिक जगत में हलचल मच गई है. रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, गोपीनाथ के इस फैसले से आईएमएफ के कई अधिकारी हैरान हैं, हालांकि यह साफ है कि यह निर्णय उन्होंने स्वेच्छा से लिया है. गीता गोपीनाथ ने 2019 में आईएमएफ में इतिहास रचते हुए पहली महिला चीफ इकनॉमिस्ट के

रूप में पदभार संभाला था. उनके कार्यकाल के दौरान उन्होंने वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम किया और संस्थान में अपनी विशेषज्ञता का भरपूर योगदान दिया. जनवरी 2022 में उन्हें आईएमएफ का दूसरा सबसे बड़ा पद—फर्स्ट डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर—सौंपा गया था.

आईएमएफ की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने गोपीनाथ की विदाई पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी विद्वत्ता और नेतृत्व संस्था के लिए अत्यंत मूल्यवान रहे हैं. जॉर्जीवा ने यह भी बताया कि गोपीनाथ के उत्तराधिकारी की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी. गीता गोपीनाथ हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स डिपार्टमेंट में जॉन ज्वानस्ट्रा प्रोफेसर ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज एंड इकनॉमिक्स रही हैं. हार्वर्ड से पहले वह शिकागो यूनिवर्सिटी के बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस में भी असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्य कर चुकी हैं. आईएमएफ में उनके कार्यकाल के दौरान उनके कई शोधपत्र प्रतिष्ठित आर्थिक जर्नल्स में प्रकाशित हुए.

गोपीनाथ ने अपनी स्कूली शिक्षा मैसूर में पूरी की और दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्री राम कॉलेज से स्नातक की डिग्री प्राप्त की. उन्होंने 1990-91 में भारत में आए बड़े विदेशी मुद्रा संकट को नजदीक से देखा, जिसने उन्हें अर्थशास्त्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया. 2010 के एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था, ₹उस संकट ने मेरी सोच को दिशा दी और अंतरराष्ट्रीय वित्त में मेरी रुचि का बीज बोया. उनकी विदाई ऐसे समय पर हो रही है जब वैश्विक व्यापार और अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों से गुजर रहे हैं. अमेरिका के पास अब यह अवसर होगा कि वह आईएमएफ के इस प्रमुख पद के लिए नया उम्मीदवार नामित करे, विशेषकर ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था और नीतियों में बड़े बदलाव देखे जा रहे हैं.

पेज एक का शेष

संसद-विधान सभाओं की गरिमा ...

यदि सदन के भीतर भी कोई किसी के खिलाफ मानहानिकारक बात बोले, तो पीड़ित लोगों को कोर्ट जाने की अब छूट मिल जानी चाहिए. यदि मेरी बात मान ली जाए तो राजनीति को नई पीढ़ी आदर की दृष्टि से देखने लगेगी.

अभी किस दृष्टि से देखती है, यदि उसे लिख दूं तो मुझ पर विशेषाधिकार हनन का मामला चल जाएगा.

लोकतंत्र के लिए यह अच्छा नहीं कि देश की युवा पीढ़ी के मन में संसद और सांसदों के बारे में अच्छी राय न बने.

ऐसे में ही कोई तानाशाह जनता से भी ताकत पा लेता है.

वैसे भी जिस रफ्तार से जेहादी तत्व इस देश में गांव दर गांव, शहर दर शहर कब्जा करते जा रहे हैं, इसे लोहे के हाथों से रोक देने के लिए देर-सबेर किसी न किसी सरकार को तानाशाह बनना ही पड़ेगा.

चीन सरकार जेहादी उइगर मुसलमानों से डील करने के अपने अनुभव के आधार पर कहा करती है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जेहादियों का 'इलाज' संभव ही नहीं. वैसे भी भारत के बाहर भी एक पाकिस्तान है तो एक भीतर भी. कम से कम चीन में ऐसा नहीं है.

(लेखक देश के जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार और पद्मश्री से सम्मानित हैं.)

ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चोट की वजह से पहले ही श्रृंखला से बाहर हो चुके हैं, नायर का कटेगा पत्ता, कंबोज का डेब्यू, शार्दुल को मौका!

मैनचेस्टर टेस्ट में ऐसी हो सकती है प्लेइंग इलेवन, मुकाबले को तैयार

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैच की सीरीज का चौथा मुकाबला बुधवार से मैनचेस्टर में शुरू होगा. इंग्लैंड ने तो अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है लेकिन भारतीय टीम से मैच वाले दिन ही पर्दा उठेगा. वैसे कई खिलाड़ियों के चोटिल होने की वजह से टीम मैनेजमेंट को प्लेइंग इलेवन चुनने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा.

भारतीय टीम सीरीज में 1-2 से पीछे चल रही है. अगर उसे सीरीज जीत की उम्मीदों को जिंदा रखना है तो मैनचेस्टर टेस्ट हर हाल में जीतना होगा.

ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चोट की वजह से पहले ही श्रृंखला से बाहर हो चुके हैं. अर्शदीप सिंह भी चोट की वजह से कम से कम मैनचेस्टर टेस्ट के लिए नहीं उपलब्ध होंगे, ये बीसीसीआई भी साफ कर चुकी है. एजबेस्टन टेस्ट के हीरो आकाश दीप भी ग्रोइन इंजरी से पीड़ित हैं और उनके खेलने या न खेलने पर सस्पेंस बना हुआ है. विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत उंगली की चोट से उबर रहे हैं लेकिन राहत की बात ये है कि वह ट्रेनिंग सेशन में लगातार दिखे हैं.

जसप्रीत बुमराह

सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह चौथा टेस्ट खेलेंगे? वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत उन्हें सीरीज के 5 में से सिर्फ 3 मैच ही खिलाए जाने हैं जिनमें 2 मैच वह पहले ही खेल चुके हैं. वैसे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज कह चुके हैं कि जस्सी भाई मैनचेस्टर टेस्ट खेलेंगे. कोच या कप्तान की तरफ से ऐसा कुछ नहीं कहा गया है लेकिन एक सीनियर गेंदबाज के बयान को तो गंभीरता से लेना ही होगा. मस्ट विन मैच में बुमराह की मौजूदगी से भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को धार मिलेगी.

अंशुल कंबोज का डेब्यू

भारत के एक साथ एक से ज्यादा गेंदबाजों के चोटिल होने से तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को मैनचेस्टर में डेब्यू का मौका मिल सकता है. वह भारत ए की तरफ से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दोनों अनाधिकारिक टेस्ट खेले थे जिनमें 5 विकेट भी झटके थे. अगर आकाश दीप पूरी तरह फिट नहीं रहते तो अंशुल कंबोज को डेब्यू का मौका मिल सकता है. हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा भी दावेदार हैं लेकिन सीरीज में उनका खराब प्रदर्शन उनके खिलाफ जा सकता है.

शार्दुल ठाकुर या कुलदीप यादव

ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के सीरीज से बाहर होने के बाद मैनचेस्टर में उनकी जगह शार्दुल ठाकुर या फिर कुलदीप यादव को मौका मिल सकता है. सीरीज में ठाकुर को पहले भी मौके मिले लेकिन वह उन्हें भुनाने में नाकाम रहे थे. कुलदीप यादव अब तक के तीनों टेस्ट में बेंच पर ही बैठे दिखे. टीम मैनेजमेंट की ऑलराउंडरों को तरजीह देने की रणनीति इस स्पिनर के खिलाफ जा रही है.

करुण नायर का कट सकता है पत्ता

मैनचेस्टर टेस्ट में करुण नायर का पत्ता कट सकता है क्योंकि सीरीज में वह अपनी छाप छोड़ने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं. वैसे तो तीसरे टेस्ट में भी माना जा रहा था कि नायर नहीं खेलेंगे लेकिन गौतम गंभीर और शुभमन गिल ने उन पर भरोसा जताया. इसकी बड़ी वजह ये है कि उनका कोई मजबूत विकल्प नहीं दिख रहा. सीरीज के 2 मैच में आईपीएल 2025 के स्टार बी साईं सुदर्शन को मौका मिला था लेकिन वह उन्हें भुनाने में नाकाम रहे. मैनचेस्टर टेस्ट में उन्हें एक और मौका मिल सकता है.

मैनचेस्टर टेस्ट में टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग इलेवन : यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), शार्दुल ठाकुर/कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप/अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज.

टाईब्रेकर में जीत से दिव्या शतरंज विश्वकप के सेफा में

एजेंसी। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख ने शतरंज विश्वकप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. उन्होंने टाईब्रेकर में हमवतन द्रोणावल्ली हरिका को हराया. 19 साल की दिव्या ने टाईब्रेकर की पहली बाजी सफेद मोहरों से, जबकि दूसरी बाजी काले मोहरों से जीतीं. दोनों के बीच क्लासिकल प्रारूप की बाजियां बराबरी पर छूटी थीं. दिव्या पहली बार विश्वकप में खेल रही हैं. दिव्या से पहले 37 वर्षीय कोनेरू हंपी भी सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं. दिव्या की सेमीफाइनल में चीन की तान जोंगयी से और हंपी की चीन की ही ली टिंग जी से टक्कर होगी.

शीर्ष तीन को मिलेगा कैंडिडेट्स का टिकट : यह पहली बार है जब दो भारतीय खिलाड़ियों ने विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है. हंपी और दिव्या के पास कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने का बेहतरीन मौका है. शीर्ष तीन खिलाड़ियों को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में प्रवेश मिलना है. कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का विजेता विश्व चैंपियन को चुनौती देता है. हरिका के पास दूसरे गेम में वापसी का मौका था, पर उन्हें मुकाबला गंवाना पड़ा. हरिका ने जैसे ही दिव्या से हाथ मिलाया, वह भावुक हो गईं. उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि वह सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं.

पुरुषों का विश्वकप भारत में होगाः फिडे

शतरंज की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संस्था फिडे ने पुरुषों के विश्वकप की घोषणा कर दी है. यह विश्वकप 30 अक्तूबर से 27 नवंबर तक भारत में आयोजित किया जाएगा. अभी विश्वकप के आयोजन स्थल की घोषणा नहीं हुई है. इस टूर्नामेंट में कुल 206 शतरंज खिलाड़ी खेलेंगे. इससे पहले भारत ने 2002 में हैदराबाद में विश्वकप की मेजबानी की थी, जिसे आनंद ने जीता था.

मैनचेस्टर में अब तक एक भी टेस्ट नहीं जीत पाया है भारत

टीम इंडिया आजमाए फॉर्मूले से हट कर रचेगा इतिहास?

एजेंसी। नयी दिल्ली

पिछले मैच में हार और कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल हो जाने के बावजूद भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट में मजबूत इरादे से उतरेगी. भारतीय टीम श्रृंखला में वापसी करने और ओल्ड ट्रैफर्ड में पहली बार जीत हासिल करने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी.भारत को हालांकि अभी तक आजमाए गए अपने फॉर्मूले से हटने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है. लीड्स में पहले टेस्ट के बाद भारत ने अंतिम एकादश में तीन ऑलराउंडरों को शामिल किया था. इनमें नीतीश रेड्डी भी शामिल थे, जो घुटने की चोट के कारण अब श्रृंखला से बाहर हो गए हैं.रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर जैसे दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर की मौजूदगी में भारत के पास आठवें नंबर तक बल्लेबाज़ी करने की गुंजाइश थी. मैनचेस्टर में ऐसा शायद न हो, जहां भारतीय टीम अभी तक जीत हासिल नहीं कर पाई है. भारत ने यहां अभी तक नौ मैच खेले हैं जिनमें से चार में उसे पराजय का सामना करना पड़ा जबकि बाकी पांच मैच ड्रॉ रहे.इंग्लैंड वर्तमान श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे चल रहा है और अगर भारत को पांच मैच की इस श्रृंखला को जीवंत बनाए रखना है तो उसे यहां हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी.श्रृंखला का पहला टेस्ट मैच खेलने वाले शार्दुल ठाकुर को रेड्डी की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है लेकिन उनका बल्लेबाजी में उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है. अगर उन्हें टीम में लिया जाता है तो उन्हें गेंदबाज़ी में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा क्योंकि रेड्डी ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में महत्वपूर्ण अवसरों पर विकेट लिए थे.

बुमराह व सिराज का अंतिम एकादश में जगह बनाना तय : तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का अंतिम एकादश में जगह बनाना तय है.लॉर्ड्स में श्रृंखला में पहली बार भारतीय बल्लेबाज नहीं चल पाए थे और और अगर भारत को श्रृंखला में वापसी करनी है तो कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई वाली बल्लेबाजी लाइन-अप को फिर से अच्छा प्रदर्शन करना होगा.गिल तीसरे टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन इसके बावजूद श्रृंखला में उनके नाम पर 600 से अधिक रन दर्ज हैं. भारत के लिए उनका बड़ा स्कोर काफी मायने रखता है.जोफ्रा आर्चर ने टेस्ट क्रिकेट में अपनी सफल वापसी में यशस्वी जायसवाल को दो बार आउट किया और यह बाएं हाथ का बल्लेबाज इंग्लैंड के तेज गेंदबाज की अतिरिक्त गति से निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार होगा.गिल ने भले ही श्रृंखला में भारत की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए हैं लेकिन वह के एल राहुल हैं जो अधिक विश्वसनीय बल्लेबाज नजर आए. भारत को फिर से उनसे ठोस प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी.मैच से पहले भारत के अभ्यास सत्र को देखकर लगता है कि ऋषभ पंत अपनी उंगली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं और हमेशा की तरह अपनी दोहरी जिम्मेदारी निभाएंगे.अगर नायर को एक और मौका मिलता है, तो वह अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने के लिए बेताब होंगे. लगातार चार अर्धशतक लगाने वाले जडेजा मध्यक्रम को मजबूती दे रहे हैं लेकिन उन्हें गेंदबाजी में भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा.

लीड्स के संयोजन को फिर से आजमा सकता

भारत लीड्स के संयोजन को फिर से आजमा सकता है, जहां उसके पास जडेजा के रूप में केवल एक स्पिनर था और छठे नंबर तक विशेषज्ञ बल्लेबाज थे, जिसमें करुण नायर और साई सुदर्शन दोनों अंतिम एकादश में थे .इसके अलावा नए तेज़ गेंदबाज़ अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं . अगर आकाश दीप कमर की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाते हैं, तो इनमें से कोई भी उनकी जगह ले सकता है .आकाश दीप की तरह, कंबोज भी अच्छी सीम मूवमेंट पैदा कर सकते हैं . वह भारत ए के इंग्लैंड दौरे का भी हिस्सा थे और इस तरह से यहां की परिस्थितियों से कुछ हद तक वाकिफ हैं .

युवाओं की फिटनेस में गिरावट पर जताई चिंता

कई लोग अभी भी खेल नहीं खेलते हैं : महेंद्र सिंह धोनी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने भारत में युवाओं की फिटनेस में गिरावट पर चिंता जाहिर की है. रांची में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने बताया कि अपनी बेटी के साथ भी वे शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों को शामिल करने का सचेत प्रयास करते हैं. 44 साल के धोनी का फिटनेस पर काफी जोर रहा है और वह अभी भी मैदान पर फिट नजर आते हैं. धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था, लेकिन वह अभी भी आईपीएल में खेलते हैं. धोनी इस उम्र में भी विकेट के पीछे काफी तेज रहते हैं और बल्लेबाज को चकमा देने का मौका नहीं छोड़ते हैं. धोनी का एक वीडिया सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह फिटनेस को लेकर अपनी राय रखते नजर आ रहे हैं. हालांकि धोनी अपनी अनुशासित दिनचर्या के साथ उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने भारतीयों, विशेषकर बच्चों में फिटनेस के स्तर में गिरावट पर चिंता व्यक्त की.

शारीरिक रूप से सक्रिय रहने पर दिया जोर : धोनी ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, आजकल उम्र कम हो रही है, यानी शारीरिक गतिविधियों की मात्रा कम हो रही है. इसलिए, हम भारतीयों का औसत फिटनेस स्तर कम हो गया है. मुझे लगता है कि मेरी बेटी भी ज्यादा शारीरिक गतिविधि नहीं करती. वह खेलों में रुचि नहीं रखती, इसलिए हमें ऐसी योजनाएं बनानी पड़ती हैं जहां आप शारीरिक रूप से सक्रिय रहें. यही हाल रहा है. बहुत से लोग खेल नहीं खेलते हैं.

धोनी ने 2004 में अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू किया था और वह 2007 में भारत के कप्तान बन गए थे. अपने करियर के दौरान धोनी मैदान पर शांत रहने के लिए जाने गए, लेकिन फिटनेस को लेकर उन्होंने हमेशा ध्यान दिया. वह भारत के एकमात्र कप्तान हैं जिन्होंने तीनों आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम की है. धोनी के नेतृत्व में भारत ने 2007 टी20 विश्व कप, 2011 वनडे विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था.

फिटनेस को लेकर जागरूक रहे हैं धोनी : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी धोनी फिटनेस को लेकर जागरूक रहे. धोनी आईपीएल 2025 में खेले थे और वह इस लीग में खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं. धोनी ने आईपीएल 2026 में खेलने को लेकर फिलहाल कोई फैसला नहीं लिया है क्योंकि उनका कहना है कि वह सीजन शुरू होने से पहले देखेंगे कि उनका शरीर कितना फिट है.

एकांश सिंह के शतक के बाद भारत की सधी शुरुआत

एजेंसी। चेल्म्सफोर्

भारत बनाम इंग्लैंड
अंडर-19 यूथ टेस्ट दूसरा दिन

एकांश सिंह के जुझारू शतक की बदौलत इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 309 रन बनाए, जिसके जवाब में भारत अंडर-19 टीम ने दूसरे युवा टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 51 रन बना लिए थे. दिन का खेल बारिश के कारण प्रभावित रहा और सिर्फ 28.3 ओवर ही फेंके जा सके.स्टंप्स के समय आयुष म्हात्रे 20 रन और विहान मल्होत्रा 6 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे. भारत फिलहाल इंग्लैंड के स्कोर से 258 रन पीछे है.पहले दिन 66 रन बनाकर नाबाद लौटे एकांश सिंह ने कप्तान थॉमस रियू (59) के साथ छठे विकेट के लिए 90 रनों की अहम साझेदारी की थी. दूसरे दिन एकांश ने 155 गेंदों में 117 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल थे.उन्होंने जेम्स मिंटो (46) के साथ नौवें विकेट के लिए 100 रनों की अहम साझेदारी की. मिंटो ने भी 89 गेंदों में एक छक्का और छह चौके लगाए.भारत की ओर से लेग स्पिनर नमन पुष्पक ने सबसे सफल गेंदबाज़ी करते हुए 76 रन देकर चार विकेट चटकाए. इसके अलावा आदित्य रावत और आरएस अम्बरीश ने दो-दो विकेट लिए. हेनिल पटेल और विहान मल्होत्रा को एक-एक सफलता मिली.भारत की शुरुआत आक्रामक रही. ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने एलेक्स ग्रीन के ओवर में एक चौका और दो छक्के लगाए, लेकिन ग्रीन ने उन्हें एएम फ्रेंच के हाथों कैच करवाकर 20 रन पर पवेलियन भेजा.

ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने यूएस ओपन से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने वर्ष के अंतिम ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन से नाम वापस ले लिया है. झेंग कोहली की चोट से जूझ रही हैं जिस कारण वह इस टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकेंगी. यूएस ओपन 24 अगस्त से शुरू होगा. चीन की इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने दो दिन पहले घोषणा की थी कि उनकी दाहिनी कोहनी की लगातार दर्द के कारण आर्थोस्कोपिक सर्जरी हुई है. दुनिया में छठी रैंकिंग की खिलाड़ी झेंग पिछले महीने विंबलडन में पहले दौर में हार गई थीं.

कार्लोस अल्कारेज भी टोरंटो मास्टर्स से हटे

एजेंसी। टोरंटो

विश्व के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने टोरंटो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है. वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन की तैयारियों से पहले इस एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में अल्कारेज के नहीं खेलने से इसकी चमक फीकी पड़ गई है. अल्कारेज पहले ऐसे खिलाड़ी नहीं है जिन्होंने इस टूर्नामेंट से नाम वापस लिया है. अल्कारेज से पहले दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और पांचवें नंबर के खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने अगले सप्ताह शुरू होने वाली इस हार्ड कोर्ट प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया था. पांच बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन अल्कारेज विंबलडन के फाइनल में सिनर से हार गए थे और इस तरह से ऑल इंग्लैंड क्लब में लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूक गए थे.अल्कारेज ने बताया कि उन्होंने थकान के कारण टोरंटो मास्टर्स से हटने का फैसला किया है. अल्कारेज ने कहा, मैं अभी विंबलडन की थकान से उबर रहा हूं और इस कारण टोरंटो मास्टर्स में भाग नहीं ले पाऊंगा.

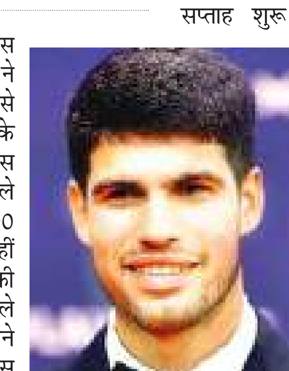

बिली जीन किंग कप फाइनल्स 16 सितंबर से शेनझेन में होगी

नई दिल्ली । डिफेंडिंग चैंपियन इटली और मेज़बान चीन के बीच मुकाबले के साथ बिली जीन किंग कप फाइनल्स की शुरुआत 16 सितंबर से शेनझेन में होगी. इस बात की जानकारी टूर्नामेंट आयोजकों ने सोमवार को दी.इटली की टीम में विश्व नंबर 9 जैस्मिन पाओलिनी शामिल हैं, जबकि चीन की अगुवाई ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन करेंगी. आमतौर पर यह टूर्नामेंट नवंबर में होता है, लेकिन इस बार इसे डब्ल्यूटीए टूर के एशियाई स्विंग के साथ तालमेल बैठाने के लिए सितंबर में आयोजित किया जा रहा है.स्पेन और यूक्रेन के बीच दूसरा क्वार्टरफाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा, जिसमें विश्व नंबर 10 पाउला बडोसा एक्शन में नजर आएंगी. इसके बाद 18 सितंबर को अमेरिका का मुकाबला कज़ाखस्तान से और ब्रिटेन का सामना जापान से होगा.सेमीफाइनल मुकाबले 19 और 20 सितंबर को खेले जाएंगे, जबकि फाइनल 21 सितंबर को होगा.

ढाका | भारत करा सकता है पाकिस्तान का बड़ा नुकसान

टी-20 एशिया कप 2025 पर लटकी है तलवार

एजेंसी। नयी दिल्ली

2025 टी-20 एशिया कप को लेकर अभी भी अनिश्चतता के बादल हैं. ये टूर्नामेंट इस साल आयोजित होगा या नहीं? अभी तक स्पष्ट नहीं है. 24-25 जुलाई को ढाका में एशियन क्रिकेट काउंसिल यानी एसीसी की एनुअल जनरल मीटिंग यानी एजीएम होनी है, लेकिन भारत ने बांग्लादेश में होने वाली इस मीटिंग से अपने हाथ खींच लिए हैं. श्रीलंका और अफगानिस्तान का सपोर्ट भी भारत को मिला है और वे भी इस मीटिंग का हिस्सा नहीं होंगे. भारत चाहता है कि एजीएम किसी न्यूट्रल वेन्यू पर आयोजित की जाए, क्योंकि बांग्लादेश में पिछले साल हुए तख्तापलट के बाद से हालात सामान्य नहीं हैं. इस पूरे परिदृश्य से पाकिस्तान के होश उड़े हुए हैं, क्योंकि उसे मोटा नुकसान एशिया कप के कैंसिल होने या पोस्टपोन होने से होने वाला है.पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी इस समय एसीसी के चेयरमैन हैं. इस टूर्नामेंट से होने वाली आय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के लिए अहम होती है. इस टूर्नामेंट की अनुमानित आय लगभग 1.16 अरब पाकिस्तानी रुपये है, जो वित्तीय वर्ष के लिए उसकी कुल अनुमानित आय 8.8 अरब पाकिस्तानी रुपये का हिस्सा है. पाकिस्तान ऑब्जर्वर की रिपोर्ट की मानें तो एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को आईसीसी डिस्ट्रिब्यूशन से मिलता है, कई सालों से एशिया कप उनकी वित्तीय योजना का एक प्रमुख घटक बना हुआ है.पीसीबी के सीईओ सुमैर अहमद ने सिंगापुर में आईसीसी की एनुअल कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया और उन्होंने ढाका की मीटिंग के लिए अन्य देशों से सपोर्ट की मांग की, लेकिन बीसीसीआई ने साफ तौर पर इस मीटिंग में शामिल होने से इनकार कर दिया है. क्रिकबज के मुताबिक, बीसीसीआई के इस रुख का समर्थन श्रीलंका और अफगानिस्तान ने भी कर दिया है. बीसीबी एक शॉर्ट नोटिस पर भी मीटिंग को आयोजित करने के लिए तैयार है. हालांकि, मामला अब जियो-पॉलिटिकल हो चुका है.कहा जा रहा है कि मोहसिन नकवी कथित तौर पर सिंगापुर में आईसीसी कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं हुए और अफगानिस्तान से समर्थन हासिल करने के लिए काबुल गए. हालांकि, सोमवार (21 जुलाई) तक, ऐसा माना जा रहा है कि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी एसीबी भारत के रुख से सहमत है और उसके ढाका में प्रतिनिधि भेजने की भी संभावना नहीं है. अगर यह बैठक नहीं हो पाती है या इसे अमान्य घोषित कर दिया जाता है, तो इससे 10 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले एशिया कप पर खतरा मंडरा सकता है.

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ब्रायन एमब्यूमो के साथ किया करार

एजेंसी। लंदन

इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ब्रेंटफोर्ड के फॉरवर्ड ब्रायन एमब्यूमो को 65 मिलियन पाउंड (लगभग 88 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में पांच साल के अनुबंध पर साइन कर लिया है. इस डील में 6 मिलियन पाउंड के अतिरिक्त इंसेंटिव भी शामिल हैं.कैमरून के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एमब्यूमो यूनाइटेड की इस गर्मी की तीसरी साइनिंग हैं. इससे पहले क्लब ने स्ट्राइकर मैथियस कुइन्हा और डिफेंडर डिएगो लियोन को साइन किया था. इस बीच खबरें हैं कि यूनाइटेड के स्टार विंगर मार्कस रैशफोर्ड एक सीजन के लिए एफसी बार्सिलोना में लोन पर जा सकते हैं. यह ट्रांसफर उस गाथा का अंत है जो पूरे समर ट्रांसफर विंडो में चर्चा में रही. मैनचेस्टर यूनाइटेड ने करीब डेढ़ महीने पहले एमब्यूमो के लिए अपनी पहली पेशकश की थी.एमब्यूमो ने क्लब की वेबसाइट पर अपने उत्साह को साझा करते हुए कहा,जैसे ही मुझे पता चला कि मैनचेस्टर यूनाइटेड में शामिल होने का मौका है, मैंने बिना देर किए यह फैसला किया. यह मेरे सपनों का क्लब है, जिसकी जर्सी मैंने बचपन में पहनी थी.एमब्यूमो अब लगभग निश्चित रूप से मैनचेस्टर यूनाइटेड के गुरुवार से शुरू होने वाले अमेरिकी प्री-सीजन टूर का हिस्सा होंगे.ब्रेंटफोर्ड के लिए अपने करियर में एमब्यूमो ने 242 मैचों में 70 गोल और 51 असिस्ट किए हैं. इनमें से 20 गोल पिछले सीजन में आए, जब क्लब यूरोपियन प्रतियोगिता में जगह बनाने से मामूली अंतर से चूक गया.

ब्रीफ न्यूज

बदुलिया घाट से दो ट्रैक्टर जब्त, चालक फरार

जयनगर (कोडरमा)। एनजीटी की रोक के बावजूद बदुलिया घाट पर अवैध बालू उठाव लगातार जारी है. सूचना पर सीओ गौतम कुमार व थाना प्रभारी बब्लू कुमार सिंह के नेतृत्व में छापेमारी कर बालू लदा दो ट्रैक्टर जब्त किया गया. कार्रवाई के दौरान दोनों चालक फरार हो गए. ट्रैक्टरों को जयनगर थाना लाया गया, जहां थाना कांड संख्या 175/25 दर्ज की गई है. प्रशासन ने कहा अवैध खनन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा.

वाहन की चपेट में आने से तीन मवेशी की मौत

चरही । चरही थाना क्षेत्र के चरही-घाटो मोड़ के पास 23 नंबर स्थित सड़क पर मंगलवार को किसी भारी अज्ञात वाहन ने तीन मवेशी को अपने चपेट में ले लिया.जिसकी मौत घटना स्थल पर ही हो गई.वाहन भागने में सफल रहा.सभी गया चरकर सड़क को पार कर रही थी.तभी किसी भारी वाहन ने अपने चपेट में ले लिया.इसकी जानकारी मिलते ही आस-पास के ग्रामीणों ने घटना स्थल पर पहुंचकर सड़क को जाम कर दिया.जो करीब चार घण्टों तक जाम रहा.जाम के कारण सीसीएल कोलियरी से कोयला लादकर चरही रेलवे साइडिंग में आपूर्ति करने वाले हाईवा वाहनों के कतार लग गए.इसकी सूचना मिलते ही चरही पुलिस स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों को काफ़ी समझाने बुझाने के बाद सड़क जाम को हटाने में सफल रहे.ज्ञात हो कि चरही-घाटो मार्ग पर सैकड़ों हाइवा वाहन सीसीएल कोलियरी कोयला लादकर तेज रफ्तार में चलते हैं.

करंट लगने से तीन मवेशियों की हुई मौत

सतगावां (कोडरमा)। थाना क्षेत्र के माधोपुर पंचायत अंतर्गत सेलारी गावँ में मंगलवार की सुबह करीब 10 बजे डाँटी फीडर की ग्यारह हजार वोल्ट की तार की चपेट में आने से दो दुधारू समेत तीन मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गयी. मिली जानकारी के मुताबिक सेलारी गांव में सड़क के दक्षिण दिशा भीठा के समीप सरबहना निवासी उज्ज्वल कुमार तथा चमारी यादव के दुधारू गाय रोज की तरह चर रही थी तभी ग्यारह हजार वोल्ट का तार टूट कर गिर गया. जिसकी चपेट में आने से दो दुधारू समेत तीन गाय की मौके पर ही मौत हो गयी.घटना के बाद ग्रामीणों के द्वारा इसकी सूचना विभागकर्मी को दी गई.तब विभाग कर्मियों के द्वारा विधुत कनेक्शन काटा गया. मृत मवेशियों में उज्वल कुमार की एक दुधारू गाय तथा चमारी यादव के दो गाय शामिल है. घटना के संबंध में पशुपालकों ने बताया कि इस हादसे भारी नुकसान हुआ है.

वीएलई की हड़ताल शुरू बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

जयनगर (कोडरमा)। प्रखंड के विभिन्न पंचायत में कार्यरत वीएलई ने अपने साथी शैलेंद्र सिंह द्वारा आत्महत्या कर लेने से आहत होकर दो दिनों की हड़ताल शुरू कर दी है. यह हड़ताल 24 जुलाई तक चलेगा. इस संबंध में उन्होंने एक ज्ञापन देकर प्रखंड विकास पदाधिकारी को सूचित किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि हम लोगों पर अनावश्यक दबाव नहीं बनाया जाए, पंचायती राज द्वारा निर्धारित मानदेय 7050 का नियमित भुगतान किया जाए. अभी अनियमित रूप से 2475 ही दिया जा रहा है, अगर इन बातों में सुधार नहीं किया गया तो हड़ताल आगे भी जारी रखी जाएगी ज्ञापन में भारी संख्या में वीएलई के हस्ताक्षर हैं. हड़ताल के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा.

स्वास्थ्य के क्षेत्र में जयंत सिन्हा की एक और बड़ी सौगात, डेमोटांड में सिन्हा हेल्थ इंस्टीट्यूट का भूमिपूजन

लोगों को देंगे विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ : जयंत

शुभम संदेश .हजारीबाग

हजारीबाग के पूर्व सांसद जयंत सिन्हा ने झारखंड को स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक और बड़ी सौगात दी है. उन्होंने डेमोटांड में 'सिन्हा हेल्थ इंस्टिट्यूट' की स्थापना करने का निर्णय लिया है.इस कार्य को सफल बनाने के लिए 22 जुलाई को इस इंस्टिट्यूट का विधि-विधान से भूमिपूजन संपन्न किया गया.

मौके पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित हुए.इस संस्थान की बिल्डिंग अगले 6 से 9 महीनों में बनकर तैयार हो जाएगी. साथ ही यहां मेडिकल उपकरण भी स्थापित कर दिए जाएंगे. जयंत सिन्हा द्वारा स्थापित किया जा रहा सिन्हा हेल्थ इंस्टिट्यूट एक गैर-लाभकारी संस्थान है, जिसका लक्ष्य झारखण्ड में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना है.झारखंड जयंत सिन्हा की जन्मभूमि के साथ कर्मभूमि भी है.इसलिए वे सदैव ही सेवा भाव से राज्य की प्रगति और उन्नति के लिए कार्यरत रहते हैं.उनके द्वारा स्थापित किया जा रहा यह संस्थान प्रतिबद्धता, करुणा, समानता और सेवा के मूल्यों से प्रेरित होकर जनता के कल्याण के लिए कार्य करेगा.

डेमोटांड में स्थापित किये जा रहे इस संस्थान में जनता को एमआरआई, पैथोलॉजी लैब, एक्सरे, सिटी स्कैन, ओपीडी और मेडिकल शॉप जैसी विभिन्न उच्चस्तरीय सुविधाओं का लाभ प्रदान किया जायेगा.जयंत सिन्हा का प्रयास अगले 6 महीनों में यहाँ एमआरआई मशीनों को स्थापित करना है.वर्तमान में झारखंड में एमआरआई मशीनें काफी कम संख्या में हैं, जिससे मरीजों को बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है.इन मशीनों के आने से लोगों को एमआरआई जैसी सुविधाओं के लिए रांची और झारखंड से बाहर नहीं जाना पड़ेगा. लोगों को हज़ारीबाग में ही विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधा प्राप्त हो सकेगी.जयंत सिन्हा इस संस्थान में मरीज़ों को आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजना से जोड़ेंगे ताकि उन्हें निशुल्क इलाज़ का लाभ मिले.इस संस्थान के मेडिकल डायरेक्टर डॉ एस. के. सिन्हा होंगे.साथ ही इस संस्थान से विश्वस्तरीय चिकित्सक जुड़ें हैं जिनके सहयोग और मार्गदर्शन में मरीजों को चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी । सिन्हा हेल्थ इंस्टीच्यूट को महाजन इमेजिंग और लैब्स जैसे प्रसिद्ध राष्ट्रीय संस्थान से तकनीकी सहायता मिल रही है .

स्वतंत्रता दिवस को लेकर तैयारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

मुख्य समारोह बागीटाड़ स्टेडियम में होगा आयोजित

शुभम संदेश ।कोडरमा

स्वतंत्रता दिवस 2025 के सफल आयोजन को लेकर समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई.

बैठक में मुख्य समारोह के रूप में बागीटाड़ स्टेडियम, कोडरमा में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा हुई.बैठक में समाहरणालय, मुख्य समारोह स्थल और अन्य सरकारी कार्यालयों में झंडोत्तोलन की प्रक्रिया, समय निर्धारण तथा समुचित तैयारियों की समीक्षा की गई. कार्यपालक अभियंता को स्टेडियम की साफ-सफाई, रंग-रोगन और साज-सज्जा के निर्देश दिए गए.

जिले भर में महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई और माल्यार्पण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी.मुख्य समारोह में जिला बल, सीआरपीएफ, होमगार्ड और वनरक्षी बल की टुकड़ियों द्वारा परेड की प्रस्तुति की जाएगी. समारोह की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. मैदान के समतलीकरण, डस्ट बिछाने, पेयजल, शौचालय और चिकित्सा सुविधा के इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं.नगर परिषद झुमरी तिलैया व नगर पंचायत कोडरमा को चौक-चौराहों की सजावट, सफाई और विद्युतीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए. बैठक में उप विकास आयुक्त रवि जैन, अपर समाहर्ता पूनम कुजुर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे.

उपायुक्त ने की जन शिकायत पोर्टल के लंबित मामलों की समीक्षा

कोडरमा. उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जन शिकायत कोषांग के तहत लंबित आवेदनों की समीक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित मामलों की विभागवार समीक्षा करते हुए शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए गए.उपायुक्त ने ग्रामीण कार्य, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, समाज कल्याण, उत्पाद, पर्यटन, लघु सिंचाई, तथा प्रखंड व अंचल कार्यालयों से जुड़े आवेदनों पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की शिकायतों का समाधान समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से करना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है.बैठक में जन शिकायत पोर्टल पर दर्ज मामलों की नियमित मॉनिटरिंग और त्वरित निष्पादन की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया. उपायुक्त ने विभागों को निर्देशित किया कि किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाए और सभी आवेदनों का निपटारा निर्धारित समय सीमा में किया जाए.बैठक में उप विकास आयुक्त रवि जैन, अपर समाहर्ता पूनम कुजुर, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश पुर्णेंदु, जिला पंचायती राज पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे.

वित्तीय साक्षरता व निर्णय क्षमता पर मिला प्रशिक्षण

रामगढ़। टाउन हॉल, रामगढ़ में मंगलवार को "सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान" के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी एवं जिला पंचायती राज पदाधिकारी निशा कुमारी सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यशाला में बड़ी संख्या में महिला मुखिया, वार्ड सदस्य, जनप्रतिनिधि, डीपीएम तथा सभी प्रखंड समन्वयक उपस्थित रहे.इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिला जनप्रतिनिधियों की नेतृत्व क्षमता को मजबूत करना, पंचायती राज संस्थाओं में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देना एवं ग्राम स्तर पर सुशासन सुनिश्चित करना था. प्रशिक्षण सत्र के दौरान महिला प्रतिनिधियों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई, साथ ही प्रबंधन कौशल, वित्तीय साक्षरता एवं निर्णय लेने की क्षमता पर विशेष मार्गदर्शन दिया गया.जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी ने कहा कि महिला प्रतिनिधियों का सशक्तिकरण सामाजिक विकास का मूल है. जिला पंचायती राज पदाधिकारी निशा कुमारी सिंह ने भी पंचायत व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका, उनके अधिकारों और दायित्वों पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने पंचायतों में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ाने के लिए महिला नेतृत्व को अहम बताया.कार्यशाला में महिलाओं की भागीदारी और जागरूकता उत्साहजनक रही, जिससे भविष्य में पंचायती व्यवस्था को और अधिक मजबूत आधार मिलेगा.

गोपाल गोप हत्याकांड का खुलासा

बाइक सटने पर हुई थी मारपीट गुस्से में किया गोपाल का कत्ल

शुभम संदेश ।कालूबथान

जाग्रति उच्च विद्यालय के पीछे हुई गोपाल गोप की हत्या के मामले में कालूबथान पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है. पुलिस ने इस हत्याकांड को सुलझाते हुए आरोपी देवदास दसन्धि को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. कालूबथान ओपी प्रभारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मृतक राजू गोप के पुत्र गोपाल गोप की हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि खोखरा पहाड़ी, बरबाड़ी का निवासी देवदास दसन्धि ने की थी. पूछताछ के दौरान देवदास ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है. उसने बताया कि गोपाल ने बाइक से उसे टक्कर मार दी थी. इसी बात पर उससे मारपीट हो गई और मारपीट में उसकी मौत हो गई. डर से वारदात को लूट जैसा दिखाने के लिए उसकी बाइक और मोबाइल को ले लिया था. उसकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या के समय मृतक से संबंधित गमछा, चप्पल, मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी बरामद कर लिए हैं. पुलिस ने यह भी खुलासा किया कि हत्या में उपयोग की गई मोटरसाइकिल का असली नंबर WB-38AW-7411 था, जिसे छिपाने के लिए उसका नंबर प्लेट बदलकर JH-10CH/9165 कर दिया गया था. पुलिस ने इस नंबर प्लेट की हेराफेरी का भी पता लगा लिया है. आरोपी को कांड संख्या 372/25 और धारा 103(1), 238/3(5) के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है.

अवैध विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन

शुभम संदेश ।चतरा

उपायुक्त कीर्तिश्री जी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग चतरा द्वारा अवैध विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन किया गया. मौके पर काफी संख्या में अवैध नकली अंग्रेजी शराब बरामद किया गया. यह कार्रवाई जिले के वशिष्ठ नगर थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में थाना क्षेत्र के कटैया गांव स्थित एक पोल्ट्री फार्म की आड़ में संचालित अवैध विदेशी शराब निर्माण की मिनी फैक्ट्री के विरुद्ध की गई.प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि कटैया गांव के रहने वाले मुन्ना साव, छोटू साव एवं अशोक साव द्वारा संचालित इस मिनी फैक्ट्री में स्पिरिट के साथ कृत्रिम कैरेमल और एसेंस मिलाकर नकली शराब तैयार की जा रही थी.

तैयार शराब को ब्रांडेड विदेशी शराब की बोतलों में भरकर, नकली लेबल और होलोग्राम लगाकर ड्राई स्टेट बिहार के विभिन्न बाजार में खपाने की तैयारी की जा रही थी. मौके पर घटनास्थल से बोतलबंद विदेशी शराब की 598 बोतल (लगभग 291.015 लीटर),तैयार नकली रंगीन शराब 20 लीटर, स्पिरिट 90 लीटर, 8 पीएम व्हिस्की एवं आइकॉनिक व्हाइट व्हिस्की के नकली लेबल, नकली होलोग्राम, शराब पैकिंग एवं बोतलबंदी के उपकरण बरामद किया गया. इस कार्रवाई के दौरान अवैध कारोबार में संलिप्त सभी आरोपी मौके से जंगल की ओर फरार हो गए. उनकी गिरफ्तारी हेतु निरंतर छापामारी अभियान जारी है.

मामले में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध झारखंड उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया जा रहा है.इस बाबत उत्पाद अधीक्षक सुजीत कुमार ने जानकारी दी कि उपायुक्त के निर्देशानुसार यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई है. उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध सख्त अभियान चला रहा है, और आगे भी इसी प्रकार की सघन छापामारी जारी रहेगी. छापामारी दल में आशीष कुमार पांडेय अवर निरीक्षक उत्पाद, अभिषेक आनंद अवर निरीक्षक उत्पाद, उत्पाद आरक्षी दल, गृहरक्षक बल, महिला गृह रक्षक, वशिष्ठ नगर थाना की पुलिस टीम समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे.

समझौता स्मार्ट मीटर बिल विवाद पर कार्यपालक अभियंता ने की परसाबाद में बैठक

बाजार बंदी टली, कल त्रुटि सुधार को लगेगा कैंप

शुभम संदेश ।जयनगर

स्मार्ट मीटर से बिजली बिल में बेतहाशा वृद्धि के विरोध में बुधवार को प्रस्तावित परसाबाद बाजार बंदी को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है. गौरतलब है कि इस मुद्दे पर रविवार को कटिया शिव मंदिर धर्मशाला में उपभोक्ताओं की आपात बैठक हुई थी, जिसमें सर्वसम्मति से बुधवार को बाजार बंद करने का फैसला लिया गया था. इस खबर को शुभम संदेश अखबार ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था. खबर का व्यापक असर यह हुआ कि मंगलवार को कार्यपालक अभियंता रणधीर कुमार परसाबाद पहुंचे और उपभोक्ताओं, व्यवसायियों तथा ग्रामीणों के साथ बैठक की. बैठक में लोगों ने बिजली विभाग को बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनका बिल दो से तीन गुना तक बढ़ गया है. इससे गरीब, व्यवसायी और मध्यम वर्ग सभी प्रभावित हैं.कनीय अभियंता ने उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया कि गुरुवार को परसाबाद बाजार में विशेष कैंप लगाकर बिलों की जांच की जाएगी. जिन उपभोक्ताओं के बिल में त्रुटि होगी, उसे तत्काल दुरुस्त किया जाएगा आगे कहा कि जिन ग्रामीणों को नया कनेक्शन लेना है उसे नया कनेक्शन दिया जाएगा.अभियंता ने कहा कि स्मार्ट मीटर से वास्तविक खपत का ही बिल बनता है, लेकिन अगर रीडिंग या तकनीकी गड़बड़ी के कारण बिल ज्यादा आया है तो उसे सुधारने में विभाग देर नहीं करेगा.व्यवसायियों और ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर कैंप के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो बाजार बंद कर उग्र आंदोलन किया जाएगा. बैठक में जिप सदस्य केदारनाथ यादव,जनार्दन मोदी, मोहन स्वर्णकार, सुनील यादव, आशीष गुप्ता,रवि चौधरी, कुंदन मोदी, ध्रुव गुप्ता, संजय बिहारी, विवेक गुप्ता, हरिहर मोदी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे. स्थानीय लोगों ने कहा कि अखबार में खबर प्रकाशित होने के बाद विभाग हरकत में आया, अन्यथा समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं था.

एनटीपीसी ने चलाया है विशेष स्वच्छता अभियान

हजारीबाग। केरेडारी एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना ने अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी कार्यक्रम के तहत झारखंड की वंचित बिरहोर जनजाति समुदाय के लिए एक विशेष स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान चलाया.मानसून में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसे मच्छर जनित रोगों के बढ़ते खतरे को देखते हुए बिरहोर बस्तियों में कीटनाशक और मच्छर रोधी दवाओं का छिड़काव किया गया. जंगलों में निवास करने वाली यह जनजाति पारंपरिक जीवनशैली पर निर्भर रहती है और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से प्रायः वंचित रह जाती है.इस अभियान का उद्देश्य न केवल बीमारियों से सुरक्षा देना है, बल्कि स्वास्थ्य व स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी फैलाना है. कंपनी ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना उनकी प्रतिबद्धता है और यह प्रयास उसी दिशा में एक सार्थक पहल है.

एक नजर

रेलवे ट्रैक के पास मिला शव

गोमो (शुभम संदेश)। डोंमनपुर (नेरो) गांव निवासी देवी लाल महतो के 34 वर्षीय पुत्र बबलू महतो की रहस्यमयी मौत ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया है. मंगलवार शाम जब बबलू का शव गांव लाया गया, तो परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया. पत्नी और छोटी पुत्री बेसुध हो गईं, वहीं ग्रामीणों ने किसी तरह स्थिति को संभाला. मिली जानकारी के अनुसार, बबलू महतो रोजगार की तलाश में आसनसोल स्थित एक कोल कंपनी में मजदूरी करने गया था. बीते शुक्रवार को उसका शव चुरुलिया रेलवे लाइन के किनारे बरामद किया गया. हालांकि उसकी पहचान तत्काल नहीं हो सकी और शव एक दिन तक आसनसोल थाने में पड़ा रहा. रविवार को परिजनों को घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद वे आसनसोल पहुंचे. कागजी प्रक्रिया में काफी समय लगने के कारण शव मंगलवार को गांव लाया जा सका. परिजनों ने बताया कि शुक्रवार को बबलू ने घर फोन किया था और फिर किसी अन्य व्यक्ति से 200 उधार लेकर मोबाइल रिचार्ज कराने गया था, जिसके बाद से वह लापता हो गया. शव की बरामदगी और घटनास्थल की परिस्थिति को देखते हुए मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. देर शाम गांव में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया.

किसान चौक पर पुलिस की चेकिंग

बरवाअड्डा (शुभम संदेश)। मंगलवार शाम को बरवाअड्डा थाना अंतर्गत किसान चौक के समीप सार्जेंट मेजर राकेश कुमार दुबे और ट्रैफिक थाना प्रभारी लव कुमार के नेतृत्व वाहन जांच अभियान चलाया गया. जांच में दो पहिया वाहन चालकों का हेलमेट के साथ-साथ वाहन के सभी कागजात आदि की जांच की गई. इस दौरान जिन वाहनों के शीशे में काली फिल्म लगी थी, उसे उतारा गया. जांच के दौरान बिना हेलमेट और वाहनों के कागजात न होने पर दर्जनों वाहनों का चालान काटा गया. जेएमएम नेता के वाहन लगी काली फिल्म भी उतारी गई. इस संबंध में शार्जेंट मेजर राकेश कुमार दुबे और यातायात थाना प्रभारी लव कुमार ने कहा कि मुख्य सड़क या सर्विस लेन में सड़क या सर्विस रोड में वाहनों को पार्क करने वाले खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

पूर्वी टुंडी में अवैध बालू खनन पर बढ़ी सख्ती

टुंडी (शुभम संदेश)। एनजीटी और जिला प्रशासन के निर्देश पर पूर्वी टुंडी में अवैध बालू खनन और परिवहन पर सख्ती बढ़ा दी गई है. गोबिंदपुर-साहिबगंज मुख्य सड़क स्थित पोखरिया चौक पर अस्थायी चेक नाका स्थापित कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है. मंगलवार को अंचलाधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल ने चेक नाके का निरीक्षण कर दंडाधिकारी को निर्देश दिए. साथ ही गुंडुवा मोड़ (निरसा क्षेत्र) में भी 24 घंटे सक्रिय निगरानी की जा रही है. हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि यह कार्रवाई महज दिखावा है और असली अवैध कारोबार रात के अंधेरे में होता है. उन्होंने पूर्व में तैनात अधिकारियों पर बालू से अवैध कमाई के गंभीर आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है.

अतिक्रमण पर मुखिया और सचिव को नोटिस जारी

टुंडी(शुभम संदेश) । पूर्वी टुंडी प्रखंड के चुरुरिया पंचायत में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण को लेकर प्रखंड प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है. बीडीओ पुष्कर सिंह मुंडा ने पंचायत मुखिया कन्हाई चंद्र चार और सचिव रामसागर राम को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है. आरोप है कि पंचायत सचिवालय से सटी सरकारी जमीन पर पवन दां और मालो दां ने बाउंड्री वॉल और करकट की छत वाला मकान बना लिया, जिसकी जानकारी न तो मुखिया ने प्रशासन को दी और न ही सचिव ने. इससे दोनों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं. बीडीओ ने पूछा है कि अतिक्रमण की समय रहते सूचना क्यों नहीं दी गई और अब तक इस पर रोकथाम की कोई पहल क्यों नहीं हुई. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी. इस कार्रवाई से पंचायत क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और अन्य पंचायतों को भी सतर्क रहने का संदेश गया है.

आश्वासन के बाद आदिवासी महिला का धरना समाप्त

निरसा बाजार (शुभम संदेश)। फर्जी पुत्र बनकर नौकरी करने वाला कर्मी पर कार्रवाई की मांग को लेकर आदिवासी महिला पोबी मोदी द्वारा पिछले एक सप्ताह से दिया जा रहा धरना मंगलवार को प्रबंधन के लिखित आश्वासन के बाद आठवें दिन समाप्त हो गया. एरिया क्षेत्रीय उपकार्मिक प्रबंधक विवेकानंद सिंह ने धरना स्थल पर पहुंचे. उन्होंने 31 जुलाई तक विभागीय कार्रवाई का लिखित आश्वासन दिया. साथ ही धरना पर बैठे पबी मोदी को जूस पिलाकर धरना समाप्त करवाया.

4 लेन पर अतिक्रमणकारियों को 24 घंटे की मोहलत

निरसा बाजार (शुभम संदेश)। निरसा हटिया चौक पर मंगलवार को एसडीएम राजेश कुमार ने फोर लेन सड़क से अतिक्रमण हटाने को लेकर वाहन से अनाउंसमेंट करवाया. फोर लेन पर दुकान लगाने वालों को अतिक्रमण हटाकर जल्द से जल्द खाली करने का आदेश दिया. आदेश नहीं मानने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. मौके पर उन्होंने सीओ रमेश कुमार रविदास को निर्देश दिया कि कल से सड़क के अतिक्रमण को पूरी तरह से खाली कराया जाए और फोर लाइन को चालू कराया जाए ताकि सड़क निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जा सके.

पुत्र पर नगदी और जेवरात लेकर भागने का आरोप

लोयाबाद (शुभम संदेश)। लोयाबाद थाना क्षेत्र के सात नंबर निवासी नजमा खातून ने अपने छोटे पुत्र राजा अंसारी पर घर से 40 हजार रुपये नगद और सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार होने का आरोप लगाया है. इस संबंध में उन्होंने लोयाबाद थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है. नजमा खातून, जो मोहम्मद आशिक अंसारी की पत्नी हैं, ने अपनी शिकायत में बताया कि उनका पुत्र राजा अंसारी बीते दिनों घर से नकद राशि और जेवर लेकर चुपचाप भाग गया. शिकायत के अनुसार, घर में रखे जेवरात में सोने की चेन और चांदी की पायल आदि शामिल हैं. घटना से परिवार मानसिक रूप से परेशान है.

पेज 3 का शेष

आईजी ने लिया तैयारियों का जायजा...

समीक्षा बैठक के दौरान एयरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल तक रूट लाइन में आने वाले गोल चक्कर, कट, गति अवरोधक इत्यादि का बारीकी से निरीक्षण करने का निर्देश भी दिया गया. बैठक में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) क्रांति कुमार गड़िदेशी, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, डीएसपी मुख्यालय 2 धीरेन्द्र नारायण बंका, डीएसपी सीसीआर सुमित कुमार, डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम, डीएसपी मुख्यालय 1 शंकर कामती, डीएसपी ट्रैफिक अरविन्द सिंह, डीएसपी साइबर संजीव कुमार मौजूद थे.

झारखंड-बंगाल बार्डर पर...

चालक खुर्शीद ने बताया कि अधिकारियों को गाड़ी वजन करने की बात कही तो उन्होंने इंकार कर दिया. जब वे 32 हजार चुकाने के लिए तैयार थे, लेकिन कहा कि जितना वजन एमवीआई बता रहा उतना कांटा करवा कर दिखाना होगा. अब उनसे सीधे कहा जा रहा है कि जो फाइन ऑन लाइन काटा गया, पहले उसे भरना होगा. इसके बाद जहां जाना है चले जाओ. सोमवार को आसनसोल कोर्ट के एक अधिवक्ता को उन्होंने बुलाया था, उनके साथ भी एमवीआई और उसके सहयोगियों ने ठीक व्यवहार नहीं किया. मंगलवार कुछ अन्य ट्रक भी इन अधिकारियों से नाराज होकर एकजुट हुए और हंगामा करने लगे. तब उनसे 6200 रुपए की मांग कर दी गई. तीन दिन गुजर गए हैं लेकिन उनके जैसे कई ट्रक और ट्रेलर चालक इनकी मनमानी से यहां फंसे हुए हैं. ट्रक चालकों ने राज्य सरकार से मांग की है कि ऐसे अधिकारियों पर अंकुश लगाई जाए, क्योंकि यहां पूरे देशभर के चालक और सामान आते हैं, इन अधिकारियों की मनमानी से पूरे देश में बंगाल की छवि को नुकसान हो रहा है. इस सन्दर्भ में एमवीआई अधिकारियों से पूछने पर कुछ भी बताने से इंकार कर दिया. गोल मटोल जवाब देकर बात करने लगे, कहने लगे दूसरे शिफ्ट की ड्यूटी थी. बताते चलें कि आए दिन यहां पर दलालों के माध्यम से ओवर लोड, ओवर हाईट मालवाहक वाहनों का अवैध इंट्री कराई जाती है, ये दलाल किस्म के लोग एमवीआई के ही खास होते हैं, जिसका इंट्री नहीं, उस पर मनमाना जुर्माना लगा दिया जाता है. इतना ही नहीं एमवीआई द्वारा गाड़ियों को पकड़ने के लिए कई बार पीछा भी किया जाता है और ऐसे में भीषण सड़क दुर्घटना भी हो चुकी हैं. घटना के बाद मौके से एमवीआई पेट्रोलिंग वाहन सीधे रफ्फूचक्कर हो जाते हैं. सरकार को टैक्स की बात कह कर ये लोग प्रत्येक दिन लाखों की चांदी काट रहे हैं.

न्यूज अपडेट

अमूल फेडरेशन के नए चेयरमैन बने अशोक चौधरी

गांधीनगर। महेसाणा दूध सागर डेयरी के वर्तमान चेयरमैन अशोक चौधरी को गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जिसे दुनिया भर में अमूल ब्रांड के नाम से जाना जाता है) का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है. चौधरी की नियुक्ति से उत्तर गुजरात के दुग्ध उत्पादकों के हितों को नई दिशा मिलने की अपेक्षा जताई जा रही है. विसनगर तालुका के चित्रोडीपुरा गांव निवासी अशोक चौधरी मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं और व्यापार क्षेत्र में सक्रिय हैं. वे साल 1995 से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हैं और प्राथमिक सदस्य के रूप में राजनीतिक करियर की शुरुआत के बाद शहर और जिले में विभिन्न पदों पर रहते हुए पार्टी के लिए कार्य कर चुके हैं.

अमेरिका की सरकारी एजेंसियों और कंपनियों पर हैकर्स का हमला

वाशिंगटन। हैकर्स ने माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर का इस्तेमाल करने वालों की चिंता बढ़ा दी है. माइक्रोसॉफ्ट के शेयरपॉइंट एप्लिकेशन में कमजोरी का फायदा उठाते हुए हैकर्स ने अमेरिका की सरकारी एजेंसियों और कंपनियों पर बड़ा साइबर हमला किया है. अमेरिकी सरकार, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने इसकी जांच शुरू कर दी है. द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, अधिकारियों और निजी शोधार्थियों ने पुष्टि की है कि हैकर्स ने माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर का प्रयोग करने वालों को निशाना बनाया है. इनमें अमेरिका की सरकारी एजेसिंया और कुछ नामी-गिरामी कंपनियां भी हैं. यह वैश्विक हमला है. विशेषज्ञों का कहना है कि हजारों सर्वर खतरे में हैं. माइक्रोसाफ्ट ने इस खामी से निपटने के लिए कोई उपाय भी नहीं बताए हैं.

133 किलो गांजे से भरी कार को खाई में गिरा कर तस्कर फरार

काठमांडू। नेपाल से तस्करी के लिए भारत ले जाए जा रहे 133 किलो गांजा से भरी कार को उसमें सवार कार चालक समेत तीन लोग उसे खाई में गिरा कर फरार हो गए. रौतहट जिले के पुलिस उपाधीक्षक राजन कार्की ने मंगलवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि नियमित जांच के लिए एक कार को रोकने का संकेत दिया गया, लेकिन चालक ने कार नहीं रोकी और पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ते हुए कार लेकर वह फरार हो गया. पुलिस टीम ने कार का पीछा किया, लेकिन कार को खाई में गिराने की कोशिश कर वे फरार हो गये. कार में चालक समेत तीन लोग सवार थे. पुलिस उपाधीक्षक कार्की के मुताबिक कार सड़क किनारे करीब 25 मीटर नीचे झांझ खोला किनारे अटक गयी थी जिसे क्रेन के सहारे निकाला गया.

पाकिस्तान के उच्च सदन सीनेट में सत्तारूढ़ गठबंधन को दो-तिहाई बहुमत मिला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सत्तारूढ़ गठबंधन ने उच्च सदन सीनेट में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया. इसमें पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है. उसके बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग- नवाज (पीएमएल-एन) हैं. द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, पीपीपी ने उच्च सदन में 26 सीटें हासिल की हैं. उसके बाद पीटीआई के पास 16 सीनेटर हैं और छह स्वतंत्र सांसदों का भी समर्थन है. पीएमएल-एन के पास अब 20 सीटें हैं. बलूचिस्तान अवामी पार्टी (बीएपी) के पास चार सीटें हैं. मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) और अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) के पास तीन-तीन सीनेटर हैं.

हॉलीवुड अभिनेता मैल्कम-जमाल वार्नर का 54 वर्ष की आयु में निधन

सैन जोस। मध्य अमेरिका स्थित कोस्ट रिका में परिवार के साथ छुट्टियां मनाने गए हॉलीवुड अभिनेता मैल्कम-जमाल वार्नर नहीं रहे. 54 वर्षीय वार्नर समुद्र में तैरते वक्त तेज लहरों की चपेट में आ गए. सांस रुकने की वजह से उनकी जान चली गई. कोस्टा रिका पुलिस ने रविवार को लिमोन शहर के कोक्लेस बीच के पास उनके शव की पहचान की. सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, वार्नर के परिवार में पत्नी और एक बेटी हैं. अस्सी के दशक के टीवी पर 'थियो' बनकर उन्होंने खास पहचान बनाई थी. मात्र 14 साल की उम्र में धारावाहिक 'द कॉस्बी शो' में उन्होंने आम मध्यमवर्गीय अश्वेत युवा की जिंदगी को पर्दे पर जिया. न्यू जर्सी के मूल निवासी वार्नर ने नौ साल की उम्र में अभिनय करना शुरू किया और 'फेम' जैसे शो में नजर आए.

नासा के बजट में कटौती के विरोध में 300 से अधिक कर्मियों ने लिखा पत्र

वॉशिंगटन। ट्रंप प्रशासन द्वारा प्रस्तावित नासा बजट में कटौती के विरोध में 300 के करीब वर्तमान और पूर्व कर्मचारी सामने आए हैं. इन सभी ने अंतरिम प्रशासक को संबोधित करते हुए एक पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें इस फैसले का कड़ा विरोध किया गया है. इस पत्र को ₹वॉयेजर डिक्लेरेशन नाम दिया गया है. इस पत्र में उल्लेख किया गया है कि पिछले छह महीनों में नासा में तेज और अपव्ययी बदलाव किए गए हैं, जो एजेंसी की मूल कार्यप्रणाली और सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं. पत्र नव-नियुक्त अंतरिम प्रशासक और परिवहन सचिव सीन डफी को संबोधित किया गया है, जिन्हें इस माह की शुरुआत में नासा का कार्यवाहक प्रमुख नियुक्त किया गया था. हस्ताक्षरकर्ताओं में छह पूर्व अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं. उनके अनुसार, प्रस्तावित बजट कटौती से जनसंपत्ति का नुकसान, मानव सुरक्षा में जोखिम, राष्ट्रीय सुरक्षा की कमजोरी, और नासा के वैज्ञानिक मिशन की नींव कमजोर हो सकती है.

बांग्लादेश विमान हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ कर 27 हुई, 78 घायल, पांच की हालत नाजुक

- दुर्घटना में घायल कम से कम 78 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है

एजेंसियां ।ढाका

बांग्लादेश वायुसेना के प्रशिक्षण लड़ाकू विमान के राजधानी ढाका के उत्तरा में सोमवार को माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज की इमारत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है. इनमें 25 बच्चे शामिल हैं. इस विमान हादसे की जांच वायुसेना अपने स्तर पर भी कर रही है.

द डेली स्टार की खबर के अनुसार, मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) प्रो. मोहम्मद सईदुर रहमान ने आज सुबह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी में संवाददाता सम्मेलन में मृतकों की संख्या की पुष्टि की.

उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में घायल कम से कम 78 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है. उनमें से पांच की हालत गंभीर है. रहमान ने कहा कि मृतकों में 25 बच्चे हैं. इन बच्चों में कई तो 12 साल से कम उम्र के हैं. अन्य दो मृतकों में विमान का पायलट और स्कूल शिक्षिका शामिल हैं. उन्होंने बताया कि अब तक 20 शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं. अस्पताल के अधिकारियों का कहना है कि पीड़ितों के रिश्तेदारों और अन्य लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए राष्ट्रीय बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी संस्थान में सेना तैनात की गई है.

उल्लेखनीय है कि चीन में निर्मित इस प्रशिक्षण लड़ाकू विमान एफ-7 बीजीआई में उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद तकनीकी खराबी आ गई थी. बांग्लादेश इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, इस विमान ने दोपहर 1:06 बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी. इसके कुछ देरबाद यह विमान दुर्घटनागस्त हो गया. अग्निशमन सेवा नियंत्रण कक्ष की ड्यूटी ऑफिसर लीमा खानम ने कहा था कि हमें दोपहर 1:18 बजे इस हादसे की सूचना मिली. कुछ खबरों में हादसे का समय 1०:30 बजे बताया गया.

मोदी की यात्रा के दौरान ब्रिटेन एफटीए पर हस्ताक्षर होने की संभावना

मोदी 23 से 26 जुलाई तक रहेंगे ब्रिटेन, मालदीव की यात्रा पर

एजेंसी ।नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कल से शुरू हो रही ब्रिटेन यात्रा के दौरान दोनों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर होने की संभावना है. श्री मोदी कल ब्रिटेन की यात्रा पर लंदन के लिए रवाना होंगे और वहां से सीधे मालदीव जाएंगे और 26 जुलाई को माले में मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के बाद स्वदेश लौटेंगे.

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री की दो देशों की यात्रा की जानकारी दी. श्री मिस्री ने संकेत दिये कि श्री मोदी की ब्रिटिश प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात के दौरान भारत ब्रिटेन एफटीए की घोषणा हो सकती है. उन्होंने ये संकेत भी दिये कि श्री मोदी ब्रिटिश सरकार के साथ खालिस्तानी आतंकवादियों एवं ऊर्जा सुरक्षा के मुद्दे पर दो टूक शब्दों में भारत की चिंताओं को रखेंगे.

मिस्री ने कहा, प्रधानमंत्री कल, 23 जुलाई को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीरस्टार्मर के साथ चर्चा के लिए ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे. वह किंग चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात करेंगे. भारत और ब्रिटेन, दोनों देशों के व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत की भी योजना है. पदभार ग्रहण करने के बाद से यह प्रधानमंत्री की ब्रिटेन की चौथी यात्रा होगी. प्रधानमंत्री मोदी की मालदीव यात्रा पर विदेश सचिव ने कहा, प्रधानमंत्री की मालदीव यात्रा 25 और 26 जुलाई को होगी. वह मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा पर जा रहे हैं. इस अवसर पर प्रधानमंत्री मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि होंगे. यह प्रधानमंत्री की मालदीव की तीसरी यात्रा होगी और नवंबर 2023 में

पदभार ग्रहण करने के बाद से राष्ट्रपति मुइज्जू द्वारा आयोजित किसी शासनाध्यक्ष की पहली राजकीय यात्रा होगी. प्रधानमंत्री की ब्रिटेन की यात्रा के विवरण को साझा करते हुए विदेश सचिव ने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, भारत-ब्रिटेन साझीदारी को 2021 में एक व्यापक रणनीतिक साझीदारी में उन्नत किया गया था और तब से, नियमित रूप से उच्च स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान हुए हैं और दोनों पक्ष इस साझीदारी को और भी ऊँचे स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री और उनके समकक्ष, ब्रिटिश विदेश सचिव के स्तर पर नियमित बैठकें होती रहती हैं और रणनीतिक मुद्दों, वित्तीय, आर्थिक, ऊर्जा-संबंधी मुद्दों के साथ-साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी से निपटने के लिए मंत्री स्तर पर कई अन्य संस्थागत तंत्र भी हैं. 2023-24 में हमारा द्विपक्षीय व्यापार 55 अरब डॉलर को पार कर गया. ब्रिटेन भारत में छठा सबसे बड़ा निवेशक भी है, जिसका निवेश 36 अरब डॉलर है और दिलचस्प बात यह है कि भारत स्वयं ब्रिटेन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का एक बड़ा स्रोत है, जिसका सकल निवेश लगभग 20 अरब डॉलर है. रक्षा क्षेत्र में हम सशस्त्र बलों की सभी तीन शाखाओं के बीच नियमित बातचीत और अभ्यास देख रहे हैं.

ब्रिटेन-भारत मुक्त व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर मिस्री ने कहा, ₹छह मई को प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के बीच बातचीत हुई थी, जिसमें घोषणा की गई थी कि दोनों पक्षों ने मुक्त व्यापार समझौते और अन्य मुद्दों पर बातचीत पूरी कर ली है. तब से, दोनों पक्ष एक-दूसरे के बहुत निकट संपर्क में हैं. हम आपको उचित समय पर इससे संबंधित अंतिम विवरण से अवगत कराएंगे.

भारत में आर्थिक अपराधों में वांछित भगोड़ों के बारे में पूछे जाने पर विदेश सचिवने कहा, ब्रिटेन में भारतीय कानून और न्याय से भगोड़ों से संबंधित कुछ मुद्दे हैं. ये दोनों पक्षों के बीच चर्चा का विषय रहे हैं और हम ब्रिटिश सरकार द्वारा इन भगोड़ों को भारत में सौंपे जाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं. ज़ाहिर है, दूसरे देश में ऐसे अनुरोधों और ऐसे मुद्दों के लिए एक कानूनी प्रक्रिया होती है और हम इन मामलों पर ब्रिटेन में अपने सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं.

ब्रिटेन में खालिस्तानी उग्रवाद पर मिस्री ने कहा, ₹खालिस्तानी उग्रवादियों और उनके करीबी लोगों की मौजूदगी का मुद्दा एक बार फिर हमने ब्रिटेन में अपने सहयोगियों के ध्यान में लाया है. हम ऐसा करते रहेंगे. यह न केवल हमारे लिए चिंता का विषय है, बल्कि हमारे सहयोगियों के लिए भी चिंता का विषय होना चाहिए, क्योंकि इसका इन अन्य देशों में भी सामाजिक सामंजस्य और सामाजिक व्यवस्था पर प्रभाव पड़ता है. ऊर्जा सुरक्षा को लेकर यूरोप एवं ब्रिटिश सरकार के रुख एवं भारत के रुख के बारें में एक सवाल के जवाब में विदेश सचिव ने कहा, हम इस बात पर बहुत स्पष्ट रहे हैं कि जहां तक ऊर्जा सुरक्षा का प्रश्न है, भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता भारत के लोगों को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करना है और हम इस संबंध में जो भी करना होगा, करेंगे. ऊर्जा संबंधी मुद्दों पर भी, जैसा कि हमने पहले कहा है, दोहरे मापदंड न अपनाना और व्यापक ऊर्जा बाजार के संबंध में वैश्विक स्थिति के बारे में स्पष्ट दृष्टिकोण रखना महत्वपूर्ण है. हम समझते हैं कि यूरोप के सामने एक महत्वपूर्ण और गंभीर सुरक्षा मुद्दा है, लेकिन बाकी दुनिया भी... यह भी मौजूद है. यह उन मुद्दों से भी निपट रहा है जो बाकी दुनिया के लिए अस्तित्व से जुड़े हैं. मुझे लगता है कि इन मुद्दों पर बात करते समय संतुलन और परिप्रेक्ष्य बनाए रखना ज़रूरी है.

बांग्लादेशी घुसपैठियों के बल पर राजनीति करने वाले घबराए : रविशंकर प्रसाद

एजेंसी ।नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद रविशंकर प्रसाद ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के विरोध पर विपक्ष पर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के अभियान से बांग्लादेशी घुसपैठियों के बल पर राजनीति करने वाले नेता ही घबराए हुए हैं. भाजपा सांसद प्रसाद ने संसद भवन परिसर में मीडियाकर्मियों से कहा कि भारत के संविधान के मुताबिक सिर्फ़ देश के निवासी को ही वोट देने का अधिकार है. अगर इसकी जांच हो रही है तो उन्हें दिक्कत क्यों है. ड्राफ्ट तैयार होने के बाद सभी दलों को अपील करने का अधिकार है. वे अपील कर सकते हैं. न जाने क्यों विपक्षी दल इसको लेकर हाय तौबा मचाए हुए हैं. अररिया, पूर्णिया और किशनगंज में 125 प्रतिशत लोगों को आधार कार्ड जारी किए गए हैं. चुनाव आयोग ने कहा है कि ज़्यादातर लोग बाहर से आए हैं. भारत कोई धर्मशाला नहीं है.

उपराज्यपाल ने आतंकवाद पीड़ित परिवारों के लिए एक समर्पित पोर्टल किया लॉन्च

एजेंसी ।नई दिल्ली

आतंकवाद पीड़ितों को संस्थागत सहायता प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पीड़ित परिवारों के लिए एक समर्पित पोर्टल लॉन्च किया. उपराज्यपाल ने कहा कि यह पहल केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद से पीड़ित लोगों को राहत, अनुकंपा नियुक्ति और अन्य प्रकार की सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और त्वरित करेगी. गृह विभाग द्वारा एनआईसी के सहयोग से विकसित यह वेब पोर्टल, आतंकवाद प्रभावित परिवारों का व्यापक जिलावार डेटा एकत्र करने और बनाए रखने के लिए केंद्रीकृत मंच के रूप में कार्य करेगा. पीड़ितों या उनके रिश्तेदारों की संपत्ति पर किसी भी अतिक्रमण का विवरण भी एकत्र

किया जा रहा है. यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी वैध मामला अनसुलझा न रहे और पात्र परिवारों को वित्तीय राहत, अनुग्रह राशि और अनुकंपा रोजगार के रूप में समय पर सहायता प्रदान की जाए, साथ ही किसी भी फर्जी या एकाधिक दावों को समाप्त करना सुनिश्चित किया जाए. उपराज्यपाल व्यक्तिगत रूप से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सभी मामलों के निवारण की निगरानी और देखरेख कर रहे हैं.

गाजा में विश्व स्वास्थ्य संगठन के कर्मचारी आवास पर इजराइल का हमला

एजेंसी। लंदन

विश्व स्वास्थ्य संगठन के गाजा के डेर अल बलाह स्थित कर्मचारी आवास पर इजराइली रक्षा बलों ने सोमवार को तीन बार हमला किया. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अधिकारियों ने एक बयान में यह जानकारी दी. संगठन ने इसके लिए इजराइल की निंदा की है.

अमेरिका के एबीसी न्यूज चैनल के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन के अधिकारियों ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इजराइली सेना परिसर में घुस गयी. महिलाओं और बच्चों को पैदल ही अल-मवासी की ओर जाने पर मजबूर कर दिया. विश्व स्वास्थ्य संगठन के कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को हथकड़ी लगायी गयी. उनके कपड़े उतारे गए. बंदूक के जोर पर उनकी तलाशी ली गयी.

संगठन ने डेर अल बलाह में कर्मचारियों के आवास पर हुए हमलों, शरण लिए हुए लोगों के साथ दुर्व्यवहार और उसके मुख्य गोदाम को नष्ट किए जाने की कड़े शब्दों में निंदा की है. इजराइल के सुरक्षाबलों ने इस पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है.

विपक्ष का एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को बिहार में जारी मतदाता सूची अपडेट प्रक्रिया एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के मुद्दे पर संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया.

प्रदर्शन में कई विपक्षी दलों के नेताओं ने भाग लिया. इनमें कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आरजेडी, द्रमुक और अन्य विपक्षी पार्टियों के नेता थे. सभी ने अपने हाथ में एसआईआर के विरोध में पोस्टर कार्ड पकड़े हुए थे. इनमें लिखा था कि एसआईआर भारतीयों के अधिकार छीन रहा है. साथ ही इसे रोके जाने के नारे लगाए जा रहे थे. उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर करा रहा है.

फरीदाबाद में भूकंप के झटके, 3.2 थी तीव्रता

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में मंगलवार सुबह भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई. कई लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए. सुबह करीब 6 बजे आए भूकंप के झटकों की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.2 मापी गई, जबकि इसका केंद्र फरीदाबाद रहा. बीते 25 दिनों में हरियाणा में यह छठा भूकंप है, जो राज्य में बढ़ते भूकंपीय खतरे की ओर इशारा करता है. विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार आ रही ये हलचलें बड़े भूकंप का संकेत भी हो सकती हैं. भूगर्भीय हलचल जमीन के पांच किलोमीटर अंदर दर्ज की गई. भूकंप के लिहाज से हरियाणा के 12 जिले संवेदनशील माने जाते हैं, जिनमें फरीदाबाद, पलवल के साथ-साथ रोहतक, पानीपत, करनाल, महेंद्रगढ़, पंचकूला, अंबाला, सोनीपत, गुरुग्राम, झज्जर और नूंह शामिल हैं.

अमृतसर हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़। पंजाब के अमृतसर स्थित गुरु रामदास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है. इस धमकी के बाद मंगलवार को हवाई अड्डे की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. वहीं स्वर्ण मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी भरे नौ ई-मेल शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) के पास आने के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान आज अमृतसर पहुंचेंगे. मुख्यमंत्री यहां दरबार साहिब में नतमस्तक होने के बाद पुलिस से इन घटनाओं के बारे में रिपोर्ट लेंगे. सोमवार रात गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने के संबंध में एक ई-मेल भेजी गई थी.

बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान को तत्काल रोका जाए : प्रियंका गांधी

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव एवं लोकसभा की सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लोकतंत्र की हत्या बताते हुए इसको तत्काल रोके जाने की मांग की है. प्रियंका गांधी ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह से गलत है और इससे मतदाताओं के अधिकारों का हनन हो रहा है. इस दौरान मौजूद कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने भी एसआईआर को लेकर गंभीर आपत्ति जतायी और कहा कि यह देशभर के मतदाताओं का वोट लूटने की साजिश है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को संसद में जोर-शोर से उठाएगी और यह सिर्फ बिहार का नहीं, बल्कि पूरे देश के लोकतांत्रिक ढांचे से जुड़ा सवाल है. इससे पहले, एसआईआर के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया. इस दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कई प्रमुख विपक्षी नेता उपस्थित थे. सभी नेता अपने हाथों में एसआईआर के विरोध के पोस्टर लिये हुए थे, जिन

पर एसआईआर विरोधी नारे लिखे हुए थे. चुनाव आयोग बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए एसआईआर करा रहा है. इस प्रक्रिया में अब तक 90.67 प्रतिशत मतदाताओं ने फॉर्म भर दिए हैं. इसके बाद ड्राफ्ट सूची जारी होगी और 30 सितंबर तक अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी.

कांग्रेस महासचिव एवं लोकसभा की सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लोकतंत्र की हत्या बताते हुए इसको तत्काल रोके जाने की मांग की है. प्रियंका गांधी ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह से गलत है और इससे मतदाताओं के अधिकारों का हनन हो रहा है. इस दौरान मौजूद कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने भी एसआईआर को लेकर गंभीर आपत्ति जतायी और कहा कि यह देशभर के मतदाताओं का वोट लूटने की साजिश है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को संसद में जोर-शोर से उठाएगी और यह सिर्फ बिहार का नहीं, बल्कि पूरे देश के लोकतांत्रिक ढांचे से जुड़ा सवाल है. इससे पहले, आज एसआईआर के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया. इस दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कई प्रमुख विपक्षी नेता उपस्थित थे.

हर गांव में बनेगी सहकारी समिति : अमित शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में बताया कि सरकार ने 15 फरवरी 2023 को देश में सहकारी आंदोलन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने और इसकी पहुंच हर गांव और पंचायत तक सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक योजना को मंजूरी दी थी. इस योजना के तहत आगामी पांच वर्षों में देशभर के सभी गांवों और पंचायतों में दो लाख नई बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख समितियां (एम-पीएसीएस), डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना का लक्ष्य है.

अमित शाह ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि यह योजना केंद्र सरकार की मौजूदा योजनाओं जैसे डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (डीआईडीएफ), राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी), पीएम मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) आदि के समन्वय से लागू की जा रही है. इसमें राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी), राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) और राज्य सरकारों की भूमिका अहम है.

राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस का हवाला देते हुए शाह ने बताया कि 30 जून 2025 तक देशभर में 22,606 नयी पीएसीएस, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियां पहले ही पंजीकृत की जा चुकी

हैं. इस योजना के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए 19 सितंबर 2024 को सहकारिता मंत्रालय द्वारा नाबार्ड, एनडीडीबी और एनएफडीबी के समन्वय में एक मार्गदर्शिका (एसओपी - मार्गदर्शिका) जारी की गयी है. इसमें सभी संबंधित पक्षों की भूमिकाएं, लक्ष्यों और समयसीमा को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है.

मार्गदर्शिका के अनुसार, आंध्र प्रदेश में कुल 4,188 पीएसीएस, 9,149 डेयरी और 200 मत्स्य सहकारी समितियों के गठन का लक्ष्य है लेकिन राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस के मुताबिक, 30 जून 2025 तक राज्य में केवल 891 डेयरी सहकारी समितियां (जिनमें से 5 कृष्णा जिले में हैं) और 2 मत्स्य सहकारी समितियां ही पंजीकृत की जा सकी हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, मैसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड के लिए के.जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित. संपादक **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक **संजय सिंह***. फोन नंबर 0651-2961734 आरएनआई नंबर **JHAHIN/2023/84487**(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)